राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मार्श शतक से चूके, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 487 रन.....

मेसी की छह जर्सी 78 लाख डॉलर में बिकी..... 11

वर्ष : 14 | अंक : 213 | नई दिल्ली, शनिवार, 16 दिसंबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर चर्चा कराने तथा सदन में गृह मंत्री के बयान की मांग पर अड़िग विपक्ष ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही पहले दो बजे तक और फिर दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सभापति जगदीप धनखड़ ने आज सुबह के स्थगन के बाद जब दो बजे पुनःकार्यवाही शुरू करने की कोशिश की तो विपक्षी सदस्यों ने शोर करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। सभापति ने सदस्यों से बार-बार अनुरोध किया कि वे अपनी सीटों पर बैठ जायें। उन्होंने सदस्यों से कहा कि उन्हें एक घोषणा करनी है, कृपया सदस्य अपनी जगह पर जाकर बैठ जायें। विपक्षी सदस्यों ने उनकी बात नहीं सुनी और वे आगे आकर नारेबाजी करते रहे। उनकी अपील का विपक्षी सदस्यों पर असर न होते देख सभापति ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। विपक्ष बृहस्पतिवार से ही मांग कर रहा है कि सदन में सभी कामकाज रोककर संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर सदन में नियम 267 के तहत चर्चा करायी जानी चाहिए और गृह मंत्री अमित शाह को इस विषय पर जवाब देना चाहिए। उधर सभापति का कहना है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो रही है और सदस्यों को सदन की कार्यवाही चलने देनी चाहिए जिससे कि विधायी कामकाज पूरा हो सके। कार्यवाही स्थगित किये जाने से आज भी सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल के साथ-साथ कोई भी विधायी कामकाज नहीं हो सका। सभापति ने नेता विपक्ष, नेता सदन और अन्य दलों के नेता सदन को इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अपने कक्ष में बुलाया था हालाकि उस बैठक में कोई नतीजा नहीं निकला। इससे पहले सभापति ने सुबह जरुरी विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि उन्हें सदस्यों से 13 दिसम्बर को संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के 23 नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा,ह्लमैंने सदन को बृहस्पतिवार को ही इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दे दी थी। इस घटना की जांच की जा रही है और इसे इसके अंजाम तक ले जाया जायेगा। इस स्थिति में उन्हें नहीं लगता कि इन नोटिसों को स्वीकार करने का कोई औचित्य है। श्री धनखड़ के इतना कहते ही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपनी जगहों से उठकर चर्चा की मांग करते हुए जोर-जोर से बोलने लगे। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहा लेकिन सभापति ने कहा कि आप इशारे करने के बजाय अपनी वाणी का इस्तेमाल करें। सभापति ने कहा कि आप इस सदन में दोषी साबित किये जा चुके हैं और सदन में आचरण के बारे में सीखें। इसी बीच विपक्षी सदस्यों के शोर मचाने पर नेता सदन पीयूष गोयल ने कांग्रेस शासित कर्नाटक राज्य में सुरक्षा का मुद्दा उठाया। सभापति ने विपक्षी सदस्यों से शांत होने की अपील की लेकिन उनके शांत नहीं होने पर उन्होंने कहा कि उन्हें मजबूरन सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ रही है। उन्होंने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता सदन पीयूष गोयल और विभिन्न दलों के सदन में नेताओं को तत्काल अपने कक्ष में आने का निमंत्रण दिया जिससे कि इस मुद्दे का बातचीत के जरिये हल निकाला जा सके। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर कल भी सदन में जोरदार हंगामा किया था जिसके कारण कार्यवाही पांच बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी थी। सदन ने अर्मयादित आचरण के लिए तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करते हुए उनका मामला सदन की विशेषाधिकार समिति को भेज दिया था।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	63,184
चांदी	75,600
सेंसेक्स	64,112
निफ्टी	19,150

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका अनुकरणीय कार्य हमें एक मजबूत और अधिक एकजुट देश के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देता है। अपने नेतृत्व क्षमता के लिए सरदार की उपाधि से सम्मानित पटेल को आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने सैकड़ों रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''महान सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और देश की एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने आधुनिक भारत की नींव रखी।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''उनका अनुकरणीय कार्य हमें एक मजबूत, अधिक एकजुट देश के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देता है। हम समृद्ध भारत के उनके सपने को साकार करने के लिए उनके कार्यों और जीवन से प्रेरणा लेते हैं।''

भजन लाल ने ली राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान में जयपुर के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा ने शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामय उपस्थिति में राज्यपाल कलराज मिश्र ने रामनिवास बाग में आयोजित भव्य समारोह में श्री शर्मा को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने हिन्दी में शपथ ली। श्री मिश्र ने इस अवसर पर सुश्री दिया कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन दोनों ने भी हिन्दी में शपथ ली। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सम्मिलित हुए। इसी तरह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,भाजपा नेताओं में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. सतीश पूनियां, कई सांसद तथा पार्टी के कई

नेता एवं निर्वाचित विधायक समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित विधायक, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन का वादन हुआ। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने शपथ ग्रहण से संबंधित कार्यवाही का संचालन किया। बाद में सभी ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अभिनंदन करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का समापन पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन के साथ हुआ। उल्लेखनीय है कि गत 25 नवंबर को हुए विधानसभा आम चुनाव-2023 में 115 सीटों के साथ भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई जिसमें सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए भजन लाल शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया जबकि विद्याधरनगर से विधायक दिया कुमारी और दूदू से प्रेम चंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री तथा अजमेर उत्तर से वासुदेव देवनानी को विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया गया। विधानसभा की 200 में से 199 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा ने 115 पर जीत हासिल की जबकि कांग्रेस 69 पर सिमट गई। श्रीगंगानगर जिले में करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण चुनाव स्थगित हो गया जहां अब पांच जनवरी को मतदान होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने पर भजनलाल शर्मा को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल के नेता भजनलाल शर्मा को बधाई दी और प्रदेश की जनता को भरोसा दिलाया कि उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नई सरकार जी-जान से जुटी रहेगी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल के सामने आयोजित एक समारोह में शर्मा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने भी मंत्री पद की शपथ ली। दीया कुमारी और बैरवा को राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले भजन लाल शर्मा के साथ ही उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को बहुत-बहुत बधाई!'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि वीर-वीरांगनाओं का यह प्रदेश आपके नेतृत्व में सुशासन, समृद्धि और विकास के नित-नए मानदंड स्थापित करेगा। यहां के मेरे परिवारजनों ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ हमें भरपूर आशीर्वाद दिया है, उस पर खरा उतरने के लिए भाजपा सरकार जी-जान से जुटी रहेगी।'' प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की बधाई भी दी। आज शर्मा का जन्मदिन भी है। मोदी ने कहा, ''वर्षों से पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने (शर्मा) राज्य भर में भाजपा को मजबूत करने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। अब जबकि वह मुख्यमंत्री की अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं, मैं उन्हें लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'' प्रधानमंत्री मोदी भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। उनके अलावा गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

कोलकाता में ललित झा के घर की घेराबंदी, नीलाक्ष आइच से सघन पूछताछ

कोलकाता, एजेंसी

संसद की सुरक्षा में चूक के मामले के मुख्य आरोपित ललित मोहन झा के कोलकाता स्थित ठिकाने पर शुक्रवार सुबह भी पुलिस की टीम पहुंची। यहां घेराबंदी कर दी गई है ताकि सबूतों से छेड़छाड़ ना हो। बड़ाबाजार के जिस कमरे में वह रहता था उसे सील किया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ललित झा के दोस्त निलाक्ष आइच से उत्तर 24 परगना जिले में पुलिस ने घंटों तक पूछताछ की। अधिकारी ने बताया कि बैरकपुर पुलिस का एक दल गुरुवार रात को आइच के हालीसहर स्थित आवास पहुंचा और उससे उन दिनों के दौरान झा के साथ उसकी जान पहचान के बारे में पूछा जब आरोपी एक स्वयंसेवी संस्था के लिए काम करता था। अधिकारी ने बताया, 'हमने झा के साथ उसकी दोस्ती के बारे में जानने के लिए उससे (आइच से) घंटों पूछताछ की। हमें दिल्ली पुलिस से इस बारे में जानकारी मिली थी।' पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल के एक कॉलेज में स्नातक के छात्र आइच को घटना के तुरंत बाद झा से संसद की सुरक्षा में चूक से जुड़ा वीडियो मिला था। पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार सुबह बताया, 'हमने आइच के मोबाइल फोन की जांच की है और कुछ जानकारी एकत्र की है, जो हमारी जांच में महत्वपूर्ण हो सकती है।' दिल्ली पुलिस सूत्रों ने बताया कि संसद की सुरक्षा में चूक की घटना के मुख्य आरोपित झा को गुरुवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया। झा एक व्यक्ति के साथ राष्ट्रीय राजधानी के कर्तव्य पथ पुलिस थाना पहुंचा जहां उसे विशेष शाखा को सौंप दिया गया। नई दिल्ली में 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन ही बुधवार को गंभीर सुरक्षा चूक हुई। दो लोग बुधवार को दर्शक दीर्घा से सदन के भीतर कूद गए और उन्होंने केन के जरिये पीले रंग का धुआं फैलाया, जिससे सदन में दहशत फैल गई। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया।

विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने कई परियोजनाओं पर नजर रखकर विकास को बढ़ावा देने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 2014 के बाद से, उससे पहले के 10 वर्षों की तुलना में दोगुने उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अब आठ अरब डॉलर की है और इसमें 45,000 लोग काम करते हैं। पुरी ने भरोसा जताया कि यह क्षेत्र अगले 15 साल में 100 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा और इसकी वैश्विक हिस्सेदारी मौजूदा दो प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत हो जाएगी। पुरी ने शहरी विकास, बुनियादी ढांचा कार्य और मनरेगा से जुड़ी कई परियोजनाओं पर नजर रखने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को श्रेय दिया और कहा कि इससे विकास को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र के खुलने से इस क्षेत्र में 195 स्टार्टअप शुरू हुए हैं और भारतीय उपग्रह विनिर्माण एक साल में 3.2 अरब डॉलर का हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अब एंड-टू-एंड तकनीक के साथ अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले देशों में पांचवें स्थान पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने के अपने मिशन में सफल होगा। उन्होंने कहा कि रूस के असफल चंद्र मिशन की लागत 16,000 करोड़ रुपये से अधिक थी जबकि भारत के सफल चंद्रयान मिशन की लागत केवल 600 करोड़ रुपये थी।

संसद की सुरक्षा में चूक मामले को लेकर पुलिस ने मुख्य आरोपी के दोस्त से पूछताछ की

कोलकाता, एजेंसी

संसद की सुरक्षा में चूक के मामले के मुख्य आरोपी ललित मोहन झा के एक दोस्त से पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पुलिस ने घंटों तक पूछताछ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बैरकपुर पुलिस का एक दल बृहस्पतिवार को निलकहया आइच के हालिसहर स्थित आवास पहुंचा और उससे उन दिनों के दौरान झा के साथ उसकी जान पहचान के बारे में पूछा जब आरोपी एक स्वयं सेवी संस्था के लिए काम करता था। अधिकारी ने बताया, ''हमने झा के साथ उसकी दोस्ती के बारे में जानने के लिए उससे (आइच से) घंटों पूछताछ की। हमें दिल्ली पुलिस से इस बारे में जानकारी मिली थी।'' पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल के एक कॉलेज में स्नातक के छात्र

आइच को घटना के तुरंत बाद झा से संसद की सुरक्षा में चूक से जुड़ा का एक वीडियो मिला था। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''हमने आइच के मोबाइल फोन की जांच की है और कुछ जानकारी एकत्र की है, जो हमारी जांच में महत्वपूर्ण हो सकती है।'' दिल्ली पुलिस सूत्रों ने बताया कि संसद की सुरक्षा में चूक की घटना के मुख्य आरोपी झा को बृहस्पतिवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। झा एक व्यक्ति के साथ राष्ट्रीय राजधानी के कर्तव्य पथ पुलिस थाना पहुंचा जहां उसे विशेष शाखा को सौंप दिया गया। नई दिल्ली में 2001 में संसद पर हुये घातक आतंकवादी हमले की बरसी के दिन ही बुधवार को गंभीर सुरक्षा चूक हुई। दो लोग बुधवार को दर्शक दीर्घा से सदन के भीतर कूद गए और उन्होंने केन के जरिये पीले रंग का धुआं फैलाया, जिससे सदन में दहशत फैल गई। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया।

महाराष्ट्र में हाल में 50,000 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए : फडणवीस

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य पुलिस ने हाल में लगभग 50,000 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। फडणवीस ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) विधायक रवींद्र वायकर के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। वायकर मुंबई के जोगेश्वरी पूर्व क्षेत्र से विधायक हैं। फडणवीस ने कहा, ह्लपुलिस ने हाल में 50,000 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं।

पुलिस ने मादक पदार्थ की समस्या पर काबू के लिए मुंबई में 2,200 छोटी दुकानों पर नजर रखी जिनके माध्यम से मादक पदार्थ बेचा जा रहा था। उन दुकानों को बंद करवा दिया गया है। हालांकि, उपमुख्यमंत्री ने उस अवधि के बारे में नहीं बताया, जिस दौरान मादक पदार्थ जब्त किए गए। फडणवीस ने कहा,₹राज्य सरकार आयात किए जा रहे रसायनों पर नजर रख रही है जिनका उपयोग मादक पदार्थ बनाने के लिए किया जा सकता है।

हमने पाया है कि बंद कारखानों का उपयोग मादक पदार्थों के उत्पादन के लिए किया जा रहा है। मुंबई पुलिस द्वारा 300 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद, विपक्ष और सत्ता पक्ष ने मुख्य आरोपी ललित पाटिल को लेकर एक-दूसरे पर निशाना साधा है।

सुप्रीम कोर्ट अब उच्च न्यायालय कुछ आवेदनों पर विचार कर रहा है, जिनके दूरगामी परिणाम होंगे.....

मथुरा के शाही ईदगाह के सर्वेक्षण आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर सर्वेक्षण का इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। पीठ के समक्ष मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अदालत ने पहले कहा था कि मामले में सुनवाई की

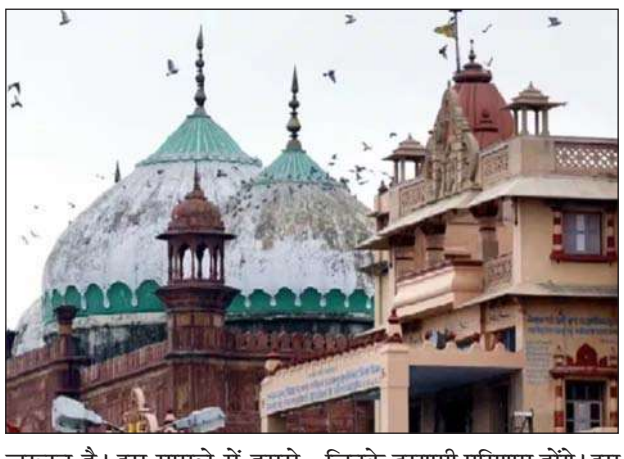

जरूरत है। इस मामले में हमसे लिखित दलीलें दाखिल करने को भी कहा गया था। उन्होंने कहा, लेकिन अब उच्च न्यायालय कुछ आवेदनों पर विचार कर रहा है, जिनके दूरगामी परिणाम होंगे। इस पर पीठ ने कहा, इस स्तर पर हम कुछ भी नहीं रोकेंगे। यदि कोई प्रतिकूल आदेश है तो आप यहां आ सकते हैं। श्री अहमदी ने कहा कि गुरुवार को एक आदेश पारित किया गया, जिसमें आयुक्त को शाही ईदगाह मस्जिद का निरीक्षण करने और इसके लिए आयोग नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा, यह तब हो रहा है जब शीर्ष अदालत इस मामले में अधिकार क्षेत्र का फैसला कर रही है।

पीठ ने अहमदी से उच्च न्यायालय को यह बताने को कहा कि वह (शीर्ष अदालत) नौ जनवरी को मामले की सुनवाई करने वाली है। इस पर श्री अहमदी ने दलील देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय सुनवाई नहीं कर रहा है। शीर्ष अदालत ने हालांकि,कहा कि उसके के समक्ष एकमात्र अधिकार क्षेत्र का स्थानांतरण का मामला है। इस तरह मामला अब उसके समक्ष योग्यता के आधार पर नहीं है। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता को कोई शिकायत है तो वह कानून के अनुसार चुनौती दायर कर सकता है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को शाही ईदगाह परिसर का अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्तों की तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। सर्वेक्षण किस तरीके से किया जाएगा, इसके बारे में अदालत 18 दिसंबर को फिर सुनवाई करेगी। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ ने कहा था कि वह आयुक्त की नियुक्ति और सर्वेक्षण के तौर-तरीकों पर सोमवार को फैसला करेगी। उच्च न्यायालय ने हरि शंकर जैन और अन्य के माध्यम से देवता (भगवान श्री कृष्ण विराजमान) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया था। याचिकाकताओं की दलील थी कि मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट औरंगजेब ने भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के एक हिस्से को ध्वस्त करने के बाद किया था। याचिकाकताओं ने पूरी 13.37 एकड़ भूमि पर स्वामित्व का दावा किया है, जिस पर फिलहाल मस्जिद की संरचनाएं स्थित हैं। उन्होंने शाही ईदगाह मस्जिद समिति और श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के बीच 1968 के समझौते को भी चुनौती दी है, जिसने मस्जिद को उस भूमि का उपयोग करने की अनुमति दी थी जिस पर वह स्थित थी।

48वीं कुमाऊं एथलेटिक्स मीट की चैंपियन बनीं डीएसबी नैनीताल की टीम

रुद्रपुर, एजेंसी। कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय महिला एथलेटिक्स मीट की चैंपियन ट्रॉफी डीएसबी नैनीताल की टीम ने अपने नाम की। पीएनजी कॉलेज रामनगर की टीम उपविजेता रही। बुधवार को सरदार भगत सिंह पीजी कॉलेज में महिला एथलेटिक्स मीट की 4×100 मीटर रिले दौड़ में डीएसबी नैनीताल की खुशी बिष्ट, चारू, मोनिका व निधि ने सबसे तेज दौड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं पीएनजी रामनगर की टीम में भावना, अनामिका, भारती, निशा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान एसबीएस रुद्रपुर डिग्री कॉलेज की अनिता, तारा, अनशिता, अंकिता ने हासिल किया है। 4×400 मीटर रिले दौड़ में एमबी हल्द्वानी की नेहा कोरंगा, पूजा बिष्ट, सोनम सैनी, सुरभि नैनवाल ने प्रथम स्थान हासिल किया। पीएनजी रामनगर की टीम की ईशु नेगी, रिंकी, मीना, नेहा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। तृतीय स्थान पर महिला कॉलेज हल्द्वानी की लीला, पायल, बरखा व कल्पना बिष्ट रहीं। मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.डीसी पंत ने विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। वहां कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा, डॉ. राजेश कुमार, सुरेश पांडे, रघुवीर सिंह विर्क, ममता बोरा, ममता पाठक, कमल सक्सेना, अंकुश रौतला आदि थे।

श्री धाम अयोध्या से आए पूजित अक्षत कलश

काशीपुर, एजेंसी। श्री धाम अयोध्या से आए पूजित अक्षत कलश की शोभा यात्रा तारावती सरोजनी देवी विद्यालय से धूमधाम से निकाली गई। बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर प्रचार प्रमुख आकाश गर्ग ने बताया कि विद्यालय में कलश का पूजन कर खुली गाड़ी में कलश को रखा गया। आगे बाइक रैली, कलश का रथ, कारों का काफिला चल रहा था। शोभायात्रा विद्यालय से शुरू होकर टांडा चौराहा, रेलवे स्टेशन, महाराणा प्रताप चौक, रामलीला मैदान, चीमा चौराहा, शिव नगर कॉलोनी, जसपुर खुर्द होते हुए मां बाल सुंदरी देवी मंदिर पहुंची। जहां आरती पूजन के बाद पूजित अक्षतों को ग्रामीण व शहर के विभिन्न भागों के लिए भेजा गया। जिला प्रचारक सौरभ जोशी ने कहा कि प्रभु श्री राम 22 जनवरी को श्री धाम अयोध्या मंदिर में विराजेंगे। उन्होंने लोगों से कहा दीपावली के तरह घरों में दीपक जलाएं। वहां पर नगर संचालक अमित मित्तल, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, डॉ. अक्षय कुमार, खिलेंद्र चौधरी, निवर्तमान मेयर उषा चौधरी, राम महरोत्रा आदि उपस्थित रहे।

विधायक और एसडीएम में तीखी नोकझोंक

जसपुर, एजेंसी। फीका नदी में अवैध खनन के मामले में तहसील प्रशासन की ओर से डंपर और जेसीबी को सीज नहीं करने, खनन माफिया के खिलाफ 24 घंटे बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को विधायक आदेश चौहान की एसडीएम से तीखी नोकझोंक हो गई। विधायक ने तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एसडीएम ने पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब मामला शांत हुआ। विधायक चौहान एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उन्होंने एसडीएम गौरव चटवाल से मंगलवार को खनन में लगे वाहनों के स्वामियों पर हुई कार्रवाई की जानकारी मांगी। आरोप लगाया कि अवैध खनन में लगे दो डंपरों और एक जेसीबी को तहसील प्रशासन ने जानबूझकर छोड़ा है। कहा कि वह इस पूरे प्रकरण को विधानसभा में उठाएंगे। इसको लेकर विधायक और एसडीएम के बीच तीखी नोकझोंक हुई। एसडीएम गौरव चटवाल ने विधायक के आरोपों को बेबुनियाद बताकर कहा कि तहसीलदार एक डंपर और एक जेसीबी को तहसील में लेकर आई थी। डंपर को रवन्ना दिखाने पर छोड़ दिया गया जबकि एक जेसीबी अब भी कब्जे में है। जहां पर खनन किया जा रहा था वह पूरन सिंह पुत्र फूल सिंह का खेत था। कहा कि खनन माफिया के खिलाफ जुर्माने की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही एक जेसीबी चालक मशीन लेकर फरार हो गया था। नदी में खड़े दोनों डंपर में खनिज सामग्री नहीं थी। एक किसान ने एसडीएम को पत्र देकर फीका नदी में हो रहे अवैध खनन को रुकवाए जाने की मांग की है।

भाखड़ा रेंज से कटे खैर के 83 गिल्टे बरामद

रुद्रपुर, एजेंसी। तराई केंद्रीय वन प्रभाग की भाखड़ा रेज से काटे गए खैर के 83 गिल्टे वन विभाग की टीम ने केलाखेड़ा के चंदननगर गांव से बरामद किए हैं। आरोपी गिल्टों को ट्रक में भरने की तैयारी कर रहे थे। तभी वन विभाग की टीम को देखकर वे भाग निकले। टीम ने लकड़ी सहित ट्रक और चार बाइक को जब्त कर टांडा रेंज परिसर में खड़ा कर दिया है। बता दें कि भाखड़ा रेंज में खैर के पेड़ों के अवैध कटान के बाद से रेंजर हरीश चंद्र पांडे लापता थे। बुधवार को उनका शव भीमताल झील में उतराता मिला था।

वन विभाग के अनुसार 12 दिसंबर की रात टांडा रेंज के रेंजर रूप नारायण गौतम को मुखबिर ने सूचना दी कि भाखड़ा रेंज से काटे गए खैर के पेड़ों के गिल्टे ग्राम चंदननगर केलाखेड़ा निवासी अमरजीत सिंह के घर पीछे नाले में छिपाए गए हैं। उन्होंने रेंज स्टाफ, वन सुरक्षा दल और भाखड़ा रेंज की संयुक्त टीम के साथ घटनास्थल पर दबिश दी। इस दौरान वाहन में कुछ लोग गिल्टे भर रहे थे। इसी दौरान वन विभाग की टीम को वहां देख वे पैदल ही गन्ने के खेतों में भाग गए। रेंजर गौतम ने बताया कि अमरजीत के खिलाफ वन अपराध में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। अमरजीत के खिलाफ बरहैनी में एक साल पहले खैर के पेड़ काटने का वन अपराध दर्ज है। आरोपी बरामद गिल्टों को ट्रक में लादकर दूसरी जगह ले जाने के फिराक में थे। टीम में डिप्टी रेंजर दीवान सिंह रौतेला, कैलाश चंद्र तिवाड़ी, राम सिंह जेठा, कांता राम, वीरेंद्र सिंह परिहार सहित अनेक मौजूद रहे। संवाद

ऊधमसिंह नगर की सीमा पर स्थित जगबूड़ा पुल के पास बुधवार रात वन विभाग और बनबसा पुलिस टीम ने संयुक्त गश्त के दौरान एक पिकअप में शीशम के छह गिल्टे बरामद किए। शीशम के गिल्टों को नेपाल से तस्करी कर लाए जाने की आशंका है। वन विभाग ने वन अधिनियम में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तराई पूर्वी वन प्रभाग की खटीमा रेंज की टीम और बनबसा पुलिस रात्रि गश्त पर थी। तभी जगबूड़ा पुल के पास टनकपुर की ओर से आते एक पिकअप को चेकिंग के लिए रोका। पिकअप में शीशम के छह पुराने गिल्टे मिले। टीम ने पिकअप चालक से पूछताछ की और पिकअप को जब्त कर खटीमा रेंज कार्यालय परिसर में खड़ा कर दिया। रेंजर महेश जोशी ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गईहै। पिकअप चालक टनकपुर निवासी महेंद्र का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण उसे निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि बरामद शीशम की लकड़ियां काफी पुरानी मालूम पड़ रही हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि लकड़ियों को कहीं स्टोर किया गया होगा जहां से तस्करी कर खटीमा लाया जा रहा था। इसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

हिमालयी क्षेत्र के गांवों के विकास की नीति के लिए करार

अल्मोड़ा, एजेंसी। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी-कटारमल और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद के बीच शोध और विकास कार्यों के लिए बुधवार को करार हुआ। राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद के महानिदेशक आईएएस डॉ. जी. नरेंद्र कुमार ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए।

संस्थान के निदेशक प्रो. नौटियाल ने कहा कि इस करार के तहत दोनों संस्थानों के विशेषज्ञ हिमालयी क्षेत्रों के ग्रामीण विकास के लिए नीति तैयार करने को मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने संस्थान की ओर से फरवरी 2024 में एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद के महानिदेशक को संस्थान भ्रमण के लिए आमंत्रण भी दिया।

विदेशी छात्रों को भी प्रशिक्षण देगा इग्नू, अफगानिस्तान के 403 विद्यार्थियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

नैनीताल , एजेंसी।
अफगानिस्तान और 22 अफ्रीकी देशों के विद्यार्थियों को इग्नू ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण देगा। भारत सरकार के इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन (आईसीसीआर) के तहत अफगानिस्तान से एमओयू हुआ है।

अफगानिस्तान और 22 अफ्रीकी देशों के विद्यार्थियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण देगा। भारत सरकार के इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन (आईसीसीआर) के तहत अफगानिस्तान से एमओयू हुआ है। वहीं ई-विद्या भारती और आरोग्य भारती परियोजना के तहत 22 अफ्रीकी देशों के साथ करार हुआ है।

अफगानिस्तान के 403 विद्यार्थियों को 14 प्रोग्राम की ट्रेनिंग देने का जिम्मा इग्नू के रीजनल सेंटर देहरादून को मिला है। इसकी कक्षाएं शुरू हो गई हैं। वहीं, ई-विद्या भारती और आरोग्य भारती योजना के तहत नाइजीरिया, केन्या, यूगांडा समेत 22 अफ्रीकी देशों के 2600 पंजीकृत विद्यार्थियों को 43 प्रोग्राम में इग्नू कविभिन्न केंद्रों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ई-विद्या भारती और आरोग्य भारती परियोजना का मकसद छात्र और संकाय की गतिशीलता की सुविधा, शिक्षण और सीखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को शामिल करना, बाजार की जरूरत के अनुरूप पाठ्यक्रम विकास, ई-लर्निंग प्लेटफार्मों में विशेषज्ञता साझा करना, संयुक्त अनुसंधान और विकास पहल, नीति ढांचे के निर्माण में सहायता, नए कार्यक्रम का विकास और शैक्षिक संसाधनों को साझा करना शामिल है। आईसीसीआर के तहत अफगानिस्तान के विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी है। अफगानिस्तान के 403 विद्यार्थियों को इग्नू रीजनल सेंटर देहरादून की ओर से 14 प्रोग्राम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा ई-विद्या भारती प्रोजेक्ट के तहत 22 अफ्रीकी देशों के 2600 विद्यार्थियों को इग्नू के विभिन्न सेंटर की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

15000 किसानों की नहीं हुई ई-केवाईसी, चलेगी सत्यापन की ड्राइव

रुद्रपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत ई-केवाईसी नहीं कराने वाले 15 हजार किसान फर्जी हो सकते हैं। कृषि विभाग की ओर से अब इनके सत्यापन की ड्राइव चलाई जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसान फर्जी तरीके से लाभ लेने वाले, आयकर देने वाले, 10 हजार रुपये से अधिक पेंशन लेने वाले हो सकते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए भारत सरकार की ओर से किसानों के खाते ई-केवाईसी करवाए गए। जिले में वर्तमान में 60 हजार किसानों ने खाते ई-केवाईसी करा लिए हैं। अभी भी 15 हजार किसानों ने ई-केवाईसी नहीं कराया है। इसके चलते भारत सरकार की ओर से इन्हें राशि का भुगतान नहीं किया गया है। योजना के तहत किसानों को सालाना छह हजार रुपये तीन किस्तों के रूप में दिए जाते हैं। कृषि विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष 2021 तक विभाग ने फर्जी तरीके से लाभ ले रहे 2000 किसानों के खातों को इनएक्टिव किया था।

नरभक्षी ने महिलाओं को मार डाला- डीएफओ बोले- खबर छापकर मुझे व्हाट्सएप पर भेज दीजिएगा

नैनीताल , एजेंसी।
नैनीताल जिले में बाघ द्वारा मानव मृत्यु की दो घटनाएं किए जाने के बाद नैनीताल डीएफओ ने 9 दिसंबर को बाघ को अंतिम विकल्प के रूप में नष्ट करने की अनुमति मांगी थी। 10 दिसंबर को मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के स्तर पर अनुमति भी दे दी गई।

नैनीताल के भीमताल ब्लॉक स्थित मलुवाताल के तोक कसाइल और पिनरों के डोब गांव में नरभक्षी के दो महिलाओं को मौत के घाट उतारने वाले मामले में नया मोड़ आ गया है। बाघ को अंतिम विकल्प के रूप में नष्ट करने के आदेश जारी हुए हैं। इतना छाप दीजिए मेरा काम हो जाएगा। खबर छापकर सुबह-सुबह मुझे व्हाट्सएप पर भेज दीजिएगा। मेरी जान बच जाएगी।

दो महिलाओं को मौत के घाट उतारने वाला तेंदुए था या बाघ इस तथ्य की डीएफओ की ओर से पुष्टि नहीं की जा रही थी। सात दिसंबर को मलुवाताल के तोक कसाइल की इंद्रा देवी की बाघ के हमले से मौत होने के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और ट्रैंक्यूलाइज करने के लिए मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उत्तराखंड को पत्र भेजकर अनुमति मांगी गई थी। 9 दिसंबर को भीमताल के पिनरों डोब निवासी पुष्पा देवी को भी बाघ ने मौत के घाट उतार दिया था।

बाघ द्वारा मानव मृत्यु की दो घटनाएं किए जाने के बाद नैनीताल डीएफओ ने 9 दिसंबर को बाघ को अंतिम विकल्प के रूप में नष्ट करने की

अनुमति मांगी थी। 10 दिसंबर को मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के स्तर पर अनुमति भी दे दी गई। लेकिन, महिलाओं को मौत के घाट उतारने वाला तेंदुआ था या बाघ डीएफओ की ओर से मीडिया को स्पष्ट नहीं किया जा रहा था। वन्यजीव को लेकर मीडिया को भ्रम में रखा गया। उनका कहना था कि बाघ और गुलदार में ज्यादा अंतर नहीं होता है। केवल हिंसक वन्यजीव लिखिए।

नैनीताल डीएफओ झूठ बोल रहे हैं। पल-पल अपनी बात बदल रहे हैं। पता नहीं, उन पर किस अधिकारी का दबाव है। 10 दिसंबर को डीएफओ ने दस गांव के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के समक्ष कहा था कि नरभक्षी को मारने की अनुमति मिल चुकी है। डीएफओ महिलाओं को मारने वाले जीव को बाघ कहने से बच रहे थे लेकिन हमला करने वाला बाघ ही था। डीएफओ को इस तरह गुमराह नहीं करना चाहिए।

पहाड़ी में लगी आग से गिरे पत्थर, चालक बाल-बाल बचे

नैनीताल , एजेंसी। लंबे समय से बारिश नहीं होने से अल्मोड़ा और नैनीताल जिले के जंगलों में आग लगने लगी है। बुधवार दोपहर खैरना-रानीखेत मोटर मार्ग पर भुजान के पास कनवाड़ी की पहाड़ी में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही छाती गांव के सरपंच राम सिंह बिष्ट, धीरज सिंह, करन और पवन सिंह आग बुझाने के लिए पहुंचे। खड़ी पहाड़ी होने के चलते आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं आग लगने के बाद पहाड़ी से पत्थरों के गिरने से रानीखेत, हल्द्वानी, बेतालघाट, तिपोला, वर्धो की तरफ आने-जाने वाले वाहन चालक और यात्री बाल-बाल बच गए।

खेलो इंडिया योगासन के लिए यूएस नगर से बेबी और आस्था का चयन

काशीपुर, एजेंसी। पंजाब में होने वाली नॉर्थ जोन खेलो इंडिया योगासन वूमेन लीग चैंपियनशिप के लिए काशीपुर की बेबी कौर का चयन हुआ है। इसके लिए वह निरंतर अभ्यास करने में जुटी है। 16-17 दिसंबर को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब में नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन योगासन की ओर से नॉर्थ जोन अस्मिता खेलो इंडिया योगासन वूमेन लीग चैंपियनशिप का आयोजन होगा। जिला ऊधमसिंह नगर से काशीपुर निवासी बेबी कौर समेत उत्तराखंड से 15 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगी।

वन विभाग बेचैन, नरभक्षी तेंदुए ने छीना चैन

नैनीताल , एजेंसी। भीमताल और धारी ब्लॉक के गांवों में नरभक्षी तेंदुए का आतंक बना हुआ है। बाघ विशेषज्ञ और वनकर्मियों की टीम तेंदुए को खोजने के लिए दिन-रात खाक छान रही है। बाघ विशेषज्ञ और वनकर्मियों की टीम मलुवाताल, पिनरों, दुदुली, हैड़ाखान, अम्दौ क्षेत्र में तेंदुए की तलाश में लगी हुई है। बीते तीन-चार दिन से तेंदुआ कैमरा ट्रैप और ड्रोन में कैद नहीं हो पाया है। तेंदुए को ट्रैंक्यूलाइज करने के लिए बाघ विशेषज्ञ डॉ. हिमांशी पांगती, हरीश धामी, विपिन चंद्रा के साथ 75 से अधिक वन कर्मी, एसडीआरएफ की टीम, 10 ट्रैप कैमरा, चार पिंजरे, 9 ग्रुप में 2-2 राइफल मैन की टीम लगी हुई है। इधर, बुधवार को भीमताल के ढुंगशिल और रामनिवास क्षेत्र में तेंदुए के दिखने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी है। विधायक राम सिंह कैड़ा ने रौसिल, पसोली, सरना, कनर्खा, गुनीगांव क्षेत्र का दौरा कर जंगल से चारा लेकर आ रही महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने महिलाओं ने चारा लाने के लिए अकेले जंगल नहीं जाने की अपील की। कैड़ा ने डीएफओ से तेंदुए को जल्द मारने या पकड़ने के लिए भी कहा।

जिला पंचायत सदस्य संजय साह ने बताया कि डीएफओ की ओर से तेंदुए को मारने के आदेश जारी होने की बात कही जा रही है। उन्होंने डीएफओ से इस बाबत पत्र मांगा तो नहीं दिया गया। साह ने कहा कि विभाग ने तेंदुए के आतंक से निजात नहीं दिलाई तो वह ग्रामीणों के साथ डीएफओ कार्यालय का घेराव करेंगे।

किसकी मजाल जो रोक दे हाइवे पर दौड़ते ओवरलोडेड डंपरों की चाल

रुद्रपुर, एजेंसी।
नेशनल हाईवे पर दौड़ रहे ओवरलोड डंपरों पर नकेल कसने में पुलिस और परिवहन विभाग फेल साबित हो रहा है। डंपर में भरे खनिज को बिना ढके परिवहन किया जा रहा है। इसके चलते वाहनों से सड़क पर गिरे रेता, बजरी से हादसे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि सांठगांठ से चल रहे ओवरलोडिंग के खेल में रसूखदार नेताओं के लोग भी शामिल हैं। इसी रसूख के चलते इन वाहनों पर अंकुश नहीं लग सका है। बाजपुर, काशीपुर, रुद्रपुर, गदरपुर, किच्छा, सितारगंज में हाईवे पर ओवरलोड डंपर दौड़ रहे हैं। इन डंपरों में रेता, बजरी और मिट्टी ढोई जा रही है। पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से ओवरलोडिंग को रोकने को लेकर तमाम दावे किए जाते हैं और कार्यवाहियों के आंकड़े भी गिनाए जाते हैं लेकिन सख्त सिस्टम ने हाईवे पर बेधड़क दौड़ते इन डंपरों से नजर फेर रखी हैं। यही वजह है कि गदरपुर बाईपास हो, रुद्रपुर का इंद्रा चौक हो या बाजपुर का दोराहा, ये ओवरलोड डंपर दिन-रात दौड़ते रहते हैं। ओवरलोडेड वाहनों से लगातार हादसे भी हो रहे हैं। इसके बावजूद ओवलोडिंग पर नकेल नहीं कसी जा सकी है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने ओवलोडिंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई की बात कही है। एआरटीओ प्रवर्तन बीके सिंह ने बताया कि ओवरलोडेड खनिज वाहनों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा

है। सितारगंज में भूसा और खनिज भरे दो और गदरपुर रोड पर खनिज भरे दो ओवलोडेड वाहनों को सीज किया गया है। इन वाहनों में हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी थी और खनिज को नियमानुसार ढककर नहीं ले जाया जा रहा था। मंगलवार को रुद्रपुर में ओवरलोडेड खनिज भरे हाइवा यूपी25 एफटी 7770 को पकड़ा गया था। इस वाहन में नंबर प्लेट पर ग्रीश लगाकर नंबर ढका गया था और गलत नंबर दिख रहा था। वाहन मालिक पर एक लाख 18 हजार 500 रुपये का जुर्माना जमा किया है। सीपीयू ने शहर में मानकों का पालन नहीं करने वाली स्कूल बसों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। टीम ने विभिन्न जगहों पर चेकिंग कर 20 वाहनों का चालान किया। सीपीयू ने डीडी चौक, गंगापुर रोड, मेट्रोपोलिस सिटी के पास अभियान चलाया।

नेपाल, यूपी और देहरादून जाकर बना रहे थे आधार कार्ड, तीन कर्मी हटाए

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
रुद्रपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से संचालित आधार सेंटर में तैनात कर्मियों की ओर से फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। रुद्रपुर में तैनात कर्मचारी नेपाल, यूपी और देहरादून में जाकर लोगों के आधार कार्ड बनाते थे। तीनों को उन्हें हटा दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से संचालित आधार सेंटर में तैनात कर्मियों की ओर से फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। रुद्रपुर में तैनात कर्मचारी नेपाल, यूपी और देहरादून में जाकर लोगों के आधार कार्ड बनाते थे। तीन कर्मियों की लोकेशन ट्रेस होने के बाद महिला एवं बाल विकास निदेशालय की ओर से उन्हें हटा दिया गया है। जिले की 10 बाल विकास परियोजनाओं में छह साल तक के बच्चे, गर्भवती व धात्री महिलाओं के आधार कार्ड बनाने के लिए आधार सेंटर संचालित किए गए थे। विभाग की ओर से लोगों को डोर-टू-डोर सेवा देने के लिए गांवों में आधार कार्ड के कैंप भी लगाए जाते हैं लेकिन रुद्रपुर के शहरी व ग्रामीण बाल विकास परियोजनाओं के कर्मी इसमें भी फर्जीवाड़ा करने लगे। बाल विकास परियोजना से

मिली जानकारी के मुताबिक आधार कार्ड बनाने वाले कर्मचारियों की ओर से नेपाल, यूपी व देहरादून में जाकर आधार कार्ड बनाने के लिए लॉगिन आईडी खोली गई। आईडी का लॉगिन खुलते ही इनकी लोकेशन निदेशालय स्तर से ट्रेस की गई। इसपर इन कर्मचारियों की ओर से इन जगहों में आधार कार्ड बनाने का मामला सामने आया था। निदेशालय स्तर से रुद्रपुर बाल विकास परियोजना कार्यालय में तैनात एक ऑपरेटर व ग्रामीण बाल विकास परियोजना कार्यालय में तैनात भाई-बहन(दो ऑपरेटर) की आईडी बंद करके इन्हें आधार सेंटर से हटा दिया गया है। इसके चलते रुद्रपुर शहरी बाल विकास परियोजना और ग्रामीण बाल विकास परियोजना में आधार सेवाएं ठप चल रही हैं।

होमगार्ड को अगवा कर खनिज लदे डंपर को ले गए माफिया, आरोपियों की तलाश शुरू

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
ऊधमसिंह नगर के बाजपुर में अवैध खनिज से भरा एक डंपर राजस्व विभाग की टीम ने पकड़ लिया। इस दौरान डंपर का चालक चाबी लेकर फरार हो गया। रात में निगरानी कर रहे होमगार्ड को अगवाकर खनन माफिया डंपर लेकर फरार हो गए।

तहसीलदार के नेतृत्व में अवैध खनिज से भरा एक डंपर राजस्व विभाग की टीम ने पकड़ लिया। इस दौरान डंपर का चालक चाबी लेकर फरार हो गया। रात में निगरानी कर रहे होमगार्ड को अगवाकर खनन माफिया डंपर लेकर फरार हो गए। माफिया ने हाईवे स्थित ब्रिज के पास होमगार्ड को डंपर से धक्का देकर फेंक दिया। घटना की तहरीर होमगार्ड की ओर से बाजपुर दोराहा पुलिस चौकी में दी गई है।

मंगलवार देर शाम तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट ने छोई मोड़ के पास अवैध खनिज से भरे डंपर को रोका। इस दौरान चालक चाबी लेकर गन्ने के खेत में भाग गया। तहसीलदार डंपर की निगरानी के लिए

होमगार्ड असलम और मो. हुसैन को छोड़ गए। देर रात करीब 11 बजे हथियार लेकर माफिया पहुंचे और वाहन को कुछ दूरी पर खड़ा कर दिया। आरोपियों ने सड़क पर खड़े होमगार्ड असलम के साथ गालीगलौज कर धक्कामुक्की की, जबकि डंपर के अंदर बैठे मो. हुसैन को अगवा कर डंपर को ले गए।

बाद में वह रुद्रपुर से पहले ब्रिज के पास होमगार्ड मो. हुसैन को डंपर से उतारकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की लेकिन कोई हाथ नहीं आया। तहसीलदार भट्ट ने बताया कि होमगार्ड मो. हुसैन ने बाजपुर दोराहा पुलिस चौकी में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। घटना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। कोतवाल नरेश चौहान ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई। जांच कर रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी जाएगी। निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, एसपी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की पुलिस को तहरीर मिली है। इस प्रकरण में जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मोदी जी ने जो किया कभी अपने दल के लिए नहीं, देश की जनता के लिए किया: अमित शाह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने एजेंडा आज तक के मंच पर शिरकत करते हुए चर्चा के दौरान स्पष्ट कर दिया कि, मोदी जी ने अपने लिए कुछ नहीं किया। अपने दल के लिए भी कुछ नहीं किया, उन्होंने जो किया सिर्फ देश की जनता के लिए किया।

भारतीय राजनीति में मोदी जी जैसा दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री और अमित शाह जैसा अथाह परिश्रम करने वाला नेता आज तक नहीं देखा गया है। राजनीति के अंदर लोकतांत्रिक मूल्य को स्थापित करने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी ने अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। देश की जनता ने देखा है कि मोदी जी की अगुआई में अमित शाह ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को खत्म कर देश की राजनीति को पॉलिटिक्स और परफॉर्मेंस के रास्ते पर ले जाने का काम किया है। यह किसी से छुपा नहीं है कि पिछले 9 साल में दलितों, वंचितों और पिछड़ों को सम्मान देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम भी युद्धस्तर पर चल रहा है।

9 साल पहले तक इस देश में भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। लेकिन आज मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह की नीतियों के मार्गदर्शन में भाजपा देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वोट बैंक की परवाह किए बगैर देश के अंदर परिवर्तन और विकास की बहार लाने के साथ-साथ मोदी-शाह की जोड़ी ने भारतीय जनता पार्टी को शून्य से शिखर पर पहुँचाने का काम किया है।

भारतीय राजनीति में मोदी और शाह दो ऐसे नेता हुए, जिन्होंने हमेशा खुद को पीछे रखकर देश को आगे बढ़ाने का नेतृत्व किया है। हाल ही में हुए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा की चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत ने यह साबित कर दिया है कि देश के लिए समर्पित मोदी के मन में जनता है और देश की जनता के मन में मोदी। मोदी जी के नेतृत्व और शाह के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की लगातार जीत इस बात का साफ संकेत है कि 2024 में प्रचंड बहुमत से जीत के साथ एक बार फिर मोदी जी का प्रधानमंत्री बनना तय है।

आज इस सच को स्वीकार करने से कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी की जीत का एक कारण जहाँ मोदी नाम का मैजिक है, वहीं दूसरी तरफ राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह की चुनावी रणनीतियाँ।

आप सांसद राघव चड्ढा ने संसद की सुरक्षा में चूक पर केंद्र पर साधा निशाना, चर्चा कराने की मांग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- संसद की सुरक्षा में हुई चूक के लिए सरकार जवाबदेह है, उसे देश को जवाब देना चाहिए- राघव चड्ढा

पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने 2001 के आतंकी हमले की बरसी पर संसद में बड़ी सुरक्षा चूक की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले पर संसद में चर्चा करानी चाहिए। संसद चड्ढा ने यह भी सवाल उठाया कि व्यक्तियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा जांच कैसे पास की? किसने उन्हें अंदर जाने की अनुमति दी और 2001 के आतंकवादी हमले की बरसी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल ठीक से क्यों नहीं बनाए रखा गया?

2001 के आतंकी हमले की बरसी पर संसद में बड़ी सुरक्षा चूक पर चिंता जताते हुए आप नेता ने कहा कि संसद भवन हमारे देश की सबसे सुरक्षित इमारत मानी जाती है। लेकिन अगर संसद भवन सुरक्षित नहीं है तो देश के बाकी हिस्सों का क्या होगा? उन्होंने मांग की कि इस घटना की जांच की जाए और जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश की जाए। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आज सभी गैर-बीजेपी सांसदों की एक जायज मांग है कि चूंकि सरकार संसद की सुरक्षा के लिए जवाबदेह है, इसलिए सरकार को जनता के सवालों का जवाब देने और संसद सदस्यों का विश्वास जीतने के लिए संसद में सुरक्षा उल्लंघन के बारे में चर्चा करनी चाहिए। सरकार के उल्लंघन पर राजनीति के आरोपों का खंडन करते हुए चड्ढा ने कहा कि सरकार को जवाबदेह ठहराना पक्षपातपूर्ण राजनीति नहीं है। इस मामले पर सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने पूछा कि अगर संसद सुरक्षित नहीं है, तो क्या देश सुरक्षित माना जा सकता है? उन्होंने पूछा कि यह भारत में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत में सुरक्षा उल्लंघन का मामला है। अगर हम सरकार से जवाब नहीं मांगेंगे तो किससे जवाब मांगेंगे? उन्होंने उस तरीके पर भी गहरी चिंता व्यक्त की जिस तरह से घुसपैठिए धुएं के डिब्बे के साथ घुसने में सक्षम थे और सवाल उठाया कि सख्त सुरक्षा उपायों के बावजूद वे ऐसा करने में कैसे कामयाब हुए?

चुनावी हार की हताशा में संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा विपक्ष : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दल विधानसभा चुनाव में हार पर चिंतन करने की बजाय इसकी हताशा में संसद की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। विपक्षी दलों के इस रवैए से स्पष्ट है कि उनका जनता के साथ जुड़ाव समाप्त हो चुका है। दिल्ली के नजफगढ़ में भाजपा किसान मोर्चा की जिला स्तरीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंचे अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि संसद सुरक्षा की जिम्मेदारी सचिवालय की है। लोकसभा स्पीकर ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर उनसे बात की और उनके सुझाव भी लिए। विपक्ष को चाहिए था कि वह अपने सुझाव या बदलाव इस बैठक में रखते। असल बात ये है कि तीन राज्यों की हार से विपक्ष आज मुद्दाविहीन है और उनके हौसले पस्त हो चुके हैं। वे अब सिर्फ सदन में हंगामे के दम पर जनहित के कार्यों को रोकने में लगे हैं।

इस मौके पर खिलाड़ियों से सार्थक परिचर्चा करते हुए ठाकुर ने कहा कि आज भारत में चारों ओर खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और पूरे विश्व में भारत की जय-जयकार हो रही है। खेलों के क्षेत्र में भारत नित नये कीर्तिमान बना रहा है और इसका पूरा श्रेय हमारे खिलाड़ियों की मेहनत और खेलों के विकास को लेकर मोदी सरकार की नीतियां हैं। आज पूरे भारत में विभिन्न खेल आयोजनों-प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को खेलने-निखरने का मंच मिल रहा है। उन्होंने भाजपा किसान मोर्चा की इस पहल की सराहना भी की।

पिटाई का बदला लेने को नाबालिगों ने दोस्त को मार डाला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मालवीय नगर में छह नाबालिगों ने मिलकर 17 वर्षीय किशोर की चाकू गोद कर हत्या कर दी। आरोपियों ने किशोर को 14 दिसंबर की रात बीयर पीने के बहाने पार्क में बुलाया था, जहां वारदात करने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर पहुंची मालवीय नगर थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हिरासत में लिए आरोपियों ने हत्या की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने उनके पास से दो चाकू भी बरामद किए हैं। बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि 17 वर्षीय विवेक कुमार परिवार के साथ इंदिरा कैंप, बेगमपुल इलाके में रहता था। वह होम डिलीवरी का काम करता था। 15 दिसंबर की सुबह 7.30 बजे पुलिस को सतपुला पार्क में एक शव पड़ा होने की सूचना मिली। पुलिस ने शव की पहचान के बाद हत्या की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस को पार्क के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में घटना के समय विवेक के साथ एक नाबालिग पार्क में जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में ले लिया और उसकी निशानदेही पर दो और नाबालिगों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि तीन माह पहले आरोपी का विवेक से झगड़ा हुआ था। तब विवेक ने आरोपी की सभी के सामने पिटाई कर दी थी। इसी का बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। आरोपी ने विवेक को 14 दिसंबर की शाम मिलने के लिए बुलाया और फिर से दोस्ती करने की बात कही। आरोपी ने विवेक से साथ में बीयर पीने की बात कही। बीयर खरीदकर आरोपी विवेक को लेकर सतपुला पार्क चला गया, जहां पहले से ही उसके पांच दोस्त मौजूद थे। सभी ने साथ बैठकर बीयर पी और फिर आरोपियों ने विवेक पर चाकू और पत्थरों से हमला कर दिया। आरोपियों ने विवेक के पेट, छाती, गर्दन और चेहरे पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

विवेक की चाची ने बताया कि वह उनके साथ ही रहता है। जबकि उसके पिता तिगड़ी में रहते हैं। 14 दिसंबर की शाम वह घर से अपने पापा के पास जाने की बात कहकर निकला था। देर रात तक वह घर नहीं लौटा तो उन्हें लगा कि वह रात को पापा के पास ही रूक गया है, लेकिन सुबह कुछ लोग फोन में फोटो लेकर उसके बारे में पूछताछ कर रहे थे। उन्होंने जब फोटो देखा तो पता चला कि किसी ने विवेक की हत्या कर दी है।

राजधानी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे : श्रीदत्त शर्मा

नई दिल्ली। संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन तमाम सुरक्षा व्यवस्था को धत्ता बताते हुए दो लोग संसद के भीतर कूद कर रंगीली गैस छोड़ देते हैं से साबित होता है राजधानी दिल्ली का सुरक्षा तन्त्र कितना मजबूत है। यह कहना है पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा का। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं संसद में कूदने के बाद किस तरह से वह युवक सांसदों की बैंचों से होते हुए स्पीकर के आसन तक पहुचने वाला था। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं भारतीय जनता पार्टी के शासन में दिल्ली की कानून व्यवस्था जर्जर हो चुकी है कल की इस घटना से साबित हो गया है। श्रीदत्त शर्मा कहते हैं नेशनल क्राईम रिकॉड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली पूरे देश में महिलाओं के प्रति अपराध में नम्बर एक पर पहुँच गई है, जो कि चिंता का विषय है। श्री दत्त शर्मा कहते हैं कि भाजपा की केन्द्र सरकार का देश की राजधानी में कानून व्यवस्था और सुरक्षा की सीधी जिम्मेदारी है, जिसमें वो पूरी तरह नाकाम है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में दिल्ली महिला अपराध में नम्बर वन होना बहुत ही शर्म की बात है, जबकि भाजपा महिला सुरक्षा का झूठा दावा करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस में 13000 से अधिक पद खाली है जिस कारण अपराध में बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है। भाजपा केवल राजनीति करती है और अपनी सरकार व गृह मंत्री से सवाल करने से डरती है। श्री दत्त कहते हैं दिल्ली की कानून व्यवस्था केन्द्र सरकार के आधीन होने बावजूद केंद्रीय गृहमंत्री राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था के प्रति दिशाहीन साबित हुए है। दिल्ली में प्रतिदिन 3 बेटियों के साथ बलात्कार हो रहे है, जिनके आहत परिवार के सदस्य उनकी जान की सुरक्षा के लिए अस्पतालों और न्याय के लिए पुलिस थानों और कोर्ट के चक्कर काट रहे है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति अपराधों में 72.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 में महिलाओं के साथ 14158 मामले सामने आए जिनमें अपहरण के 5585 मामले थे। इसी तरह बच्चों के साथ अपराध जहां 2020 में 5000 हुए थे वहीं 2022 में 7000 पहुँच गए, इसी तरह के मामले 4000 की जगह बढ़कर 5000 हुए। हत्या के मामलों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने केंद्रीय बाल विकास मंत्री की दिल्ली में महिलाओं के प्रति अपराधों पर चुप्पी पर सवाल उठाया।

पार्षद शगुफ्ता चौधरी के कार्यालय में निःशुल्क हड्डियों की जांच शिविर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला चौहान बांगर वार्ड 227 से निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर के कार्यालय पर निःशुल्क हड्डियों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। वोल्गा फार्मास्यूटिकल के डॉ मुजीब डा अनिकेश ठाकुर ने आधुनिक मशीन से लगभग 175 लोगों की हड्डियों की जांच की। जांच में अधिकांश मरीजों में कैल्शियम की कमी पाई गई जिसको देखते हुए मरीजों को निःशुल्क दवा दी गई। यह हड्डी जांच लेबोर्टिज में 3500 रुपए में किया जाता है, जो शिविर में निशुल्क किया गया। शिविर में अधिकांश मरीज महिलाए थी जिन्होंने अपनी अपनी जांच कराई, शिविर की सराहना की और निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर का कामयाब शिविर आयोजित करने पर शुक्रिया अदा किया। आम लोगों के अलावा, पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी मतीन अहमद, बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेली गेट सैयद नासिर जावेद, सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जर्रार अहमद, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता नावेद पप्पू, रईस अंसारी, हाजी शकील, खालिद खान, शफीक खान मीनू, मुहम्मद शकील, असलम मलिक, फहीम खान, शादाब हसन, इसके अलावा अन्य लोगों ने भी अपनी हड्डियों की जांच कराई। शिविर से इलाके की बड़ी तादाद लाभान्वित हुई। इस अवसर पर चौधरी मतीन अहमद ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य खुदा की सबसे बड़ी नेमत है। यदि आप स्वस्थ हैं तो आपके अंदर बड़े-बड़े काम करने की ताकत है। यदि आप स्वस्थ नहीं हैं तो आपको छोटे-छोटे काम करने में बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ दूसरों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए आज यह शिविर लगाया गया है।

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामला: दो और हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो और लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इन दोनों के तार पहले गिरफ्तार किये गये पांच लोगों के साथ जुड़े हुए हैं। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान महेश और कैलाश के रूप में की गई है। दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। उनका जस्टिस फॉर आजाद भगत सिंह नामक सोशल मीडिया समूह से कथित संबंध है। स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट की पूछताछ में यह बात सामने आई कि महेश भी टीम का हिस्सा बनने वाला था, लेकिन किसी कारण से उसके परिवार के सदस्यों ने उसे रोक दिया। इसके अलावा, महेश ने पांचवें आरोपित और मास्टरमाइंड ललित झा को दिल्ली से राजस्थान के कुचामन पहुंचने के बाद उसके साथियों के मोबाइल फोन जलाने में भी मदद की है। दूसरी ओर, गुरुवार रात, दो पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) और अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने ललित झा से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान ललित ने अधिकारियों को पूरी घटना की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो पूछताछ में पता चला कि हमले की तैयारी महीनों पहले से की जा रही थी। संसद में प्रवेश के लिए प्रवेश पास आवश्यक था, जो उपलब्ध नहीं हो पा रहा था इसलिए वह पहले इसे अंजाम नहीं दे पाए। ललित ने सभी से पूछा था कि पास की व्यवस्था कौन कर सकता है ताकि वे आसानी से संसद में प्रवेश कर सकें। ललित राजस्थान के होटल से लगातार समाचार चैनलों के जरिए चल रहे घटनाक्रम और पुलिस की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। सूत्रों के अनुसार मामले में और अधिक खुलासे के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छह टीमें बनाई हैं जो लखनऊ, मैसूर, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में आरोपितों से

सरकार ने दिल्ली विधायक निधि को बढ़ाकर किया 7 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रत्येक विधायक के लिए विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलएएलएडी) निधि को चार करोड़ रुपये से बढ़ाकर सात करोड़ रुपये कर दिया गया है। दिल्ली विधानसभा का दो-दिवसीय शीतकालीन सत्र शुक्रवार को सुबह शुरू हुआ। दिल्ली के मंत्री ने सत्र के दौरान यह भी कहा कि बजट 2023-24 के संशोधित अनुमान में 100 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष राशि अगले वित्तीय वर्ष के बजट में आवंटित की जायेगी। एमएलएएलएडी निधि विधायकों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवंटित की जाती है।

सौ सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो ऑटो गैंग के तीन बदमाश पकड़े

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

रनहौला पुलिस ने एक ऐसे शातिर ऑटो गैंग का पदार्फाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। जो राहगीरों से फोन लूट-झपटते थे ओर उनको मजदूरों व राहगीरों को अपनी झूठी कहानी में फंसाकर काफी सस्ते दामों पर बेच दिया करते थे। पैसों से मौजमस्ती व ड्रग्स का सेवन करने के बाद जब पैसे खत्म हो जाते। दोबारा से किसी न किसी को टारगेट करते थे।

आरोपियों को पकडे के लिये पुलिस को सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों को खंगालना पड़ा था। आरोपियों की पहचान निकुल, जीतू उर्फ कट्टा और आशीष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 13 मोबाइल फोन और एक ऑटो बरामद किया है। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद आधा दर्जन से ज्यादा वारदातों का खुलासा किया है। आरोपी फोन कहां और किसको बेच रहे थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करके उनको भी पकडे की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते सोमवार को रनहौला इलाके में ऑटो सवार चार बदमाशों ने एक राहगीर से फोन व पर्स छिन लिया था। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। एसआई तिलक राज हेड कांस्टेबल टेक चंद, सोनू राणा, ललित और मनदीप को आरोपियों को पकडे का जिम्मा सौंपा गया। फोन को सर्वलांस पर लगाकर उसकी लोकेशन पता करने के साथ साथ वारदात वाली जगह के रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही थी। हयूमैन सॉर्से की सहायता से कई संदिग्धों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही थी। कई ऑटो चालकों से भी पूछताछ की गई। जिसमें वारदात में इस्तेमाल ऑटो नंबर 8227 और उस ऑटो के पीछे भगवान शिव का स्टिकर लगा होने की बात पता चली।

आईआईटी दिल्ली ने मोटर संचालित लकड़ी के मनके बनाने वाले उपकरण का निर्माण किया

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली के रूरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप ने उद्योग को मोटर चालित लकड़ी के मोती बनाने वाले उपकरण बनाने की नई तकनीक हस्तांतरित की है। इस उपकरण से ग्रामीण क्षेत्र, विशेषकर मथुरा, वृन्दावन और भारत के उत्तर प्रदेश के पड़ोसी क्षेत्रों की महिलाओं को लाभ होगा। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने का लाइसेंस हरराज इंडस्ट्रीज को दिया गया है, जो डिवाइस बनाने और इसे बेचने की योजना बना रही है। डिवाइस का डिजाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय में पंजीकरण के तहत संरक्षित है। प्रौद्योगिकी को फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) आईआईटी दिल्ली के माध्यम से स्थानांतरित किया गया था। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर एसके साहा ने कहा कि, एसी मोटर चालित लकड़ी के मोती बनाने का यह उपकरण एक दशक में एक परियोजना के रूप में विकसित हुआ है, जिसका कारण रूटैग आईआईटी दिल्ली टीम के निरंतर प्रयास हैं, जिन्होंने कम मेहनत में अधिक काम करने और महिला कारीगरों की मेहनत को कम करने के लिए कड़ी मेहनत की है। प्रोफेसर साहा ने कहा कि आईआईटी दिल्ली के पीएचडी छात्र यशवंत प्रसाद द्वारा प्रस्तावित डिवाइस का तीसरा और नवीनतम संस्करण लगभग शोर रहित है। इसने कारीगरों के दैनिक उत्पादन और कमाई को भी लगभग 700-800 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 3000 प्रति दिन तक कर दिया है ।एसके साहा ने कहा कि हम डिवाइस को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचने की योजना बना रहे हैं ताकि देश के किसी भी कोने में स्थित निर्यातक और अन्य इच्छुक ग्राहक इसे आसानी से खरीद सकें। हरराज के प्रोपराइटर हरप्रीत सिंह ने कहा कि यह उपकरण लकड़ी से 5 मिमी से 25 मिमी व्यास तक के गोलाकार मोती बना सकता है।

सूची में दिए फोटो से साफ प्रतीत होता है कि अधिकतर लोगों की मृत्यु सड़क दुर्घटना या हत्या के कारण हुई है- सौरभ भारद्वाज

दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों ने झूठ बोल कर किया गुमराह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि आज दिल्ली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों द्वारा बड़ी ही शर्मनाक हरकत को अंजाम दिया गया दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों ने गुमराह किया और झूठ बोला , विधानसभा की अवमानना का मामला उनपर बनता है । भाजपा विधायकों ने दिल्ली पुलिस की वेबसाइट से ली गई अलग अलग कारणों से मृत लोगों की सूची दिखाकर दिल्ली की विधानसभा को गुमराह करने की कोशिश की।

दिल्ली पुलिस की जिपनेट वेबसाइट पर साफ है कि सर्दियों में ही नहीं , गर्मियों और सुहाने मौसम में भी लगभग 300-350 मृत शरीर दिल्ली पुलिस रिपोर्ट करती है । दिल्ली पुलिस की वेबसाइट जिपनेट अनुसार 1 ख४ल्ली 2023 में 270 , जुलाई 2023 में 370, अगस्त में 382, सितंबर में 313, अक्टूबर में 316 , ठङ्ग्र्ग्ी१ में 319 और दिसंबर 2023 में 1 दिसंबर से 15 दिसंबरतक 108 मृत शरीर के बारे में दिल्ली पुलिस द्वारा रिपोर्ट किया गया हैं ।इस बात से साफ होता है कि दिल्ली में पूरे वर्ष चाहे कोई भी मौसम हो लगभग 300 से साढ़े तीन सौ मृत लोगों के शरीर बरामद होते हैं और इनकी मृत्यु के अलग अलग कारण होते हैं। उन्होंने बताया कि आज दिल्ली विधानसभा के पटल पर भाजपा के विधायकों द्वारा दिल्ली पुलिस की वेबसाइट से ली गई एक सूची दिखाकर, दिल्ली की केजरीवाल सरकार को बदनाम करने की शर्मनाक कोशिश की गई कउन्होंने कहा कि यह सूची पिछले महीने दिल्ली की सड़कों पर हुई मृत्यु से संबंध रखती है, जिसमें उन सभी मृत व्यक्तियों की जानकारी एवं तस्वीरें हैं जिनकी मृत्यु बीते दिनों दिल्ली की सड़कों पर हुई कउन्होंने बताया कि यह दिल्ली पुलिस की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसे दिल्ली पुलिस निरंतर करती है और प्रतिमाह दिल्ली की सड़कों पर पाए गए मृत व्यक्तियों की एक सूची उनकी तस्वीरों के साथ बनाकर दिल्ली पुलिस अपनी वेबसाइट पर अपलोड करती है मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी के विधायकों पर आरोप लगाते हुए कहा, कि भाजपा के विधायकों ने यह शर्मनाक हरकत केवल और केवल गंदी राजनीति के चलते की है कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो सूची भाजपा के विधायकों ने सदन के पटल पर दिखाई, उन तस्वीरों में साफ तौर पर यह देखा जा सकता है, कि जिन मृत लोगों की सूची भाजपा के विधायक दिखा रहे हैं, उनके शरीर पर गंभीर चोटें लगी हुई हैं और इन व्यक्तियों की मृत्यु कहीं ना कहीं या तो किसी सड़क दुर्घटना में या फिर किसी साजिश के तहत की गई हत्या में हुई है कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि भारतीय जनता पार्टी ने यह हरकत केवल और केवल दिल्ली की जनता को गुमराह करने और दिल्ली की केजरीवाल सरकार को बदनाम करने के लिए की है मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली पुलिस की इस सूची में दी गई उन व्यक्तियों की मृत्यु की तारीखों का उल्लेख करते हुए बताया, कि इन तारीखों को देखकर पता चलता है, कि अधिकतर लोगों की मृत्यु नवंबर के महीने में हुई है कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में रहने वाले सभी लोग इस बात को भली-भांति जानते हैं, कि नवंबर के महीने में दिल्ली में इतनी ठंड थी ही नहीं की किसी व्यक्ति की ठंड से मृत्यु हो जाए कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने यह हरकत केवल और केवल गंदी राजनीति के चलते, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से की है मंत्री सौरभ भारद्वाज ने केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न पूछते हुए कहा, कि बीते वर्ष केंद्र सरकार के पुरातत्व विभाग ने तुगलकाबाद किले के पास बस्सी झुग्गी बस्ती को उजाड़ कर हजारों लोगों को बेघर कर दिया था क इसी प्रकार से केंद्र सरकार ने महरौली के पास बसी झुग्गी बस्ती को उजाड़ कर हजारों लोगों को बेघर कर दिया था कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उस वक्त भी आम आदमी पार्टी और दिल्ली की चुनी हुई सरकार ने केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी के इस जघन्य अपराध के खिलाफ अपनी आवाज उठाई थी और केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न पूछा था, कि जिन हजारों गरीब लोगों के घर आपने उजाड़ दिए हैं, यह लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर कहां जाएंगे कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उस वक्त भी हमने प्रश्न पूछा था कि यह गरीब लोग उनके बच्चे आसपास के स्कूलों में पढ़ते हैं, उनकी बच्चियां आसपास के कॉलेज में पढ़ने जाती हैं, यह लोग आसपास के इलाकों में छोटे-छोटे काम करते हैं, इनकी महिलाएं घरों में काम करती हैं, यदि उनके घरों को यहां से उजाड़ दिया जाएगा तो इनकी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी क परंतु केंद्र में बैठी भाजपा सरकार और उसकी एजेंसियों ने केवल और केवल अपनी जिद के कारण इन हजारों लोगों के सर से छत छीन ली थी कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र शासित सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार और उसकी एजेंसिया जैसे डीडीए, रेलवे, पुरातत्व विभाग एवं एलएनडीओ लगातार दिल्ली की गरीब बस्तियों में रहने वाले लोगों के घरों को उजाड़ने का काम कर रही है कभारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा बीते कुछ वर्षों में दिल्ली में तोड़ी गई झुग्गी बस्तियों की सूची निम्न प्रकार से है....

तुगलकाबाद किला झुग्गी बस्ती लगभग 1000 घर,प्रियंका गांधी कैंप वसंत विहार 40 घर, धौला कुआं झुग्गी बस्ती 80 घर, प्रगति मैदान झुग्गी बस्ती 60 घर, सुभाष जेजे कैंप बदरपुर 40 घर, डीपीएस मथुरा रोड झुग्गी बस्ती 210 घर, गोशिया कॉलोनी मेहरौली 700 घर उपरोक्त के अलावा केंद्र सरकार का रेलवे विभाग अपनी जमीन से लगातार झुग्गी बस्तियों को उजाड़ने का काम कर रहा है जिसके लिए रेलवे विभाग ने कभी भी दिल्ली सरकार के उ्वरक्ष विभाग से संपर्क नहीं किया ककुल मिलाकर अब तक रेलवे विभाग दिल्ली से 2130 घरों को उजड़ चुका है

खेल अमृत मंथन से निकलेंगे मेडलिस्ट : एस पी सिंह बघेल

- खेल एवं खेल विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू
- आगामी ओलंपिक को लेकर खेल वैज्ञानिकों ने खिलाड़ियों के फिटनेस एवं डाइट पर किया मंथन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के द्वारा खेल विज्ञान पर राष्ट्रीय स्तर की सातवी कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन प्रगति मैदान, दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बघेल ने कहा की अमृत काल में देश में हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है और खेल का क्षेत्र भी अछूता नहीं है माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी खेल के हर आयोजन में व्यक्तिगत रुचि लेते है जिसकी वजह से ही देश में खेलों के लिए सकारात्मक माहौल बन रहा है। स्पोर्ट्स इंडिया 2023 के साथ आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस में ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन कैसे बेहतर हो और दृष्टिकोण से खेल वैज्ञानिकों ने मंथन किया। अमृत काल में खेलों के क्षेत्र में केंद्र सरकार की योजनाएं और उसके प्रभाव पर भी विशेषज्ञ द्वारा चर्चा की गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल, युवा एवं खेल मामले मंत्रालय में संयुक्त सचिव कुणाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें, साथ ही विशेष अतिथि के रूप में एसजीएसयू गुजरात के वाइस चांसलर डॉक्टर अर्जुन सिंह राणा द्रोणाचार्य अवार्डी डॉ. अ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 16 दिसंबर, 2023

संक्षिप्त खबरें

कोरियाई संस्कृति केंद्र में कला प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली। कोरियाई संस्कृति केंद्र, लाजपत नगर नई दिल्ली में देवेन्द्र शुक्ला, प्रमोद के मान और जंग ही मुन की कला कृतियों की वेल अन्वेल नामक सामूहिक कला प्रदर्शनी, का आयोजन किया गया। कोरियाई संस्कृति केंद्र निदेशक ह्वांग इल योंग ने किम कांग हुन कार्यक्रम निदेशक के साथ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। देवेन्द्र शुक्ला, जीवंत भारतीय रचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं, लौकिक दुनिया और मानव क्रिया के बीच संबंध को कुशलता से पकड़ते हैं। प्रमोद मान की कांस्य और पत्थर की मूर्तियां कलात्मक अन्वेषण में द्वंद्व का प्रतीक हैं। दक्षिण कोरियाई कलाकार जंग ही मुन की परिवर्तनकारी पारंपरिक कोरियाई चित्रकला के प्रति उनका दृष्टिकोण सहज स्वभाव के साथ आधुनिकता का मिश्रण है। प्रदर्शनी, कलाकारों की विविध शैलियों का व्यापक अनुभव प्रदान करती है इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री गीता सिंह निदेशक पीलग्रिम आर्ट गैलरी, प्रोफेसर प्रेम सिंह पूर्व प्रधानाचार्य चंडीगढ़ आर्ट कॉलेज, दत्तात्रेय आप्टे, मुकुल पवार कलाकार और डॉ. सुकृत शर्मा के अलावा बड़ी सांख्य में कला प्रेमी उपस्थित थे, प्रदर्शनी 5 फरवरी 2024 तक चलेगी।

इलेक्ट्रिक बसों की खेप से सुधरेगा दिल्ली का प्रदूषण : सुभाष लाला

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (वेब वार्ता)। राजधानी दिल्ली का विकास आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रयासों से लगातार परवान चढ़ता जा रहा है और दिल्ली का विकास पूरे देश के लिए एक मिसाल बनता जा रहा है। यह कहना है आम आदमी पार्टी विशवास नगर वार्ड के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र लाला का। सुभाष चन्द्र लाला कहते हैं दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लीनिकों की मिसाल दूसरे देशों में दी जा रही है। सुभाष लाला कहते हैं दिल्ली सरकार अब परिवहन के क्षेत्र में क्रांति लाने जा रही है आज दिल्ली में 500 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत की। अब दिल्ली में 1300 इलेक्ट्रिक बसें हो गई हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। 2025 तक सरकार का लक्ष्य कुल 8000 इलेक्ट्रिक बसों का है। उस वक्त दिल्ली में 10 हजार से ज्यादा बसें होंगी जिनमें 80% बसें इलेक्ट्रिक होंगी। शानदार इलेक्ट्रिक बसें अब दिल्ली की नई पहचान बन रही हैं। सुभाष लाला कहते हैं जल्द ही दिल्ली के मुहल्लो तक मोहल्ला बसें चलनी शुरू हो जायेगीं जिनकी शुरूवात से लोगो को उनके घरों के नजदीक ही परिवहन व्यवस्था उपलब्ध होगी। और राजधानी के प्रदूषण में भी सुधर होगा।

संसद की सुरक्षा तार-तार आखिर कौन है जिम्मेदार : नीलम चौधरी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (वेब वार्ता)। संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन उपद्रवियों नें संसद में घुसकर ना केवल रंगीन धुवा संसद में बिखेर दिया बल्कि बेखौफ सरकार के खिलाफ नारे बाजी तक की। इतना ही नहीं संसद के बाहर भी उनके सहयोगियों नें सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एक बार फिर से राजधानी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। यह कहना है बाबरपुर जिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष नीलम चौधरी का। नीलम चौधरी कहती हैं हमले की बरसी के दिन संसद की सुरक्षा व्यवस्था में इतनी भारी चूक को कम करके नहीं आँका जाना चाहिए। आखिर इस चूक की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और कोई बड़ा प्रशासनिक आदेश जारी कर जिम्मेदार लोगो के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए। नीलम चौधरी कहती है यह लापरवाही और अधिक तब हो जाती है काफी दिन

सात दिन की पुलिस रिमांड पर मास्टरमाइंड ललित झा, पूछताछ में खुलेंगे कई राज

लोक अभियोजक ने झा की 15 दिन की रिमांड मांग करते हुए तर्क दिया कि उसे कल रात गिरफ्तार कर लिया गया था

- लोक अभियोजक ने कहा कि दिल्ली पुलिस को मामले में आरोपित की जांच करनी है कि उसने कैसे साजिश रची और उन्हें फंडिंग कैसे मिली।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

देश की राजधानी में लोकतंत्र के मंदिर कहे जाने वाले संसद भवन की सुरक्षा में बुधवार को जिस तरह की चूक हुई उससे पूरा देश स्तब्ध है। अब इस मामले में शामिल सभी लोगों पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस यूनिट एक-एक कर शिकंजा कस रही है। इस स्टोरी में पढ़ें दिनभर के सभी अपडेट्स..

ललित झा को कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजा संसद को धुआं-धुआं करने के मामले में मास्टरमाइंड ललित झा को दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। यहां लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए। कोर्ट ने ललित झा को रिमांड अधिवक्ता उपलब्ध कराया। लोक अभियोजक ने झा की 15 दिन की रिमांड मांग करते हुए तर्क दिया कि उसे कल रात गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपित ने मामले में अपनी संलिप्तता के बारे में बताया है कि कैसे वह पूरी साजिश का मास्टरमाइंड है और उसका मकसद क्या था। लोक अभियोजक ने कहा कि दिल्ली पुलिस को मामले में आरोपित की जांच करनी है कि उसने कैसे साजिश रची और उन्हें फंडिंग कैसे मिली। उन्होंने कहा कि आरोपित के मोबाइल फोन रिकवर करने की जरूरत है। कोर्ट ने आरोपित को सात दिन की रिमांड पर भेजा।

ललित झा को लाया गया सफदरजंग अस्पताल आरोपी ललित झा को मेडिकल के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

आरोपियों के जूते से हुई थी छेड़छाड़, में आई सामने

दोनों आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी के जूते में अतिरिक्त रबर जोड़कर उसमें जगह बनाई गई थी। दोनों आरोपियों के पास से दो पर्चे भी बरामद किए गए थे। एक पर्चे में अंग्रेजी में जय हिंद लिखा था और तिरंगे की फोटो लगी थी। इस पर हिंदी में भी स्लोगन लिखे थे। वहीं दूसरी पर्ची में मणिपुर मुद्दे को लेकर अंग्रेजी में स्लोगन लिखे थे। स्मोक क्रैकर से हो सकता था सांसदों की जान को खतरा

दिल्ली पुलिस ने एफआईआर में कहा है कि स्मोक क्रैकर से सांसदों की जान को खतरा हो सकता था। ललित ने नहीं उसके दो दोस्तों ने जलाए थे सभी आरोपितों के मोबाइल

दिल्ली पुलिस ने संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में राजस्थान के रहने वाले महेश और कैलाश को भी हिरासत में ले लिया है। ललित झा ने वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर अपना और चारों आरोपियों का मोबाइल राजस्थान जाकर महेश और कैलाश को सौंप दिया था। पुलिस को इन्होंने बताया है कि दोनों ने सभी आरोपितों के मोबाइल जला दिए। पुलिस जांच में सामने आया है कि ललित झा बिहार का रहने वाला है। महेश और कैलाश , ललित झा के दोस्त हैं। महेश और कैलाश ने दिया लॉजिस्टिक सपोर्ट

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है दोनों पर अन्य आरोपियों के साथ मिले होने का शक है। दोनों से स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस पूछताछ कर रही हैं। इन पर आरोपियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है। महेश और कैलाश दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं और ये भी भगत सिंह संगठन से जुड़े हुए हैं। महेश भी जाने वाला था दिल्ली

महेश भी संसद में हंगामा करने के मकसद से दिल्ली आने वाला था लेकिन किसी कारणवश उसे परिजनों ने रोक दिया था। दिल्ली पुलिस ने बनाईं कई टीमें दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की कुछ टीमें बनाई गई हैं, जो आरोपियों को अलग-अलग जगह लेकर जाएंगी। एक टीम मैसूरू जाएगी मनोरंजन के ठिकाने तलाशेगी। एक टीम नीलम आजाद को लेकर हिसार जाएगी। एक टीम लखनऊ जाकर जांच करेगी जहां से सागर ने जूते खरीदे और सोल को कटवा कर कैविटी यानी सामान छिपाने की जगह बनवाई थी। एक टीम कोलकाता जाएगी। सेल की टीम राजस्थान में भी सबूत खंगालने जाएगी। जहां ललित ने घटना के बाद भागकर फोन नष्ट किए और महेश के साथ आगे की प्लानिंग की।

दिल्ली की प्रतिभाओं को निखारकर प्रोत्साहित कर रही

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन (डाबा) ने आज डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में आईबीए जूनियर बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप आयोजित येरवान,आमेनिया में देश के लिए पदक जीतने वाले (डीएबीए) बॉक्सिंग खिलाडिों को आज सम्मानित किया। इस भव्य समारोह की अध्यक्षता डाबा के अध्यक्ष व डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद स्कूल के प्रो-वाइस चेयरमैन रोहित जैनेंद्र जैन ने की। उन्होंने कहा कि डाबा का मकसद ही युवा खिलाडिों की प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें प्रोत्साहित करना है ताकि वे देश-विदेश में नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर डाबा उपाध्यक्ष व दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थानसिंह यादव ने कहा की बच्चो को घर से निकाल कर खेल मैदान तक लाना ओर देश के लिए पदक लाने वाले खिलाड़ियों को तैयार करने का काम कर रही है डाबा। इस अवसर वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष संतोष के अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे।रोहित जैनेंद्र जैन ने बताया कि आकांशा ने 70 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक को एक ट्रॉफी और 51,000 रुपये, 80 किलोग्राम वर्ग में प्राची के रजत पदक को ट्रॉफी और 31,000 रुपये,जबकि75 किलोग्राम वर्ग में कृतिका कांस्य पदक को ट्रॉफी और 25,000 रुपये, टूनामेंट में 60 किलोग्राम वर्ग में भाग लेने के लिए सारथी सैनी ट्रॉफी और 21,000 रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल डॉ बिंदु शर्मा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर डाबा के सम्मानीय सदस्य नीरज जैन, मोक्ष गुजरानी,डी एन यादव,नीरज भट्ट,अजीत चौधरी,पी के तुली सहित दिनेश कुमार, तरूण वर्मा, प्रीतम टोकस मौजूद रहे। इस अवसर पर एशियाई पैरा गेम्स 2022 हांग्जो (चीन) में स्वर्ण पदक विजेता प्रणव सूरमा,पेशेवर भारतीय मुक्केबाज सागर नरवत सहित कई गणमान्यजनों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस मोके पर डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद स्कूल के बच्चों ने खेल से संबंधित कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए और जमकर तालियां बटोरीं। इस अवसर पर मैडल विजेता खिलाडिों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

देश में सीजीएचएस के तहत शहरों की संख्या पिछले नौ सालों में तीन गुना बढ़ी: डॉ. मांडविया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि सीजीएचएस के तहत कवर किए गए शहरों की संख्या साल 2014 में 25 थी, जो बढ़कर 2023 में 80 हो गई। पिछले नौ सालों में सीजीएचएस शहरों की संख्या तीन गुना से अधिक हो गई है। आने वाले दिनों में इस सुविधा का 100 शहरों तक विस्तार किया जाएगा।डॉ. मांडविया शुक्रवार को अलकनंदा, रोहिणी सेक्टर-16, वसंत विहार में तीन सीजीएचएस वेलनेस सेंटर के साथ-साथ एनआईटी और आरडी में एक रोबोटिक यूनिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश में 341 सीजीएचएस वेलनेस सेंटर 44 लाख लाभार्थियों को सेवा दे रहे हैं और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज (एनआईटी एंड आरडी) में तीन सीजीएचएस वेलनेस सेंटर और रोबोटिक यूनिट की स्थापना से उनकी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सर्जरी की आवश्यकता वाले तपेदिक से पीड़ित रोगियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए रोबोटिक सर्जरी उन्हें सही देखभाल प्रदान करने में सहायक होगी। देश के अंतिम छोर तक सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना हमारा लक्ष्य है और एक स्वस्थ राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि दुनिया में निर्धारित 10 में से 4 दवाएं भारत में बनी जेनेरिक दवाएं हैं। जन औषधि दवाएं सीजीएचएस कल्याण केंद्रों में भी प्रदान की जाती हैं। भारत में 1.6 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित हैं, प्रत्येक 10,000 लोगों पर 1 आरोग्य मंदिर जनता को समग्र उपचार प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार, मंत्री डॉ. मीनाक्षी लेखी, सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. मनस्वी कुमार, निदेशक डॉ. मनोज जैन और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

सदन में हंगामे के चलते भाजपा के चार विधायकों को मार्शल ने किया आउट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा का दो दिवसीय सत्र शुक्रवार को राष्ट्रगान के साथ शुरू हुआ। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने विधानसभा गठन के 30 वर्ष पूरे होने पर सभी सदस्यों को बधाई दी। वहीं उन्होंने कहा कि तीन दशक बाद भी सदन को पूर्ण शक्तियां और आर्थिक अधिकार नहीं मिले हैं। इस बीच नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की नोक झोंक हुई। बिधूड़ी ने ठंड से हुई 203 लोगों की मौत पर उठाए सवाल नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, यदि दिल्ली पुलिस की महत्वपूर्ण रिपोर्ट पर चर्चा नहीं हो सकती, जिसमें कहा गया है कि सर्दी के कारण दिल्ली की सड़कों पर 203 लोगों की मौत हो गई है, तो सदन में किस पर चर्चा की जानी चाहिए? भाजपा विधायकों के ध्यानाकर्षण नोटिस स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री इस पर जवाब देना चाहिए। सदन में हंगामे के बीच बीजेपी के चार विधायकों को मार्शल ने सदन से बाहर कर दिया।

विधानसभा सचिव की शक्तियां छीनी जा रहीः स्पीकर

इस पर स्पीकर गोयल ने कहा- विधानसभा सचिव की शक्तियां छीनी जा रही है। विधानसभा में सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सचिव को शक्तियां देने का प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने जागरण में छपी खबर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल से डीपीसीसी को कोई फंड नहीं क्यों नहीं दिया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने जताई हैरानी

वहीं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि डीपीसीसी अगर कोई मांग करती है तो उसे दिया जाता है। इसके अलावा डीपीसीसी अपने स्रोतों से राजस्व अर्जित करती है। विजेंद्र गुप्ता ने इस पर हैरानी जताई कि दिल्ली सरकार के बजट में डीपीसीसी के लिए कोई बजट ही नहीं होता है।

दिल्ली कला उत्सव का 16-17 दिसंबर को होगा आयोजन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

संस्कार भारती दिल्ली के कलाप्रेमियों व संस्कृतिधर्मियों में कलादृष्टि विकसित करने के लिए 16-17 दिसंबर को नई दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में स्थित रवींद्र भवन परिसर में दिल्ली कला उत्सव का आयोजन करेगा। संस्कार भारती साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी व संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के प्रमुख दिल्ली प्रांत के कोषाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता ने बताया कि दिल्ली कला उत्सव केवल एक उत्सव नहीं है बल्कि यह दिल्लीवासियों को अपनी समृद्ध व प्राचीन कला-संस्कृति-विरासत से जुड़ने का अवसर है। उत्सव में प्रवेश निःशुल्क है। कलाप्रेमी सपरिवार आकर दिल्ली की कला-संस्कृति और खान-पान का आनंद ले सकते हैं। इस आयोजन में दिल्ली-एनसीआर के प्रसिद्ध व नवोदित प्रतिभाशाली कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। इस वर्ष उत्सव का केंद्रीय विषय ह्यसमरसता के नायक रामह्न है। जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन के पावन अवसर की पूर्वपीठिका के संदर्भ में श्रीराम का निर्बल, अशक्त, शोषित, वंचित वर्ग उत्थान और इन्हें मुख्यधारा में लाकर समरस समाज बनाने के उनके प्रेरक और अनुकरणीय जीवन का दिग्दर्शन होगा। लगभग एक सौ चित्रकारों द्वारा श्रीराम और समरस समाज का चित्रण करती पेंटिंग्स और मूर्तिशिल्प की अद्वितीय प्रदर्शनी लगेगी। संगीत, नृत्य, गायन, नाटक, कविता आदि के माध्यम से श्रीराम के आदर्श और समतामूलक संदेश समाज में प्रसारित करने के लक्ष्य से आयोजित इस उत्सव में कला की पारंपरिक और लुप्तप्राय विधाएं, यथा-कठपुतली, कुम्हार, बाइस्कोप, लोकनृत्य, लोकगायन की प्रस्तुतियों के साथ-साथ दिल्ली के प्रसिद्ध और स्वादिष्ट व्यंजनों के खान-पान के स्टॉल होंगे। युवाओं व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक विशेष पोस्टर व फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है, जिसमें श्रीराम और दिल्ली के प्राचीन मंदिरों पर फोकस रहेगा। उल्लेखनीय है कि संस्कार भारती कला और साहित्य को समर्पित राष्ट्रीय संस्था है, जो विभिन्न कला-संस्थाओं के साथ समन्वित प्रयास करके कला-साहित्य व संस्कृति को संरक्षित-संवर्धित करती है, कलाकारों को प्रोत्साहित करती है।

बेघरों की मौत पर मुख्यमंत्री केजरीवाल से जवाब मांगने के बाद भाजपा विधायकों को सदन से बाहर किया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सर्दी के मौसम में ठंड के कारण अब तक 203 बेघरों की मौत होने का दावा करते हुये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगा, जिसके बाद उन्हें मार्शल ने दिल्ली विधानसभा से बाहर कर दिया।

भोजनावकाश के बाद विधानसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सफाई कर्मचारियों के नियमितीकरण में कथित रूप से बाधा डालने पर नियम 55 के तहत एक अल्पकालिक चर्चा शुरू हुई। विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मौजूदा सर्दी के मौसम में दिल्ली में 203 बेघर लोगों की कथित मौत पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दिया। विधूड़ी ने कहा, हम मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस मुद्दे पर सदन में जवाब दें। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने विधूड़ी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह मामले का अध्ययन करेंगे और इसके बाद इस पर निर्णय लेंगे।

भाजपा विधायकों के अपनी मांग पर अड़े रहने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल को उन्हें (भाजपा विधायकों) को सदन से बाहर करने का आदेश दिया।

बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि दिल्ली के लोगों के मुद्दे पर भाजपा विधायकों ने 12 नोटिस दिये, लेकिन इनमें से एक को भी चर्चा के लिये स्वीकार नहीं किया गया।

मानसिक रोगों का मैग्नेटिक तकनीक से होगा इलाज

नई दिल्ली। दुनिया भर में अवसाद, स्त्रिजनोफेनिया, तनाव और माइग्रेन जैसी न्यूरो मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए मैग्नेटिक स्टिमुलेशन तकनीक बेहद कारगर साबित हो रही है। इस तकनीक में बिना दवाओं के दिमाग को बेहतर बनाने की क्षमता है। अभी तक भारत के डॉक्टर इस तकनीक के प्रशिक्षण के लिए अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में जाते थे, लेकिन अब एम्स दिल्ली में ही इस तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा और इस पर होने वाला खर्च भी कम होगा। एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर नंद कुमार ने बताया कि एम्स दिल्ली में 14 दिसंबर से 16 दिसंबर तक 14 राज्यों से आए 30 वरिष्ठ डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आईसीएमआर के सहयोग से साल में तीन बार इसके लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। कैसे काम करती है तकनीक : स्त्रिजोफेनिया, एंजाइटी, पैनिक अटैक और ब्रेन डिसऑर्डर जैसे मानसिक रोगों का इलाज इलेक्ट्रॉनिक मशीन के जरिए किया जा रहा है। इसका फायदा यह है कि जिन 50 फीसदी मरीजों पर दवा काम नहीं करती है, उनका इलाज इस तकनीक से किया जाता है। इसमें सफलता की दर 80 से 90 फीसदी तक है।

जामिया में 2047 के विकसित भारत पर परिचर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के 2047 में विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को लेकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विभिन्न विभागों के शिक्षकों और संकाय सदस्यों ने इस पर विचार विमर्श किया। उन्होंने विकसित भारत2047 के अपने दृष्टिकोण पर विचार साझा किए। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा प्रतिभाओं के विचारों पर शिक्षा, एनएसएस और वास्तुकला तथा डिजाइन विभाग में भी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। वास्तुकला तथा डिजाइन विभाग के छात्रों का मुख्य वक्तव्य भारत के सभी पहलुओं में विश्वगुरु बनने के विचार पर रहा। विचारों में भारतीय लोकाचार और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना, एक समृद्ध, न्यायसंगत, स्वस्थ, समावेशी और न्यायपूर्ण समाज सुनिश्चित करना, गांवों और शहरों के बीच की खाई को पाटना, स्मार्ट गांवों और स्मार्ट शहरों के टिकाऊ मॉडल को अपनाना था।

भाजपा किसान मोर्चे नें किया नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन : राजकुमार बल्लन

नई दिल्ली। भाजपा किसान मोर्चा दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित उतर पूर्वी दिल्ली जिला के भजनपुरा क्षेत्र के गढ़ी गांव में जिला स्तरीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें पुरुष व महिला वर्ग में 4 टीमों ने भाग लिया। नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने किया व इसके संयोजक जबर सिंह व सह संयोजक सुंदर लोहिया रहे। भाजपा उत्तर पूर्वी जिला प्रभारी गजेंद्र यादव, किसान मोर्चा प्रदेश प्रभारी राजकुमार बल्लन, विधायक व पूर्व जिलाध्यक्ष अजय महावर, जिलाध्यक्ष पूनम चौहान, किसान मोर्चा प्रदेश सह प्रभारी प्रवेश शर्मा व किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री व इस कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक राजपाल राणा व मण्डल अध्यक्ष भुवनेश सिंघल, धर्मेंद्र बली आदि की उपस्थिति में सिक्का उछालकर ट्रॉस किया गया और कबड्डी प्रतियोगिता की शुरूआत की गई। राजकुमार बल्लन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का लक्ष्य क्षेत्रीय प्रतिभाओं को आगे लाना है, ऐसी प्रतियोगिताएं खिलाड़ी में जीतने की भावना को प्रबलता प्रदान करती हैं, इन प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार राशि भी खिलाड़ियों को प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष मनीष कसाना, उपाध्यक्ष योगेंद्र राजौरा, हैप्पी गुप्ता सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

संसद की सुरक्षा तार-तार आखिर कौन है जिम्मेदार : नीलम चौधरी

नई दिल्ली। संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन उपद्रवियों नें संसद में घुसकर ना केवल रंगीन धुवा संसद में बिखेर दिया बल्कि बेखौफ सरकार के खिलाफ नारे बाजी तक की। इतना ही नहीं संसद के बाहर भी उनके सहयोगियों नें सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एक बार फिर से राजधानी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। यह कहना है बाबरपुर जिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष नीलम चौधरी का।

खेल मंत्री आतिशी ने छत्रसाल स्टेडियम में किया 67वें नेशनल स्कूल गेम्स का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

खेल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को छत्रसाल स्टेडियम में 67वें नेशनल स्कूल गेम्स का उद्घाटन किया। केजरीवाल सरकार का शिक्षा निदेशालय इस वर्ष इन खेलों की मेजबानी कर रहा है, जिसमें राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य बोर्डों सहित देश भर के कुल 44 इकाइयों के खिलाड़ी अपनी कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दिल्ली में 67वे नेशनल स्कूल गेम्स का उद्घाटन करते हुए खेल मंत्री ने देश भर से आए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि,राष्ट्र निर्माण के लिए खेल भी पढ़ाई जितना ही महत्वपूर्ण है। जब छात्र खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे तभी उनका सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने कहा कि, हमारे शैक्षिक पाठ्यक्रम में खेलों को शामिल करना राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। यह न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देता है बल्कि हमारे युवा खिलाड़ियों में टीम वर्क, अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण स्किल्स को भी विकसित करता है। यह एक स्वस्थ, अधिक प्रतिस्पर्धी पीढ़ी की नींव रखता है। खेल मंत्री ने जोर देकर कहा, खिलाड़ी बनना कोई आसान उपलब्धि नहीं है। जब हम दर्शकों के रूप में नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधु और मैरी कॉम जैसे एथलीटों को भारत के लिए पदक जीतते हुए देखते हैं, तो हम उस विशेष दिन पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को याद करते हैं, लेकिन उसके पीछे की हम वर्षों की उनकी मेहनत को नहीं देखते है ह्व एक खिलाड़ी बनना आसान नहीं है और इसके लिए समर्पण और मेहनत की जरूरत होती है। चाहे वह भाला फेंकने वाला हो, रिले रेसर हो, मुक्केबाज हो, पहलवान हो, क्रिकेटर हो या तैराक हो, सभी अपने खेल की तैयारी के लिए दिन और रात समर्पित करते हैं। तभी वे राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय मुकाम को हासिल कर पाते हैं। खेल मंत्री आतिशी ने आगे कहा कि, एथलीटों के जीवन में सुस्ती की कोई जगह नहीं है और वे एक दिन की ट्रेनिंग भी मिस करने का जोखिम नहीं ले सकते है। इसलिए, किसी भी उभरती खेल प्रतिभा के लिए खेल भी शिक्षा की तरह ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल आज इस नेशनल गेम्स में भाग लेने वाले छात्रों के लिए बल्कि दिल्ली और देश के हर बच्चे के लिए महत्वपूर्ण हैं। खेलों के माध्यम से सीखे गए मूल्य और स्किल्स बहुत महत्वपूर्ण हैं और इन्हें कहीं और हासिल नहीं किया जा सकता है। खेल टीम वर्क, कड़ी मेहनत के साथ-साथ खिलाड़ियों को लगातार चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। ये गुण देश के सभी बच्चों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

खेल मंत्री ने कहा,, सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, मुझे विश्वास है कि ये खेल हमारे युवाओं में खेल के प्रति जुनून पैदा करेंगे। बता दे कि अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के लड़के और लड़कियों के लगभग 3400 छात्र/खिलाड़ी 15-16 दिसंबर तक 13 खेलों में अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन दो दिनों के दौरान, छात्र 13 खेलों में भाग लेंगे, जिनमें हैंडबॉल, कराटे, जिमनास्टिक, टेबल टेनिस, कुश्ती, मुक्केबाजी, नेटबॉल, बैडमिंटन, तैराकी, गोताखोरी, कुराश और थांगटा मार्शल आर्ट्स आदि शामिल हैं। वर्ष 2022 में दिल्ली इन खेलों में पदक तालिका में पहले स्थान पर था।

कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आरजी अग्रवाल डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय कृषक समुदाय के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए धानुका समूह के अध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल को नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित मानद उपाधि डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय कृषि के उज्जवल भविष्य को आकार देने में श्री अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, जिसमें उत्पादकता, लाभप्रदता और किसानों के लिए सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि शामिल है।

एमिटी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने धानुका समूह के अध्यक्ष को भारतीय कृषि के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता, दृढ़ विश्वास, परोपकारी जुड़ाव एवं भारतीय कृषि को बेहतर बनाने के लिए उनकी निरंतर खोज में उच्च स्तर की व्यावसायिकता को देखते हुए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (डी.फिल.) की मानद उपाधि से सम्मानित करने की सिफारिश की थी।

एमिटी में एक शानदार समारोह के बीच श्री अग्रवाल को प्रतिष्ठित पेशेवरों, सम्मानित शिक्षाविदों, उत्साही छात्रों, गौरवान्वित माता-पिता और पूर्व छात्रों सहित 2000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ.बलविंदर शुक्ला ने उनके कृषि क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.

संक्षिप्त खबरें

दोहरे हत्याकांड आरोपी को आजीवन कारावास

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे सात सुनील कुमार सिंह ने पोथु थाना कांड संख्या -31/07 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र काराधीन बंदी अभियुक्त शम्भू शर्मा उर्फ शम्भू सिंह इंटवा पोथु को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एपीपी इंद्रदेव यादव ने बताया कि अभियुक्त को भादंवि धारा 302/149 में आजीवन कारावास की सजा और पच्चीस हजार जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना न भर सकें तो एक साल अतिरिक्त कारावास होगी। भादंवि धारा-147 में एक साल की सजा एक हजार जुमार्ना, जुमार्ना न देने पर एक माह अतिरिक्त कारावास होगी। भादंवि धारा -148 में दो साल की सजा और एक हजार जुमार्ना, जूमार्ना न देने पर एक माह अतिरिक्त कारावास होगी। वहीं 27 आर्म्स एक्ट में तीन साल की सजा और पांच हजार जुमार्ना लगाया गया है जूमार्ना न देने पर छः माह अतिरिक्त कारावास होगी सभी सजाएं साथ साथ चलेंगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियुक्त को 13 दिसंबर 2023 को उल्लेखित धाराओं में दोषी ठहराया गया था। सजा सुनाने के पश्चात जेल भेज दिया गया है।

संगठन महामंत्री से बिहार प्रदेश लघु उधोग कमेटी पर आपती

गया। बिहार के रौनीयार समांज एवं विश्य के वैश्य समाज ने बिहार के लघु उधोग प्रकोष्ठ का जो प्रदेश कमेटी गठीत की गई है उसपर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष से ट्विट करके आपती दर्ज किया है कि वैश्य समाज के प्रचार के लिए छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश मे होलटाईमर एक कार्यकर्ता गय उसे जगह न देकर, पूर्व मंत्री के कहने पर जो वैश्य समाज को मदद नही कर सकते हैं और परिवारवाद चलाया गया क्या गया के लघु उधोग प्रभारी होने के कारण सिर्फ नगर विधायक के लोगों को जगह ही क्यो जो पत्रकारो और अनाथ बेसहारा कार्यकर्ता को पचिस साल में कोई मदत नहीं करते उन्हें जगह क्यो।

तालाब को गंदा न करे: डा रामकृष्ण

गया। इस तरह तालाव को गंदा न कर। प्रेम की सौगात को फंदा न कर।।उड़ रहे आकाश में नारे अगर ।गड़े मुर्दो को कभी जिंदा न कर।बहुत चमगादड़ चिपकते शाख से। उनकी खुशियों केलिए चन्दा न कर।एक ही थाली के बैगन सब लगे। किसी की बैरी समझ निन्दा न कर।शब्द अच्छे -भले बारूदी हुए। पूर्वजों की महत्ता मंदा न कर।एक ही छत में गुजारा हो सके। सभी अपने हैं दिगर बंदा न कर।

पूरी बहुमत के साथ रिकॉर्ड काम करेगी 2024 में भाजपा : मनीष

गया।भाजपा नेता मनीष पंकज की आवास पर एक राजनीतिक चर्चा हुई जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष धनराज शर्मा, मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर, उप जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, दीपक पांडे, राणा रणजीत सिंह सहित कई लोग इस राजनीतिक चर्चा में उपस्थित है ।इस राजनीतिक चर्चा में कई आम बात हुई 2024 के चुनाव में वार्ड और पंचायत लेवल पर भाजपा को मजबूत किया जाएगा वहीं चर्चा में भाजपा नेता मनीष पंकज मनीष मिश्रा ने बताया कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार तो बनाएंगे ही एक रिकॉर्ड भी काम किया जाएगा हल्के ही चुनाव में तीन राज्यों में भाजपा का सरकार बना इस चुनाव मैं साबित कर दिया है 2024 का ट्रेलर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल को अपनी औकात 2024 के चुनाव में दिख जाएगी।

महाबोधि मंदिर परिसर में आम श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश सुबह में नही

गया। कल 16 दिसंबर को महापवन दलाई लामा जी सुबह महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना करने जाएंगे। इस दृष्टिकोण से जिला प्रशासन आम श्रद्धालुओं से अपील करता है कि सुबह 7:00 से सुबह 9:00 बजे तक महापवन दलाई लामा जी द्वारा महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना किया जाएगा। इसके पश्चात आम श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। पूर्व से जो श्रद्धालु मंदिर में पूजा करते रहेंगे वह अपने पूजा समाप्ति के बाद मंदिर से निकास कर सकते हैं। साथ ही आम श्रद्धालुओं से अपील है कि सभी श्रद्धालु महाबोधि मंदिर में दर्शन करने पहुंचे सभी कतारबद्ध तरीके से प्रवेश करें। आम श्रद्धालुओं को भीड़ एक साथ मंदिर में प्रवेश नही करे।

शिक्षाविद डॉक्टर डीएन मिश्रा को कुलपति ने किया सम्मानित

गया ।नवादा विधि महाविद्यालय नवादा के प्राचार्य एवं मगध विश्वविद्यालय विधि संकाय के डीन डॉक्टर डीएन मिश्रा को उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक उपभोक्ता संरक्षण के लिए मगध विश्वविद्यालय के कुलपति ने सम्मानित किया है ।मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एसपी शाही ने शुक्रवार को डॉ डी एन मिश्रा की किताब कंज्यूमर प्रोटक्शन को स्वीकार करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। कुलपति प्रोफेसर शाही ने कहा कि डॉक्टर डीएन मिश्रा द्वारा लिखित पुस्तक कंज्यूमर प्रोटक्शन से उपभोक्ताओं का एक बहुत बड़ा संरक्षण होगा ।

सड़क निर्माण कार्य में लगे मुंशी को मिला माओवादी का चिट्ठी

लेवी का किया गया है मांग, गोलीबारी की भी है सूचना

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी/इमामगंज। थाना क्षेत्र के कादिरगंज गांव में सड़क निर्माण में लगे मुंशी को बाइक सवार अज्ञात लोगों ने नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के नाम से एक हस्त लिखित चिट्ठी देते हुए लेवी का मांग करने की मामला प्रकाश में आया है। इस दौरान लोगों के बीच दहशत फैलाने के लिए हवा में फायरिंग भी किया गया है। यह घटना 13 दिसंबर की रात्रि की बताई जा रही है। हालांकि इमामगंज डीएसपी अमित कुमार ने नक्सली घटना की पुष्टि नहीं किया है। घटना के संबंध में सूत्रों ने बताया कि इमामगंज प्रखंड के कादिरगंज से खड़ाऊ गांव तक लगभग 6 किलोमीटर सड़क बनाई जानी थी। लेकिन ठेकेदार के द्वारा मल्हारी गांव से भरहा पहाड़ी के चारों तरफ एवं कादिरगंज फतेहपुर गांव के आसपास रोड को डाइवर्ट कर सड़क निर्माण कराया जा रहा है। तय जगह पर सड़क निर्माण नहीं होने पर ग्रामीणों ने इसकी लिखित सूचना पूर्व में सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक को दिया था। उसके बावजूद भी यह सड़क रूट को डाइवर्ट कर ठेकेदार के द्वारा बनाया जा रहा है। 13 दिसंबर की रात्रि बाइक सवार अज्ञात लोग कादिरगंज गांव में आकर सड़क निर्माण में लगे मुंशी को एक हस्त लिखित चिट्ठी दिया है। जिसमें ठेकेदार से कहा गया है कि तत्काल आप काम बंद कर दें और लेवी का रुपए मुंशी के घर रख दे सहित अन्य बातें लिखी गई है। इस घटना से ग्रामीणों में कई तरह की बात की जा रही है।

घटना पर बोले इमामगंज डीएसपी: इस संबंध में इमामगंज डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि यह नक्सली घटना नहीं है। बदमाशों के द्वारा ठेकेदार के मुंशी से मिलने के लिए एक दो लोग आए थे। जिन्हें ग्रामीणों के द्वारा पकड़ लिया गया था। इस दौरान गाली गलौज हुआ है। अब तक इस मामले में आवेदन नहीं आने के कारण प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। इस मामले में आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि इस बिंदु पर रोड के काम में लेकर ठेकेदार के द्वारा थाना में यह जानकारी दी गई है कि पिछले दिन पूर्व मैगर में एक जेसीबी मशीन को नक्सलियों के द्वारा फूंक दी गई थी। इसके बाद से उन्हें भी डर बना हुआ है। इसको लेकर उन्होंने रोड बनाने वाले स्तर पर पेट्रोलिंग और सीआरपीएफ की गस्ती करने की मांग किया है। इसके बाद वरीय अधिकारियों से बात कर उसे इलाके में पुलिस गलती और पुलिस पेट्रोलिंग करने की बात चल रही है।

पूर्व में नक्सलियों बांकेबाजार में पुनर्निर्माण कार्य में घटना को अंजाम दे चुके हैं: बांकेबाजार में पुल निर्माण कार्य और इमामगंज में सड़क और भवन निर्माण में नक्सली के द्वारा लेवी की मांग तेज हो गई है। विदित हो कि इमामगंज पुलिस अनुमंडल अंतर्गत सलैया थाना क्षेत्र के विराज गांव में बना रहे स्कूल भवन में लेवी नहीं मिलने के कारण पिछले चार अक्टूबर को अज्ञात लोगों ने मुंशी के साथ जमकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें मुंशी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वही बांकेबाजार थाना क्षेत्र के मंडावर नदी पर बना रहे पुल में लेवी को लेकर नक्सलियों ने 18 अक्टूबर को पहली बार और 10 नवंबर को दूसरी बार पोस्टर छोड़कर लेवी की मांग किया है। जबकि कुछ दिन पूर्व ही मैगर थाना से कुछ दूरी पर स्थित एट भट्ठा पर खड़ी एक जेसीबी को नक्सरियों ने आज के हवाले कर दिया था। और जाते-जाते दहसत भारी हस्तलिखित पर्चा भी छोड़ा था। इसके बाद से क्षेत्र में दहसत का माहौल कायम हैं।

17 दिसंबर को होगा वैश्य समागम हजारों कार्यकर्ता होंगे शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के पुनपुन रोड के समीप राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में 17 दिसंबर को औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक गांधी मैदान के प्रांगण में वैश्य समागम कार्यक्रम के निमित्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी सुनील कुमार गुप्ता ने किया जबकि संचालन संजय गुप्ता के द्वारा किया गया। बैठक की शुरूआत सुरेश विद्यार्थी ने प्रतिवेदन पढ़कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित औरंगाबाद जिले के वैश्य रत्न डॉ प्रकाश चन्द्रा, गौरव अकेला संयोजक जितेंद्र गुप्ता पैक्स अध्यक्ष मणि गुप्ता, पूर्व मुखिया प्रमोद भगत, अनिल मालाकार संतोष सोनी, अभिषेक सोनी मुकेश कुमार गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति रही। सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं वैश्य समागम में ग्राम जम्होर से हजारों की संख्या में शिरकत करने का निर्णय लिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज वैश्य समाज जाग चुकी है। सिर्फ कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है। बैठक में पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, अशोक प्रसाद गुप्ता, सुभाष गुप्ता, राजकिशोर जायसवाल, पंचायत समिति सदस्य अनिल अग्र वाल, विजय जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, अनूप प्रसाद गुप्ता, रामध्यान प्रसाद अशोक शौंडिक, पूर्व पैक्स अध्यक्ष चंद्रावती देवी पंकज कुमार शौंडिक, विनोद जायसवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में 39 फरियादियों को सुना फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। डीएम वर्षा सिंह द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में लगभग 39 परिवादियों के फरियाद सुना गया। परिवादियों द्वारा भूमि विवाद, मारपीट, अतिक्रमण, राशन कार्ड, आवास योजना, गृह रक्षा वानी, मुआवजा, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले आए। फरियादियों के आवेदन के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये गये।

करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम सवार्ली टोला निवासी रेणु देवी द्वारा बताया गया कि मैं विकलांग हूँ तथा चलने में काफी परेशानी होती है। मुझे चलने के लिए ट्राई साईकिल की सख्त जरूरत है। ट्राई साईकिल उपलब्ध करवाने की कृपा की जाय। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा सहायक निदेश सामाजिक सुरक्षा कोषांग अरवल को त्वरित निष्पादन हेतु निदेश दिया गया। अरवल प्रखण्ड स्थित ग्राम असलानपुर कुटिया निवासी मालती देवी द्वारा बताया गया कि मैं विधवा हूँ। मुझे घर के नजदीक खेल भवन कार्यालय में साफ-सफाई का कार्य दिलवाने की कृपा की जाय। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला खेल पदाधिकारी अरवल को निष्पादन हेतु निदेश दिया गया। कलेर प्रखण्ड स्थित ग्राम महावीरगंज निवासी ललन रविदास द्वारा बताया गया कि मेरी पत्नी जीविका समूह से जुड़ी हुई थी, जिसकी बीमा दो लाख रुपए की थी। मेरी पत्नी की मृत्यु माह जनवरी 2023 में हो गई। जीविका समूह के सी एम द्वारा मुझसे चेक एवं सभी कागजात की माँग कर ली गई है।

जीविका द्वारा चेक के माध्यम से रू0 1,47,000/- की अवैध निकासी कर ली गई है। उचित न्याय दिलवाने की कृपा प्रदान करें। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा पुलिस अधीक्षक अरवल को त्वरित निष्पादन हेतु निदेश दिए गए। कलेर प्रखण्ड स्थित ग्राम वलीदाद निवासी रामजी लाल द्वारा बताया गया कि मेरा घर मिट्टी का बना हुआ था जो ढ़ह गया है। मुझे रहने में काफी दिक्कत हो रही है। आवास योजना से आवास दिलवाने की कृपा की जाय। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कलेर को त्वरित निष्पादन के लिए निदेश दिया गया।

मनाया गया सरदार वल्लभभाई पटेल कि 73 वां पुण्य तिथि समारोह

आरा। सरदार वल्लभभाई पटेल कि 73 वां पुण्य तिथि समारोह कांग्रेस कार्यालय शहिद भवन आरा में जिलाध्यक्ष अशोक राम जी कि अध्यक्षता में तैलचित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई जिसमें भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी कि सभी वरिष्ठ कांग्रेस जनों एवं पदाधिकारीयों ने माल्यार्पण किया उक्त अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक राम ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश की स्वतंत्रता के पश्चात सरदार पटेल उपप्रधानमंत्री के साथ प्रथम गृह, सूचना तथा रियासत विभाग के मंत्री मंत्री बने सरदार पटेल के निधन के बाद भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान भारतरत्न से नवाजा गया। आजादी से पहले जूनागढ़ रियासत के नवाब ने 1947 में पाकिस्तान के साथ जाने का फैसला किया था लेकिन भारत ने उनका फैसला स्वीकार करने से इंकार करके उसे भारत में मिला लिया। भारत के तत्कालीन उपप्रधानमंत्री सरदार पटेल 12 नवंबर 1947 को जूनागढ़ पहुंचे। उन्होंने भारतीय सेना को इस क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के निर्देश दिए और साथ ही सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का आदेश दिया।

मनाया गया यदुबंश गौरव राजा शहीद राव तुलाराम की जयन्ति पखवाड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के बैनर तले शहीद अकली देवी नगर में यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया के अध्यक्षता में यदुबंश गौरव राजा शहीद राव तुलाराम की जयन्ति पखवाड़ा के रूप में मनाया गया। समारोह के संचालन भी मुना यादव ने किया ।समारोह के उद्घाटन समाजवादी नेता भीम पटेल एवं अजय यादव ने संयुक्त रूप सेउनके तैल चित्र पर माल्यार्पणकर किया ।अपने सम्बोधन में डॉ रघुबर चन्द्रवँशी ने कहा कि राव साहब का जन्म रेवाड़ी के रामपुरा में राजा पूर्ण सिंह ने घर में हुआ था(बचपन से ही वे काफी मेघावी थे। समाजवादी नेता शेषनाथ यादव ने कहा कि अंग्रेजसे भारत को मुक्त कराने के उद्देश्य से एक युद्ध लड़ने के लिए मदद लेने के लिए उन्होंने भारत छोड़ वे ईरान और अफगिस्तान के शासको से मुलाकात की ।प्रो विजय सिंह मुखिया ने कहा कि रूस के जार के साथ सम्पर्क स्थापित करने की उनकी योजनाएं थी इसी मध्य37वर्ष की आयु में23सितम्बर1863में काबुल में पेचिस से उनकी मृत्यु हो गई।

सुरेश यादव ने कहा कि हरियाणा के दक्षिणी पश्चमी इलाके के सम्पूर्ण ब्रिटिश हुकूमत को अस्थायी रूप से उखाड़ फेंकने तथा दिल्ली के ऐतिहासिक शहर में विद्रोही सैनिक की सैन्य बल धन व युद्ध समाग्री से सहायता प्रदान करने का श्रेय राव तुलाराम जी को दिया जाता है ।समारोह के अंत में पूर्व मुखिया स्वर्गीय राधा यादव के मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखा गया ।समारोह को सम्बोधित करने वाले लोगो मे प्रो अशोक सिंह पप्पू यादव गांगुली यादव जितेंद यादवचन्दन पासवान बुटन यादव ओमप्रकाश यादव विजय यादव रवि सागर यादव उपप्रमुख भगरथि यादव राधेश्याम यादव रवि प्रकाश यादव कन्हैया ब्यास धीरेंद्र यादव कामेंद्र यादव जगदीश यादव सत्यनारायण यादव भीखम यादव भैरव यादव भिखारी यादव सहित कई लोग उपस्थित।

भाजपा के अरवल विधानसभा कोर कमेटी की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। भारतीय जनता पार्टी के 214 अरवल विधानसभा कोर कमेटी की बैठक विधानसभा संयोजक भास्कर कुमार के नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में भाजपा मुख्यालय बैदराबाद अरवल में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी प्रमुख कोर कमिटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे, इस बैठक में जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के द्वारा जिला के सभी मंडलों में बैठक एवम् प्रवासी पधाधिकारी तय किये गए। 17दिसंबर से 20दिसंबर तक इस कार्य को पूरा कर लेना है। साथ ही साथ जिले के विभिन्नज्वलंत समस्याओं पर पार्टी के पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि उसे मुखर होकर जन समस्या को दूर करने का प्रयास किया जाय। पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा आगामी2024 जहानाबाद लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को किसी भी स्थिति में जीत दर्ज करानी है इसके लिए सभी कार्यकर्ता कड़ी मेहनत करना शुरू कर दें इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सह अरवल विधानसभा के संयोजक भास्कर कुमार ने कहा की बिहार की भ्रष्ट सरकार एवं भ्रष्ट नीतियों से जनता त्रस्त है चाहे वह बिजली की विभाग की मनमानी हो ,गरीबों को 50000 एक लाख का बिजली बिल विभाग के द्वारा भेज कर मानसिक प्रताड़ना करना, या कृषि विभाग के पदाधिकारी के द्वारा किसानों का अनुदानित दर पर मिलने वाली बीज को नही देना किसानों को समय पर किसी भी प्रकार का सहायता उपलब्ध नही कराना ,शराब पीने के नाम पर गरीबों को जेल भेजना, शिक्षा नीति को ध्वस्त करना,इन सारी सूक्ष्म मानसिकता से ग्रसित है नीतीश तेजस्वी की सरकार।

जिस तरह से तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी अपना परचम लहराने का काम किया है उससे स्थिति स्पष्ट है की बिहार में 40 की 40 लोकसभा सीट एनडीए गठबंधन के खाता में जनता सुनिश्चित रूप से देकर विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का काम करेगी साथ ही साथ 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश तेजस्वी सरकार को उखाड़ कर फेंक देगी, एवं भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री होगा जो बिहार के जनमानस को अमन शांति सुरक्षा सड़क शिक्षा चिकित्सा के क्षेत्र में भारत का अवल राज्य बनाएगी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राम विनय शर्मा, अजय पासवान प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ की हुई विधिवत शुरूआत

आरा :.राधा कृष्ण परिवार आरा के तत्वाधान में कृषि विज्ञान केंद्र स्काडा में आज से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ की विधिवत शुरूआत हो गई और आज वैदिक मंत्रोचार के बीच प्रकांड विद्वानों ने व्यास पीठ का पूजन कराया तत्पश्चात महाराज श्री का आज से कथा प्रवचन शुरू हो गया वहीं आज इस व्यास पीठ से पंडित अजयकृष्ण शास्त्री जी महाराज ने कथा प्रारम्भ में भागवत जी की महिमा का वर्णन, भगवान के स्वरूप का वर्णन, सुत जी महाराज, शौनकादि ऋषियों का संवाद, गुरु की महिमा, ब्रह्मा जी के पास देवताओं को रुष्ट होना भक्ति नारद ज्ञान वैराग्य संवाद, घुंघकारी प्रसंग, शौनकादि सुत जी महाराज से छः प्रश्नों का उत्तर आदि प्रसंगों का वर्णन बड़े ही सुंदर तरीके से परम पूज्य व्यास जी के द्वारा श्रवण कराया गया । इस मौके पर उपस्थित लोगों में आचार्य अवधेश वशिष्ठ वैदिक आचार्य प्रमोद पाठक आचार्य अजय जी सुरेश जी राजेश जी उपेंद्र जी हरिओम जी लोकेश जी सुमित कथा को सुनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे और यह कथा आगामी 22 तारीख तक चलेगा और प्रवचन को सुनने के लिए आरा सहित आसपास के दर्जनों गांव के लोग यहां पहुंच रहे हैं।

आरा रिंग रोड व आरा- बलिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के कार्य प्रगति के बारे में की समीक्षा

पटना/आराः आरा के विकास को लेकर सदैव तत्पर रहने वाले सांसद सह केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठलअक) के अधिकारियों से मिले और आरा रिंग रोड व आरा- बलिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के कार्य प्रगति की समीक्षा की। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे से जुड़ने तथा आरा रिंग रोड बनने पर आरा के साथ ही सासाराम, बक्सर की कनेक्टिविटी बढ़ेगी जिससे क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा ।यह पूर्वाञ्चल एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ेगा जिससे आरा व आस-पास के क्षेत्रों से रोड द्वारा दिल्ली जाना सुलभ हो जाएगा। इससे पहले भी माननीय मंत्री पटना- बिहटा एलिवेटेड रोड, आरा रिंग रोड के साथ और कई सड़क परियोजनाओं के कार्य प्रगति के संबंध में जानकारी लेते रहे हैं। उनका उद्देश्य इस क्षेत्र की रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना एवं आवागमन को आसान बनाना है। जहां आरा रिंग रोड से लोगों को जाम से राहत मिलेगी वहीं भारी वाहन आसानी से शहर के बाहर-बाहर निकल जाएंगे। आरा रिंग रोड व आरा- बलिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के माध्यम से क्षेत्र का विकास बहुत तेज गति से होगा एवं औद्योगिक विकास की संभावना के साथ ही रोजगार के अवसर बनेंगे।

बैठक संपन्न हुआ भाजपा भोजपुर कोर कमेटी जिला पदाधिकारियों

आराः भारतीय जनता पार्टी भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता मे आगामी कार्यक्रमों को लिए जिला कार्यालय बामपाली मे महत्वपूर्ण बैठक हुआ। बैठक दो चरणो मे हुआ। प्रथम चरण जिला कोर कमेटी की बैठक हुई, जिसमे संगठन की मजबूती, संगठन विस्तार, चल रहे कार्यक्रम की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों का विस्तार से चर्चा की गई। दूसरे चरण के बैठक मे जिला पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्ष,महामंत्री, विस्तारक और बीएलए एक की बैठक की गई। कार्यक्रम की शुरूआत डाँ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री सह क्षेत्रीय प्रभारी राजेश वर्मा ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी मे सभी कार्यकताओ का मान-सम्मान दिया जाता है। कार्यकर्ता पार्टी का रीढ होता है ।आज कार्यकर्ता के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और लगातार सफलता की ओर आगे बढ रहा है। हम सभी कार्यकताओं का जिम्मेदारी है कि हम सभी पार्टी के विचारधारा और केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे केन्द्र की बहुत सारी योजनाएँ देश मे चल रही है जिसका लाभ गरीब और अंतिम पायदान के लोगो को बिना किसी पैरवीकार का मिल रहा है ।भाजपा के कार्यकर्ता सभी योजनाओं के बारे मे लोगो को जागरूक करने का काम कर रहे है। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा विश्वकर्मा योजना लागू किया गया है जिसके माध्यम से कामगारो का निवंधन कर उन्हे प्रशिक्षित किया जाएगा ।उनको बैंक द्वारा कम ब्याज पर एक लाख रुपए का त्रण उपलब्ध कराया जाएगा और उनके उत्पादो को सरकार द्वारा बेंचवाने का कार्य भी किया जाएगा। भाजपा के कार्यकताओ द्वारा उन्हे चिह्नित कर निबंधित किया जाएगा। वैसे ही आयुष्मान योजना मे भी कार्यकताओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनवाने का काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री जी द्वारा 2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प किया गया है।

छात्र जदयू की हुई जीत स्नातक 22-25 छात्रों की परीक्षा भरने के लिए दूसरी बार मिला मौका

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।छात्र जदयू की शीश मंडल कमेटी ने मगध विश्वविद्यालय के कुलपति से की मुलाकात ,इस मौके पर मगध विश्वविद्यालय के अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा ने बताया कि आज हमारी टीम ने मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर शशी प्रताप शाही, एवं कुल सचिव डॉ समीर शर्मा से, स्नातक 2022-25 छात्रों का परीक्षा फॉर्म भरने के संबंध में मुलाकात की एवं उन्हें ज्ञापन सोपा ज्ञात होगी किसी कर्ण की वजह से स्नातक 2022-25 के 6000 से अधिक छात्रों का परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाया जिसके वजह से छात्रों का भविष्य अंधकार में जाता दिख रहा था ।इसी समस्या को लेकर छात्र जदयू की टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति , कुलसचिव से मुलाकात की और उनसे निवेदन किया , स्नातक 2022-25 छात्रों को कम से कम दो दिनों की समय और दिया जाए ताकि वह परीक्षा फॉर्म भर पाए छात्र जदयू की मांग मांगते हुए मगध विश्वविद्यालय के कुलपति जी के निर्देश पर स्नातक 22- 25 छात्रों का परीक्षा फॉर्म की तिथि को 18,12,2023 तक विस्तृत कर दिया गया है इसके साथ ही उत्तम कुशवाहा ने कहा कि छात्र जदयू हमेशा ही छात्र हित में काम करती है और छात्रों के हक की लड़ाई के लिए हमेशा आगे रहती है यह जीत सिर्फ हमारी नहीं है हमारी पूरी टीम की है जिन्होंने लगातार स्नातक के 2022-25 के छात्रों के लिए हमेशा आवाज उठाया और पूरी छात्र जदयू की ओर से कुलपति महोदय एवं कुल सचिव को एवं परीक्षा नियंत्रण महोदय को बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं, इस मौके पर पुरुषोत्तम कुमार सौरभ कुमार अमित कुमार आदित्य प्रकाश, रवि कुमार आशीष रंजन कुमार रहम उपस्थित थे।

शिक्षा शास्त्र विभाग निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

शिक्षाशास्त्र विभाग गया कॉलेज गया में अरविंदो सोसाइटी बिहार की ओर से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है ।जिसमें मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया है।. इस मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य गया कॉलेज गया प्रोफेसर डॉक्टर सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि आज का विषय बाद ही प्रासंगिक है मानव मूल्यों का विकास एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आज विद्यार्थियों के मन में यह बात घर कर गई है कि कक्षा कक्ष में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान का प्रयोग मात्र वार्षिक परीक्षा तक ही सीमित है।

परंतु सत्य तो यह है और शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तो यह है कि विद्यार्थियों को मात्र वार्षिक परीक्षा में सफल होने योग्य ही नहीं बनाना है बल्कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे वह अपने जीवन की परीक्षा में सफल हो सके। आवश्यकता इस बात की है कि विद्यार्थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में किए गए प्रावधानों को पढ़ें और मैं जिस प्रकार से सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक जीवन से जोड़ने की बात राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कही गई है उसका अनुसरण करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मॉडल में विद्यार्थियों के अंदर आध्यात्मिक चेतना एवं मानव मूल्यों के विकास पर विशेष बल दिया गया है और शिक्षाशास्त्र विभाग में तो भविष्य के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है फिर ऐसे में यह आवश्यक है कि इन विद्यार्थियों को मानव मूल्यों एवं आध्यात्मिक चेतना के विकास के साथ-साथ इनका सर्वांगीण विकास किया जाए क्योंकि शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते हैं और मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि शिक्षाशास्त्र विभाग में अध्यनरत यह भविष्य के शिक्षक हमारी भावी पीढ़ी को नई दिशा प्रदान करेंगे। अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग डॉक्टर धनंजय धीरज ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि. शिक्षाशिक्षाशास्त्र विभाग का उद्देश्य ऐसे भविष्य के शिक्षकों का निर्माण करना है जो टेक्नोलॉजी से लैस होने के साथ-साथ अपने हृदय में मानवीय संवेदनाओं एवं भावनाओं को भी संयोजय रखें. मौके पर विद्यार्थियों को अवालोकां पुस्तिका भी वितरित की गए एवं पूर्व मे आयोजित रंगोली प्रतियोगीता के प्रतिभागियों को मेडल भी प्रदान किया गया है। अरविंदो सोसाइटी की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए हैं ।विनय कुमार जी ने उनके जीवन वृत्त पर प्रकाश डालें। हिंदी विभाग के डॉक्टर श्रीधर करुणा निधि. पंकज कुमार गोलोक बिहारी नाथ. आदि उपस्थित थे. इस कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद सदर आलम ने किया है ।समस्त कार्यक्रम समन्वयक अजय शर्मा की देखरेख में संपन्न हुआ है ।वही धन्यवाद ज्ञापन किया है ।शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर रानी नीना प्रियदर्शनी ने किया है ।मो सबीर विकास कुमार संगीत राय आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

संसद सुरक्षा धुआं-धुआं

संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन ही संसद पर एक और प्रहार किया गया। देश 13 दिसंबर, 2001 का दिन नहीं भूला होगा, जब पाकपरस्त आतंकियों ने संसद के परिसर में घुसकर हमला किया था और हमारे 14 सुरक्षाकर्मी जवान शहीद हुए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अक्सर दावा किया गया कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। हमारी गालबजाई तब खोखली साबित हुई, जब 13 दिसंबर, 2023 को लोकसभा में शून्य काल की कार्यवाही चल रही थी। अचानक दो युवकों ने दर्शक-दीर्घा से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटें फांदता रहा और सदन में दहशत फैल गई। अफरातफरी मच गई। सांसद पकड़ो-पकड़ो चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और किसी स्मोक क्रैकर का इस्तेमाल किया, नतीजतन लोकसभा में पीला-सा धुआं फैलने लगा। जब तक मार्शल या सुरक्षाकर्मी आते, तब तक सांसदों ने उन घुसपैठियों को घेर कर धर दबोचा और पिटाई की। बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। यह प्रहार कुछ भी साबित हो सकता था। शुक्र है कि सदन में उस समय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री आदि मौजूद नहीं थे, लेकिन सांसदों की मौजूदगी अच्छी-खासी थी। पीला धुआं फैला कर युवक एक निश्चित संदेश देना चाहते थे कि संसद के भीतर घुसकर भी हमला किया जा सकता है! बेशक धुआं खतरनाक, जहरीला नहीं था, लेकिन इस तरह किसी रासायनिक द्रव्य का भी इस्तेमाल किया जा सकता था, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है! जूते में छोटा-सा बम भी छिपा कर संसद के भीतर लाया जा सकता था! ऐसे ही स्मोक बम और स्मोक ग्रेनेड भी होते हैं। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान करीब 250 सांसद दोनों सदनों में थे। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो अंजाम क्या हो सकता था? इसी तरह युवकों द्वारा छोड़ा गया पीला धुआं घातक और विषैला होता, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि हमारे देश पर प्रतीकात्मक प्रहार भी है। खुफियागीरी भी नाकाम रही है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में दरारें हैं, जो युवकों के जूतों में रखा गया स्मोक क्रैकर या स्प्रे जैसा उपकरण सुरक्षा स्कैनिंग के रडार पर नहीं आया। संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना आसान और सपाट नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से होकर गुजरना पड़ता है। सुरक्षा के चार घेरों के बावजूद पीले धुएं वाले द्रव्य या क्रैकर को पकड़ा नहीं जा सका, यह हमारी सुरक्षा का अधूरापन है। संयोग है कि दो प्रदर्शनकारियों ने संसद के बाहर पीला धुआं फैलाया और नारेबाजी की।

भाजपा के प्रयोगों में नया कुछ नहीं!

अजीत द्विवेदी

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने तीन नए मुख्यमंत्री बनाए हैं। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय को छोड़ दें तो बाकी दोनों नाम बहुत चौंकाने वाले हैं। साय दो बार प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और केंद्र में इस्पात राज्य मंत्री रहे हैं इसलिए लोगों ने उनका नाम सुना हुआ था और चुनाव नतीजों के बाद से ही उनके नाम की चर्चा भी हो रही थी। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि मध्य प्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री हो जाएंगे। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने इन दोनों का नाम तय करा कर सबको चौंकाया। जब से इन दोनों का नाम तय हुआ है तब से इस बात की चर्चा हो रही है कि भाजपा ने बिल्कुल नया प्रयोग किया है और दूसरी पार्टियों को इससे सीखना चाहिए। लेकिन सवाल है कि इसमें नया क्या है? क्या भाजपा ने पहले ऐसे प्रयोग नहीं किए हैं? इस प्रयोग के बारे में जो नई बात कही जा रही है उसमें दो-तीन बातें खास हैं। जैसे ये तीनों मुख्यमंत्री 60 साल से कम उम्र के हैं। तीनों बहुत चर्चित चेहरे नहीं हैं। तीनों में से एक भजनलाल शर्मा पहली बार के विधायक हैं। तीनों राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की पृष्ठभूमि वाले हैं और संगठन में सक्रिय रहे हैं। अगर इन चार बातों को देखें तो इसमें कुछ भी नया नहीं है। सबसे पहले उम्र की बात करें। तो आज से 20 साल पहले जब वसुंधरा राजे और रमन सिंह मुख्यमंत्री बने थे तब दोनों की उम्र 50 साल थी। यानी अभी बने तीनों कथित युवा मुख्यमंत्रियों से कम थी। आज से 18 साल पहले, जब शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तब उनकी उम्र सिर्फ 46 साल थी। खुद नरेंद्र मोदी जब पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे तब उनकी उम्र 52 साल की थी। उनको उस समय गुजरात भाजपा के सबसे दिग्गज नेता केशुभाई पटेल को हटा कर मुख्यमंत्री बनाया गया था। सो, इसमें कुछ भी नया नहीं है कि भाजपा ने 60 साल से कम उम्र के नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया या संबंधित राज्यों के सबसे मजबूत और दिग्गज नेताओं को दरकिनार करके अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को कमान सौंपी। भाजपा पहले भी यह काम करती रही है। अगर पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाने के प्रयोग की बात करें तो वह भी भाजपा पहले कर चुकी है। नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे तब वे विधायक भी नहीं थे। वे मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार विधायक बने और पहली बार सांसद बने तो प्रधानमंत्री बने। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा में 2014 में भाजपा के जीतने पर पहली बार के विधायक मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया। जहां तक अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने की बात है तो मनोहर लाल खट्टर से बेहतर मिसाल नहीं हो सकती है। अनेक दिग्गज नेताओं के होते हुए मोदी ने खट्टर को सीएम बनवाया था। इसी तरह उत्तराखंड में त्रिवेंद्र सिंह रावत हों या तीरथ सिंह रावत हों या मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हों ये सब कम चर्चित चेहरे रहे हैं। धामी के बारे में तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि वे सीएम बनेंगे। लेकिन चुनाव से छह महीने पहले वे मुख्यमंत्री बने और खुद विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भी उनको दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। गुजरात में भूपेंद्र पटेल से लेकर हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर और महाराष्ट्र में देवेंद्र फडवीस तक भाजपा दूसरी या तीसरी कतार के नेताओं को मुख्यमंत्री बनाती रही है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने से पहले भी ऐसे प्रयोग बहुत हुए। मध्य प्रदेश में बाबूलाल गौर हों या उत्तर प्रदेश में रामप्रकाश गुप्त हों या कर्नाटक में डीवी सदानंद गौड़ा हों, ऐसे कई नेता मुख्यमंत्री बने थे, जो बहुत चर्चित या लोकप्रिय नहीं थे। तीनों नए मुख्यमंत्रियों में एक कॉमन बात राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की पृष्ठभूमि से होना है। लेकिन यह भी कोई नई बात नहीं है। हां, यह जरूर है कि पिछले कुछ समय से भाजपा ऐसे नेताओं को तरजीह दे रही थी, जो दूसरी पार्टियों से आए थे। असम सहित समूचे पूर्वोत्तर में उसने कांग्रेस से आए नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया तो कर्नाटक में भी पुराने समाजवादी नेता बसवराज बोम्मई को सीएम बनाया था। लेकिन पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा की जो रणनीति है उसे वह हिंदी हृद्य प्रदेशों में नहीं आजमा सकती है। उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्यों में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मजबूत नेटवर्क और उसके काम की वजह से भाजपा जीतती है। इन राज्यों का मतदाता भी भाजपा और संघ की वजह से विचारधारा की प्रतिबद्धता लिए हुए है। तभी इन राज्यों में बाहरी नेता को कमान देने का प्रयोग संभव नहीं है। यही कारण है कि भाजपा के आला नेताओं के तमाम सद्भाव के बावजूद ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। जहां तक जातीय संतुलन साधने की कोशिश का सवाल है तो उसमें भी कुछ नया नहीं है। ध्यान रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड दोनों राज्य एक साथ बने थे, जिसमें झारखंड में भाजपा को पहली सरकार बनाने का मौका मिला और उसने अटल बिहारी वाजपेयी की तब की सरकार में मंत्री रहे बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री बना कर बैठाया था। चूंकि एक राज्य में आदिवासी मुख्यमंत्री बन गया था इसलिए भाजपा ने छत्तीसगढ़ में गैर आदिवासी रमन सिंह पर दांव खेला था। छत्तीसगढ़ में भाजपा लगातार जीतती रही और रमन सिंह सीएम बने रहे तो उधर झारखंड में भाजपा को जब भी मौका मिला तो आदिवासी मुख्यमंत्री बना। मरांडी के बाद तीन बार अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री बने। चूंकि नरेंद्र मोदी ने कमान संभालने के बाद झारखंड में रघुबर दास के रूप में पहला गैर आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया था इसलिए उन्होंने छत्तीसगढ़ में पहला मौका मिलते ही नुकसान की भरपाई के लिए आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया। बाकी दोनों राज्यों में पहले से जो समीकरण था वहीं समीकरण अब भी है। 2003 में जब छत्तीसगढ़ में रमन सिंह बने तो मध्य प्रदेश में पहले उमा भारती फिर बाबूलाल गौर और फिर शिवराज सिंह चौहान के रूप में लगातार ओबीसी मुख्यमंत्री बनाया गया। और राजस्थान में वसुंधरा राजे के रूप में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए रखा गया। अब भी भाजपा ने उसी समीकरण को आगे बढ़ाया है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा को सीएम बनाया है। फर्क यह है कि इस बार राजस्थान में राजपूत की बजाय ब्राह्मण सवर्ण चेहरा लाया गया है। वह इसलिए क्योंकि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में दो राजपूत मुख्यमंत्री हैं। सो, तीनों राज्यों में नया या बहुत क्रांतिकारी कुछ होने का जो हल्ला मचा हुआ है असल में वैसा नहीं है। तीनों मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी को नएपन के नजरिए से देखने की जरुरत नहीं है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

5 अगस्त 2020 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पूरे भारत में वातावरण राममय होने जा रहा है। अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। हाल ही में सम्पन्न दीपावली त्यौहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं।

प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक

अंततः वह घड़ी भी बहुत करीब आ पहुंची है, जिसका इंतजार हिंदू धर्मावलंबी पिछले लगभग 500 वर्षों से कर रहे हैं। 5 अगस्त 2020 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पूरे भारत में वातावरण राममय होने जा रहा है।

अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। हाल ही में सम्पन्न दीपावली त्यौहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50, 000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा। अयोध्या में होटल और रिजोर्ट का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमे कई फाइव स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेल्वे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं के विकसित होने के पश्चात अयोध्या में बढ़ने वाले धार्मिक पर्यटन से लाखों की संख्या में नए रोजगार के अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटकों के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अपार आर्थिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल, यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार के पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार के छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या के आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अपने आप में अयोध्या आस्था के केंद्र के साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम तो अपने मंदिर में बिराजेंगे ही, साथ ही इस क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों को भी आर्थिक रूप से अत्यधिक लाभ होने जा रहा है। अयोध्या में पूरे विश्व से पर्यटकों के आने से उत्तरप्रदेश की अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख ही लग जाएंगे।

भारत में अयोध्या की तर्ज पर ही अन्य धार्मिक स्थल भी विकसित किए गए हैं। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर विकसित किया जा चुका है। गुजरात में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। पावागढ़ गुजरात में ही मां कालका मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम प्रोजेक्ट पर भी कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उज्जैन में महाकाल कोरिडोर का निर्माण हुआ है। असम में माता कामाख्या कोरिडोर बन रहा है। पूरे भारत में ही धार्मिक स्थलों को विकसित कर देश में धार्मिक एवं क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत के पर्यटन मंत्रालय के एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2021-22 में भारत में पर्यटन गतिविधियों से 1.34 लाख करोड़ रुपए की आय हुई है, जबकि वर्ष 2020-21 में धार्मिक पर्यटन से 65, 000 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस प्रकार भारत में विकसित किए विभिन्न धार्मिक स्थलों के कारण पर्यटन की गतिविधियों से आय मात्र एक वर्ष के अंतराल में ही दोगुनी से भी अधिक हो गई है।

सेंटर फोर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलान्थ्रोपी के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में विभिन्न मंदिरों को मिलने वाला घरेलू दान 14 प्रतिशत बढ़कर 27, 000 करोड़ रुपए का हो गया है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 23, 700 करोड़ रुपए का दान विभिन्न मंदिरों को प्राप्त हुआ था। विशेष रूप से वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर के विकसित किए जाने के बाद से काशी विश्वनाथ मंदिर को मिलने वाला दान 500 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2021-22 में काशी विश्वनाथ मंदिर को 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ था। साथ ही, इस दौरान वाराणसी में धार्मिक पर्यटन भी 1000 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी प्रकार, उज्जैन में महाकाल कोरिडोर के विकसित होने के पश्चात बाबा महाकाल मंदिर में धार्मिक पर्यटन 1800 प्रतिशत बढ़ा है। इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन बढ़ने से चूंकि व्यापार बढ़ रहा है अतः इन क्षेत्रों में रोजगार के हजारों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। अब तो वृंदावन में भी बांके बिहारी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं का बांके बिहारी मंदिर में पहुंचना आसान हो सके।

विशेष रूप से प्रभु श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में केवल एक भव्य मंदिर बनाने की परिकल्पना नहीं की गई है बल्कि भव्य मंदिर के साथ साथ विशाल पुस्तकालय, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, वेदपाठशाला, यज्ञशाला, सत्संग भवन, धर्मशाला, प्रदर्शनी, आदि को भी विकसित किया जा रहा है, ताकि आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम के काल पर अनुसंधान करने में आसानी हो। प्रभु श्रीराम के मंदिर को राष्ट्र मंदिर भी कहा जा रहा है क्योंकि यहां आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान कराएगा। पूरे विश्व में यह मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए आस्था का केंद्र बनने जा रहा है अतः यहां पूरे विश्व से सैलानियों का लगातार आना बना रहेगा। यह मंदिर पूरे विश्व में हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए एक महत्वपूर्ण आस्था का केंद्र बनने के साथ साथ पर्यटन के एक विशेष केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है, इसलिए प्रभु श्रीराम की कृपा से करोड़ों व्यक्तियों की मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

महुआ के बहाने बेनकाब हुए माननीय

स्वतंत्रता से लेकर अब तक जहां हमारी संसद में अनेकानेक ऐसे सांसद हुए हैं जिनपर देश नाज करता है वहीँ दुर्भाग्यवश इसी संसद में अपराधी, भ्रष्ट, रिश्वतखोर, सवाल पूछने के बदले पैसे लेने वाले, संसद में हाथा पाई, मारपीट तथा लात घूसा चलाने वाले, जमीर फरोश, सिद्धांत विहीन, सत्ता लोलुप, दलबदलू यहां तक कि अशिक्षित सांसद भी शोभायमान होते रहें। इसके अतिरिक्त यही माननीय कई बार सांसद की गरिमा के विरुद्ध आचरण करते भी देखे जा चुके हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च 2000 में जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत के पाँच दिवसीय दौरे पर आए थे उस दौरान उन्होंने 22 मार्च को संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त भारतीय संसद को भी संबोधित किया था। खचाखच भरे इस केंद्रीय हाल में राष्ट्रपति क्लिंटन के संबोधन के बाद जिस तरह हमारे माननीयों में क्लिंटन के साथ हाथ मिलाने व फोटो खींचाने की होड़ मची थी वह दृश्य भी अभूतपूर्व था। अनेक सांसद उस दिन कुर्सियां फांद कर एक दूसरे को पीछे छोड़ राष्ट्रपति क्लिंटन की तरफ जाते दिखाई दिये थे। यह उनसे हाथ मिलाने व उसके साथ फोटो खिंचाने के लिये लालायित थे। इस दृश्य ने भी अनेक माननीयों की मानसिकता व उनकी हकीकत को उजागर किया था।

तनवीर जाफरी
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

भारतीय संसद को वैसे तो लोकतंत्र का मंदिर भी कहा जाता है। हमारे देश के जनप्रतिनिधि इसी संसद भवन में बैठकर देश के भविष्य की योजनायें व इससे सम्बंधित कानून बनाते हैं। इसलिये यह कहने की जरुरत नहीं कि प्रत्येक सांसद को पूर्ण रूप से संसदीय व्यवस्था व सञ्चालन को समझने की क्षमता रखने वाला, संसदीय कायदे कानूनों का जानकार, गंभीर, जिम्मेदार, ईमानदार, अनुशासित तथा समाज के लिये आदर्श पेश करने वाला नेता होना चाहिये। परन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं। स्वतंत्रता से लेकर अब तक जहां हमारी संसद में अनेकानेक ऐसे सांसद हुए हैं जिनपर देश नाज करता है वहीँ दुर्भाग्यवश इसी संसद में अपराधी, भ्रष्ट, रिश्वतखोर, सवाल पूछने के बदले पैसे लेने वाले, संसद में हाथा पाई, मारपीट तथा लात घूसा चलाने वाले, जमीर फरोश, सिद्धांत विहीन, सत्ता लोलुप, दलबदलू यहां तक कि अशिक्षित सांसद भी शोभायमान होते रहें। इसके अतिरिक्त यही माननीय कई बार सांसद की गरिमा के विरुद्ध आचरण करते भी देखे जा चुके हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च 2000 में जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत के पाँच दिवसीय दौरे पर आए थे उस दौरान उन्होंने 22 मार्च को संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त भारतीय संसद को भी संबोधित किया था। खचाखच भरे इस केंद्रीय हाल में राष्ट्रपति क्लिंटन के संबोधन के बाद जिस तरह हमारे माननीयों में क्लिंटन के साथ हाथ मिलाने व फोटो खींचाने की होड़ मची थी वह दृश्य भी अभूतपूर्व था। अनेक सांसद उस दिन कुर्सियां फांद कर एक दूसरे को पीछे छोड़ राष्ट्रपति क्लिंटन की तरफ जाते दिखाई दिये थे। यह उनसे हाथ मिलाने व उसके साथ फोटो खिंचाने के लिये लालायित थे। इस दृश्य ने भी अनेक माननीयों की मानसिकता व उनकी हकीकत को उजागर किया था। आज भी उसी मानसिकता के अनेक सांसद समय समय पर संसद में मोदी -मोदी का जाप करते सुनाई देते हैं। ऐसा नेता जाप भारत के अतिरिक्त किसी अन्य देश की संसद में होते नहीं सुनाई देता।

पिछले दिनों भारतीय संसद में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। उनपर संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने तथा लोकसभा पोर्टल का अपना लॉग इन पासवर्ड, लोकसभा नियमों के विरुद्ध दूसरों से शेयर करने के आरोप हैं। हालांकि महुआ मोइत्रा के लोकसभा से निष्कासन को विपक्ष बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता रहा है वहीं सरकार व उसके पक्षकारों का मत है कि महुआ के साथ जो कुछ हुआ है वह सब कुछ नियमों के तहत ही हुआ है। परन्तु महुआ प्रकरण पर गत 8 दिसंबर को लोकसभा में चली चर्चा के दौरान जब महुआ के समर्थन में बांका (बिहार) के जनता दल यूनाइटेड सांसद गिरधारी यादव खड़े हुये तो उनके मुंह से कुछ ऐसे वाक्य निकले जिन्होंने न केवल लोकसभा अध्यक्ष बल्कि पूरी संसद को स्तब्ध कर दिया। चूँकि गिरधारी यादव अपने क्षेत्र से चार बार विधायक और तीन बार लोक सभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं इसलिये जनता के बीच उनकी लोकप्रियता से इंकार कतई नहीं किया जा सकता। गिरधारी यादव ने साफ साफ कहा कि न तो उन्हें लोकसभा पोर्टल लॉगिन करना आता है न ही उन्हें अपना पासवर्ड याद रहता है न ही वे लोकसभा में अपने सवाल खुद तैयार करते हैं। बल्कि उनका यह सारा गोपनीय काम उनके पी ए करते हैं।

निश्चित रूप से सांसद गिरधारी यादव द्वारा संसद में ऑन रिकार्ड की गयी यह स्वीकारोक्ति गैर कानूनी व संसदीय नियमों के विरुद्ध थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सांसद गिरधारी यादव के इस बयान पर घोर आपत्ति भी दर्ज की और उन्हें सचेत भी किया कि सदन में ऑन रिकार्ड दिये गये आपके इस विवादित बयान को लेकर आपके विरुद्ध कार्रवाई भी हो सकती है। परन्तु गिरधारी यादव ने बिना छुपाये हुये अपनी जो हकीकत थी वह बयान कर डाली। साथ ही यह भी कहा कि अब उनकी यह उम्र कम्प्यूटर आदि सीखने की नहीं और उन्हें यह सब नहीं आता। जब लोकसभा अध्यक्ष सांसद गिरधारी यादव की बातों से असहज हुये तो उन्होंने इस गंभीर विषय पर संसद की नब्ज भी टटोलनी चाही। उन्होंने उसी समय वरिष्ठ तृणमूल सांसद सुदीप बंदोपाध्याय से पूछा कि क्या आप इनकी (सांसद गिरधारी यादव) बातों से सहमत हैं। इसपर उस वरिष्ठ सांसद ने सदन में जो बात कही वह भारतीय संसद की हकीकत को उजागर करने के लिये काफी है। बंदोपाध्याय ने कहा कि आप दस दस सांसदों के ग्रुप को अपने कार्यालय में बुलाकर स्वयं देख लें कि कितने सांसदों को लॉगिन करना और कंप्यूटर संचालन आता है। यह सुनते ही लोकसभा अध्यक्ष जो सांसद गिरधारी यादव को उनके विवादित बयान के लिये कार्रवाई की धमकी देते सुनाई दिये वही स्पीकर, सुदीप बंदोपाध्याय की बात सुनकर ठन्डे पड़ते देखे गये।

सवाल यह है कि क्या सांसद गिरधारी यादव की बातों पर सुदीप बंदोपाध्याय की प्रतिक्रिया और उनकी प्रतिक्रिया सुन लोकसभा अध्यक्ष की खामोशी भारतीय सांसदों की हकीकत को उजागर नहीं करती? और यहीं से दूसरा सवाल महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों को लेकर भी खड़ा होता है कि जब सांसद गिरधारी यादव सदन में स्वीकार कर चुके कि न तो वे लोकसभा के अपने सवाल तैयार करते हैं न ही उन्हें अपना लॉग इन पासवर्ड याद रहता है। उनके यह सारे काम कोई अन्य (उनका पी.ए) करता है। फिर इन्हीं आरोपों में केवल महुआ मोइत्रा ही दोषी क्यों? रहा सवाल देश विदेश में संसद की गरिमा धूमिल करने का, जैसा कि सत्ता पक्ष के कई सांसदों द्वारा लोकसभा में चर्चा के दौरान महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया गया। तो संसद की गरिमा इससे भी अधिक पूरे विश्व में पहले भी धूमिल होती रही है। याद कीजिये इसी वर्ष 21 सितंबर को जब भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने सांसद दानिश अली को संसद में निशाना बनाते हुये उनके पूरे समुदाय को संसद में गाली दी थी और अपमानित किया था। क्या एक निर्वाचित सांसद के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना उसे गलियां देना, धमकी देना संसद की गरिमा को नहीं गिराता? भारतीय संसद ऐसी और भी अनेक घटनाओं की साक्षी रही है जिससे लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा को धक्का लगता रहा है। अदानी के बढ़ते साम्राज्य पर संसद के भीतर व बाहर मुखरित होकर बोलने वाली सांसद महुआ मोइत्रा को बहुमत के जोर पर संसद की सदस्यता से निष्कासित तो जरूर कर दिया गया है। परन्तु इस चर्चा के दौरान महुआ के बहाने माननीयों की हकीकत से भी पर्दा उठ गया है।

मोहन-राज को अपनी छाप की जरूरत.....

राकेश अचल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के समाने मौजूद तमाम चुनौतियों में से सबसे बड़ी चुनौती निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रिय छवि से पार पाने की है। मुख्यमंत्री ने जिस तरह से पदग्रहण के बाद प्रशासकीय फैसले लिए हैं उन्हें देखकर लगता है कि वे पड़ौसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नकल कर रहे हैं। मोहन यादव को नकल की नहीं असल और मौलिक छवि बनाने की जरूरत है, इसके बिना वे कामयाब नहीं हो सकते। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार ने सबसे पहले पूजाघरों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों के खिलाफ कार्रवाई करने और खुले में मांस बेचने पर रोक लगाने के आदेश दिए है। सरकार ने भाजपा कार्यकर्ता का हाथ काटने वाले एक आरोपी के घर पर बुलडोजर भी चलाया है। इसमें नया कुछ भी नहीं है। ये सब यूपी में पहले से हो रहा है। ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर कार्रवाई अदालत के एक पुराने फैसले को आधार बनाकर की गयी है। लेकिन इस कार्रवई की जद में मैरिज हाउस को नहीं लिया गया है। शादी घरों में रात एक-दो बजे तक डीजे बजते रहते हैं ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक सराहनीय कदम है। हम वर्षों से ध्वनि विस्तारकों के इस्तेमाल पर गवर्नर लगाने की मांग करते रहे हैं, लेकिन कोई भी सरकार इस पर गौर नहीं करती। केवल प्रशासकीय आदेश जारी कर मुक्ति पा लेती है। मैंने अमेरिका में देखा है कि पूजाघरों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर रोक नहीं है लेकिन उ

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेशः बलिया में जिला न्यायाधीश को धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

उत्तर प्रदेश के बलिया में जिला न्यायाधीश को व्हॉट्सएप कॉल कर उनके बेटे को जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने जिले की दीवानी अदालत के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अशोक कुमार उपाध्याय की शिकायत के हवाले से बताया कि 10 दिसंबर की रात जिला न्यायाधीश अशोक कुमार के व्यक्तिगत मोबाइल नंबर पर व्हॉट्सएप कॉल आया। शिकायत में कहा गया कि कॉल करने वाला पुलिस की वर्दी में था और खुद को सदर थाने में तैनात बताया। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति ने धमकी दी कि मै तुम्हारे बेटे का एनकाउंटर कर दूंगा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 507 (गुमनाम संचार के माध्यम से धमकी देना) में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने ने कहा कि मामले में जांच की जा रही है।

कांकेर में बलिदान हुए जवान के परिवार को 50 लाख की मदद व सरकारी नौकरी देगी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बुधवार को आईईडी विस्फोट में बलिदान हुए बीएसएफ जवान अखिलेश कुमार राय के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने अखिलेश कुमार राय के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और उनके गृह जिले गाजीपुर की एक सड़क का नामकरण बलिदान जवान के नाम पर करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने एक बयान में गाजीपुर जिले के निवासी बीएसएफ जवान अखिलेश कुमार राय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बलिदान जवान के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। राज्य सरकार द्वारा दिवंगत जवान के परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

उत्तर प्रदेशः प्रयागराज के संगम क्षेत्र में सूटकेस से महिला का शव बरामद, बेटे को पकड़ा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के संगम क्षेत्र में एक सूटकेस से एक महिला का शव बरामद किया है और उसके बेटे को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (नगर) दीपक भूकर ने बताया कि शुक्रवार सुबह जब दारागंज थाने की पुलिस संगम क्षेत्र में गश्त कर रही थी तो उन्हें सूटकेस लिये एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा और पूछताछ में उसने अपना नाम हिमांशु बताया, जो बिहार के गोपालगंज का मूल निवासी है। उन्होंने बताया कि सूटकेस की जांच करने पर एक महिला का शव मिला। भूकर ने बताया कि इस बारे में सख्ती से पूछताछ करने पर हिमांशु ने बताया कि वह उसकी मां प्रतिमा देवी (42) का शव है। पुलिस उपायुक्त ने बताया, हिमांशु हरियाणा के हिसार जिले के आर्य नगर में अपनी मां के साथ रहता था और उसकी मां एक मिल में काम करती थी। उसने मां से पांच हजार रुपये मांगे थे, लेकिन पैसे नहीं देने पर उसने 13 दिसंबर को अपनी मां की गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हिमांशु उसी दिन शाम को शव को सूटकेस में भरकर ट्रेन से प्रयागराज आ गया और संगम क्षेत्र में शव को ठिकाने लगाने की फिराक में था। मामले में भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। भूकर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हरियाणा पुलिस को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है।

मांस-मछली की खुले में बिक्री प्रतिबंध करने के फैसले मध्यप्रदेश सरकार पुनर्विचार करें : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मध्य प्रदेश में खुले स्थानों पर मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर शुक्रवार को निशाना साधा और कहा इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश की नवगठित भाजपा सरकार द्वारा बेरोजगारों व अन्य गरीब मेहनतकशों को रोटी-रोजी उपलब्ध कराने के जरूरी फैसला करने के बजाय, रोजगार के अभाव में मछली, अंडा, मीट आदि का खुले में स्वरोजगार करने वालों का दमन शुरू कर देना कितना उचित ? इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार जरूरी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कल, छग के 4 शहरी एवं 70 ग्रामीण क्षेत्र होंगे वर्चुअली कनेक्ट

रायपुर, एजेंसी

केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 16 दिसम्बर को शाम चार बजे करेंगे। प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से देशभर में यात्रा के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से जुड़ेंगे और हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम के लिए जिलों से दोपहर 3 बजे कनेक्ट होंगे और यात्रा के संबंध में संवाद करेंगे। केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम आईईसी मोबाइल वैन के जरिए होगा। इसके जरिए प्रधानमंत्री मोदी का संदेश, योजनाओं की जानकारी और योजनाओं से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित होंगे। इसके अलावा योजनाओं से संबंधित पम्फलेट, बुकलेट आदि वितरित करने के साथ-साथ योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन, लाभ वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। योजनाओं के संबंध में जागरूकता के लिए क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। लाभार्थियों की व्यक्तिगत सफलता की कहानियों और उपलब्धियों को साझा करने के लिए ह्यमेरी कहानी-मेरी जुबानीह्न जैसे कार्यक्रम होंगे तथा धरती कहे पुकार के, स्वच्छता गीत आदि जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्राकृतिक खेती, स्वाईल हेल्थ कार्ड के संबंध में जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य मेला और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए कैंप ह्यविकसित भारत संकल्प यात्राह्न के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला, उज्ज्वला योजना, आधार कार्ड अपडेटेशन आदि के स्टॉल होंगे। इसके साथ ही नागरिक उपयोगी अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने भी इन स्टाल में व्यवस्था होगी। ह्यविकसित भारत संकल्प यात्राह्न के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में संचालित योजनाएं सम्मिलित होंगी। वेब पोर्टल से होगी मानिटरिंग भारत सरकार और पीएमओ द्वारा इस यात्रा की मॉनिटरिंग वेब आधारित पोर्टल से की जाएगी। यात्रा से संबंधित सामग्री इस वेब पोर्टल में साझा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को दिये जाने वाले लाभ की सूचना पोर्टल में होगी। शिविरों में आने वाले आवेदनों के संबंध में भी जानकारी इस पोर्टल में होगी। छत्तीसगढ़ के 4 शहरी क्षेत्र एवं 70 ग्रामीण क्षेत्र होंगे कनेक्ट शहरी क्षेत्रों में 4 और ग्रामीण क्षेत्रों में 70 लोकेशन में आयोजित होगा कार्यक्रम- छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जिलों के 70 स्थलों का चयन कार्यक्रम के लिए किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रायपुर जिले में 2, दुर्ग जिले में 8, महासमुंद जिले में 1, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 1, बिलासपुर जिले में 2, अंबिकापुर जिले में 5, जशपुर जिले में 5, सूरजपुर जिले में 5, मोहला-मानपुर जिले में 3, कोंडागांव जिले में 3, सुकमा जिले में 3, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-बैकुंठपुर जिला में 3, बस्तर जिले में 4, बीजापुर जिले में 4, जांजगीर जिले में 5, बलरामपुर जिले में 3, नारायणपुर जिले में 3, दंतेवाड़ा जिले में 4 तथा कोरिया जिले में 4 ग्रामीण क्षेत्रों के लोकेशन में यह कार्यक्रम होंगे।

घनश्यामदास टण्डन सरस्वती विद्या मन्दिर मे वार्षिक खेलकूद महोत्सव का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। घनश्याम दास टण्डन सरस्वती विद्या मन्दिर कैलसा में वार्षिक खेलकूद महोत्सव स्पर्द्धा का शुभारम्भ हरि सिंह ढ़िल्लो (शिक्षक विधायक) द्वारा किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष अजय टण्डन ने मुख्य अतिथि को पुष्प अर्पण कर उनका स्वागत किया तथा विद्यालय की वालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि माननीय हरिसिंह ढ़िल्लो ने फीता काटकर एवं मशाल जलाकर खेलों का शुभारम्भ किया। खेलों का शुभारम्भ रंगारंग आगाज के साथ किया गया। कार्यक्रम शुरू होने के पश्चात विद्यालय के चारों सदनों ध्रुव, प्रहलाद, अभिमन्यु, लवकुश द्वारा मार्चपास्ट का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने 400मी, दौड़, 200 मी रिले रेस, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बैडमिंटन, वालीवॉल, कैरम एवं चैस आदि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।कार्यक्रम का मुख्य ध्येय वाक्य ह्यऊर्जा-स्वस्थ मस्तिष्क और शरीरह्न को सार्थक करते हुए ऊर्जा से ओत-प्रोत अपने पंखों को उड़ान देते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये जिसमें संगीतमय योग की प्रस्तुति से मौजूद लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। प्रत्येक प्रतियोगिता में बच्चों ने जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लेकर खेलों के प्रति अपने समर्पण भाव को दशार्या। इस मौके पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरिसिंह ढ़िल्लो ने कहा कि खेल एक प्रतियोगिता नहीं वल्कि एक मिशन है जिसके द्वारा छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है तथा खेलों के द्वारा ही छात्रों का सर्वांगीण विकास सम्भव है।400 मी0 दौड. में जूनियर बालिका वर्ग में ईशिका ने प्रथम, यशिका ने द्वितीय तथा कशिश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग में सौरभ ने प्रथम, रिंकू ने द्वितीय तथा चन्द्रदेव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा प्रथम सैक रेस बालक वर्ग में प्रिंस ने प्रथम, निवेद ने द्वितीय तथा निष्कर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा प्रथम व द्वितीय लेमन रेस बालिका वर्ग में आरोही ने प्रथम, भावना ने द्वितीय तथा काव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 3 से 5 तक 200 मी0 रिले रेस में बालिका वर्ग में ध्रुव हाउस ने प्रथम, अभिमन्यु हाउस ने द्वितीय तथा लवकुश हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 3 से 5 तक 200 मी0 रिले रेस में बालक वर्ग में ध्रुव हाउस ने प्रथम, अभिमन्यु हाउस ने द्वितीय तथा लवकुश हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर विद्यालय की जूही राज, एकता, वंदना, नितिन, अंजलि, शालिनि, शीतल, नीलू, करूणा, शिवानी, सिन्टू, विरेन्द्र, विनय कुमार, धर्मराज सिंह, ओमपाल त्यागी आदि शिक्षकगण सहित कृपाल सिंह, धयान सिंह, विवेक कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में हार नाम का कोई शब्द नहीं होता : त्यागी

अमरोहा। वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी एवं डॉ0 सोरन सिंह सदस्य जिलापंचायत द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। उन्होनें अपने उद्यवोधन में कहा कि प्रतियोगिता में हार नाम का कोई शब्द नहीं होता है। सभी को निरन्तर प्रयास करना चाहिए। एक दिन विजय अवश्य मिलती है।विद्यालय के अध्यक्ष अजय टण्डन ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही खेलों में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया तथा विद्यार्थियों के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती अंजली टण्डन ने विद्यार्थी जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खलों द्वारा छात्रों का शारीरिक विकास होता है और मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिलती है।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री दिनेश प्रभाकर ने प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शारिरिक खेल में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि हरिसिंह ढ़िल्लो व विद्यालय के अध्यक्ष श्री अजय टण्डन जी द्वारा विजेताओं को मेडल एवं ट्राफी तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

फेकल स्लज/मल मूत्र अपशिष्ट शोधन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद, अमरोहा में (एफ0एस0टी0पी0) फेकल स्लज/मल मूत्र अपशिष्ट शोधन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार ने बताया कि फीकल स्लज घरेलू मल टैंकों से निकलने वाले मल-गार के कु-प्रबंधन से होने वाले हानिकारक दुष्परिणाम के विषय मे जानकारी एवं उचित प्रबंधन हेतु दिल्ली की विश्व प्रसिद्ध संस्था सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट से आये फीकल स्लज एक्सपर्ट श्री हर्ष यादव जी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित पालिका सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, सफाई नायक, सफाई कर्मचारियों, पालिका एफ0एस0टी0 प्लांट के तकनीकी विशेषज्ञों व कर्मियों को फीकल स्लज प्रबंधन के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण एवं जानकारी दी गयी। श्री हर्ष यादव द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत शासन द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा को एफ0एस0टी0पी0 (32 के0एल0डी0) के रूप में एक उपहार दिया गया है जिसका सही प्रयोग करना पालिका की जिम्मेदारी है उनकी एन0जी0ओ0 चयन राज्य सरकार द्वारा इस उद्देश्य से किया गया है कि सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के पदाधिकारी संबंधित पालिकाओं में जाकर एफ0एस0टी0पी0 के उचित प्रबंधन की जानकारी संबंधित कर्मियों एवं स्टाफ को दें। इसी क्रम में उनका शुक्रवार को अमरोहा में आयोजित इस कार्यशाला में आना हुआ है। विशेषज्ञ श्री हर्ष यादव द्वारा एफ0एस0टी0पी0 संचालन में आ रही कमियों की जानकारी कर उनको कैसे सही किया जाए का प्रशिक्षण एवं जानकारी दी गयी। कि किस प्रकार से प्रतिदिन पालिका क्षेत्र के घरेलू/ वाणिज्यिक उद्यमों के मल टैंकों का मलबा (मल गाद) निकाल कर प्लांट तक पहुंचाया जाए। अधिशासी अधिकारी महोदय डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया कि पालिका एफ0एस0टी0पी0 का अधिक से अधिक लाभ पालिका क्षेत्र में देने हेतु पालिका द्वारा निम्न निर्णय लिए गए है जैसे अब तक प्राइवेट व्यक्ति जो मल टैंक की सफाई करके मल गाद पालिका प्लांट में लाते थे उस पर उन्हें पालिका को 2500 रुपये की रसीद कटवानी होती थी, उस रसीद को अब निशुल्क कर दिया गया है।पालिका द्वारा पालिका क्षेत्र में स्थित समस्त सरकारी कार्यालयों एवं पालिका की काशीराम जी कालोनी के मल टैंकों की सफाई अपने संसाधनों से निशुल्क की जाएगी।इसके साथ ही चेतावनी जारी की गई कि इन रियायतों के साथ प्रतिबंध ये है की कोई भी प्राइवेट ठेकेदार मल टैंकों का मलबा यदि पालिका प्लांट के अतिरिक्त खुले में अथवा किसी नाले/ तालाब में डालता है पाया गया तो उस पर जुमार्ने की राशि जो पूर्व में 5 हजार थी को बढ़ाकर 12 हजार कर दिया गया है।कार्यशाला के उपरांत सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के विशेषज्ञ श्री हर्ष यादव द्वारा स्वच्छ भारत मिशन शहरी के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री नदीम अख्तर के साथ पालिका की काशीराम जी कालोनी का निरीक्षण कर वहां सामूहिक रूप से बने शौच टैंक की स्थिती देखी गयी, तथा अपनी संयुक्त आख्या अधिशासी अधिकारी महोदय को प्रेषित की गई, अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि पालिका द्वारा अपने संसाधनों से अभियान चलाकर काशीराम कालोनी के सामूहिक रूप से बने शौच टैंकों की सफाई करवाई जाएगी। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के विशेषज्ञ श्री हर्ष यादव, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के जिला कार्यक्रम प्रबंधक नदीम अख्तर, अवर अभियंता जलकल तपेश कुमार,सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जगत सिंह, मोहम्मद इल्तेजा, छवि शर्मा, पालिका सफाई नायक, सफाई कर्मचारी सहित पालिका कार्मिक उपस्थित रहे।

जे.एस.हिन्दू डिग्री कालेज में हुआ सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों जी की उपस्थिति में सुरक्षित एवं सुगम यातायात हेतु तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने और जन जागरूकता के दृस्टिगत द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2023-24 के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन जे एस हिन्दू डिग्री कॉलेज में किया गया। 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक मनाए जाने वाले सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों विदयालय के बच्चों को संबोधित करते हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों पर हम सब का परिवार हम सब चलते हैं, हमें एक दूसरे को सड़कों पर चलते समय सड़को /ट्रफिक के नियमों का पालन करना होगा और दूसरे लोगों को भी जागरूक करना है। जिलाधिकारी ने कहा यह 15 दिवस का पखवाड़ा अभियान स्कूल से लेकर हर स्तर तक पहुंचना चाहिए। जिसे आम जनमानस को लाभ मिले उन्होंने कहा शीत ऋतु में घने कोहरे व कम दर्शता होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। जिलाधिकारी ने कहा कि आप सब जानते हैं कि प्रतिदिन कितनी दुर्घटना हो रही है आये दिन हमारे ही बीच के लोग सड़क दुर्घटना में प्राण गंवा रहे हैं। वाहन चलाते समय हेलमेट और शीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें ओवर स्पीड में वाहन न चलायें कंही भी ज्यादा देर रात तक वाहन न चलायें । वाहन चलाते समय मोबाईल का प्रयोग न करें । बच्चे यह विशेष ध्यान दे अभी शिक्षा पर ध्यान दे वाहन का कम से कम प्रयोग करें आपकी एक लापरवाही पूरे जीवन को अस्त व्यवस्त कर देती है जिसका दंश माता पिता परिवार को झेलना पड़ता है ।सड़क नियमो की अनदेखी न करें यह सब आपकी सुविधा व सुरक्षित याता यात के लिए ही बनाये गए हैं इनका पालन अवश्य करें। एमएलसी हरि सिंह ढिल्लों ने संबोधित करते हुआ कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। आपकी एक लापरवाही जीवन को खतरे में डाल सकती है सड़को के नियमों का पालन करें अपने लोगो को भी बताएं । सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा को समझें मोबाईल का प्रयोग वाहन चलाते समय न करे। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों विद्यालय के बच्चों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के संबंध में शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुरेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकार यातायात प्राचार्य जे एस हिन्दू डिग्री कॉलेज संभागीय परिमाण अधिकारी अमरोहा सहित अन्य संबंधित अधिकारी विद्यालय के बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे ।

बलात्कार के नौ साल पुराने मामले में भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को 25 साल की कैद

सोनभद्र, एजेंसी

सोनभद्र की एक एमपी-एमएलए अदालत ने शुक्रवार को दुद्धी विधानसभा क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट) से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की से नौ साल पहले बलात्कार करने के मामले में 25 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। एमपी/एमएलए अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) एहसान उल्लाह खान ने अभियुक्त पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया जो पीड़िता के पुनर्वास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि अदालत ने 12 दिसंबर को विधायक को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की थी। फैसला सुनाए जाने से पहले गोंड के वकील ने कम से कम सजा देने का आग्रह किया और अदालत को आश्वासन दिया कि बलात्कार पीड़िता के परिवार की पूरी देखभाल आरोपी द्वारा की जाएगी। गोंड उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। त्रिपाठी ने बताया कि यह घटना चार नवंबर 2014 की है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (दुष्कर्म), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत विधायक पर मुकदमा दर्ज हुआ था। घटना के समय विधायक की पत्नी ग्राम प्रधान थीं। इस मामले में रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी बनाया गया था। पीड़ित लड़की के भाई की तहरीर पर म्योरपुर थाना की पुलिस ने मामला दर्ज किया था। गोंड उस समय विधायक नहीं थे और मामले की सुनवाई पोक्सो अदालत में चल रही थी। गोंड के विधायक निर्वाचित होने के बाद मामले की सुनवाई सांसद/विधायक (एमपी/ एमएलए) अदालत में स्थानांतरित कर दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के मौके पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए निबंध, कला, कुर्सी दौड़, नृत्य, गायन प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

मसवासी= अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तीकरण दिवस के अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए 14 दिसम्बर को राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय रामपुर में निबन्ध, कला, कुर्सी दौड़, नृत्य, गायन आदि विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इन प्रतियोगिताओं में नगर के सर्वहितकारी इंटर कॉलेज मसवासी की छात्रा परी ने दौड़ में प्रथम स्थान तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज तथा नगर का नाम रोशन किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अजय प्रकाश दीक्षित ने छात्रा परी को कॉलेज में सम्मानित किया तथा सभी विद्यार्थियों को खेल का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी सभी अध्यापकों ने परी को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की साथ ही बधाई एवं शुभभकामनाएँ दी।इस अवसर पर शिशुपाल सिंह, दिनेश चौहान, सूरज सिंह, करन सिंह, योगेश चन्द्र, करुणा चौहान, सीमा आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

चंदनपुर चीनी मिल ने किया चार दिसंबर तक का गन्ना भुगतान

प्रात : किरण संवाददाता, मनोज शर्मा

हसनपुर। चीनी मिल चंदनपुर द्वारा पेराई सत्र2023-24 का शुभारंभ 30 अक्टूबर 2023 को विधिवत पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ किया था।चीनी मिल चंदनपुर हमेशा से कृषक भाइयों के गनने का भुगतान समय से देने के लिए अग्रणी रही है और जिस प्रकार से वित्तीय वर्षों में समय से भुगतान किया गया है उसी को चरितार्थ करते हुए वर्तमान पराई शत्र 2023-2024 में भी 04-12-2023 तक का गनने का भुगतान कर दिया है चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) अमोद कुमार शर्मा ने वार्ता के कार्यक्रम में बताया कि चंदनपुर चीनी मिल ने हमेशा से ही कृषकों के हित का ध्यान रखते हुए समय से गाने मूल्य का भुगतान किया गया है मिल प्रबंधन की हमेशा से यही मनसा रही है कि आपके द्वारा किए गए गन्ना आपूर्ति का समय से भुगतान मिले इसी को पूर्ण करते हुए वर्तमान पराई सत्र 2023-24 का 04-12-2023 तक का 7970.47 लख रुपए का भुगतान कृषकों के बैंक खाते में भेज दिया गया है किसान भाइयों से अनुरोध है की अच्छी प्रजातियों का गणना लगे तथा चीनी मिल को साफ ताजा जड़ पत्ती अकोला रहित गन्ना आपूर्ति करने में अपना सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे आपकी चीनी मिल गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी समय से गाने का भुगतान करती रहे इसके अतिरिक्त आप सभी किसान भाइयों से अनुरोध है की अपना गन्ना कम दामों में इधर-उधर ने डालें आपका समस्त पराई योग्य गन्ना चीनी मिल लेने हेतु दृढ़ संकल्प है।

कार्यालय नगर पंचायत नरपतनगर दूंदावाला, रामपुर

पत्रांक–230/न०प०न०दूं/2023–24 दिनांक–15/12/2023

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त फर्मा/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत नरपतनगर बूंदावाला जनपद–रामपुर द्वारा दिनांक 07.12.2023 को अत्यधिक ठण्ड एवं शशीतलहर से बचाव के लिए अलाव जलाने हेतु लकड़ी कय करने के लिये निविदा आमंत्रित की गई थी। जिसके लिए इच्छुक फर्म व ठेकेदार दिनांक 08.12.2023 से दिनांक 13.12.2023 को अपरान्ह 2.00 बजे तक अपनी निविदा कार्यालय में जमा कर सकते थे तथा दिनांक 13.12.2023 निविदा सायं 04 00 बजे खोली जानी थी। परन्तु दिनांक 13.12.2023 तक किसी भी फर्म/ठेकेदार द्वारा कार्यालय में निविदा जमा नहीं की गई जिस कारण निकाय द्वारा निविदा जमा करने के लिये पाँच दिवस का समय बढ़ाया जाता है। इच्छुक फर्म/ठेकेदार दिनांक 18.12.2023 को सायं 4 बजे तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते है। निविदा दिनांक 18.12.2023 को सायं 4.00 बजे खोली जायेगी। निविदा मूल्य निकाय के खाता संख्या 13480100018055 बैंक ऑफ बड़ौदा मसवासी आईएफएससी कोड BARBOMASWAS में जमा की जाएगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अवधि	निविदा शुल्क	जमा धनराशि
	शीत लहर से बचाव हेतु अलाव जलाने हेतु लकड़ी की व्यवस्था।	शीत लहर चलने तक	1,380.00	10,000.00

लिपिक
नगर पंचायत नरपतनगर दूंदावाला
(रामपुर)

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत नरपतनगर दूंदावाला
(रामपुर)

अध्यक्ष
नगर पंचायत नरपतनगर दूंदावाला
(रामपुर)

संक्षिप्त खबरें

नगरपारा को 116 रनों से पराजित कर मरैया की टीम जीता ट्रॉफी

नवगछिया (भागलपुर) ।बिहपुर के प्रखंड के मैदान प्रांगण में हो रहे वाईसीसी क्रिकेट टूनार्मेंट के दूसरा मुकाबला खगड़िया जिले के मरैया बनाम भागलपुर जिले नगरपारा के बीच खेला गया ।मैच के आयोजनकर्ता प्रशांत कुमार उर्फ डिंपल, लालमोहन कुमार, सिंटू कुमार, रवि कुमार ने बताया कि टॉस जीतकर मरैया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 5 विकेट गंवा कर कुल 251 रनों का लक्ष्य रखा था। वही दूसरी पारी में नगरपारा की टीम ने कुल 16 ओवरों में 9 विकेट गंवाकर 135 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच का खिताब मरैया के खिलाड़ी मो. मांझ को मिला है। मैच के शुरूआती दौर में मो. मांझ ने 49 रन बनाए और 1 विकेट लिए थे। मौके पर कॉमेंटेटर राज गौरव, अंशु, स्कॉरर में प्रह्लाद एवं आशु के द्वारा रोमांचक रहा था तो वही मैच के निर्णायक मंडल सह इम्पायर में लालमोहन एवं डिंपल शामिल थे। इस दौरान आसपास क्षेत्र के दर्जनों लोगों की भीड़ मैच को देखने के लिए जमा रही थी।

इंडिया गठबंधन देशद्रोहियों के पक्ष में खड़े नजर क्यों आते हैं : एनसीपी

मुंगेर। जब भी कोई आतंकवादी घटनाएं होती हैं या संसद पर हमला होता है या देश पर कोई संकट आता है तो इंडिया गठबंधन वाले देश के साथ खड़े होने की बजाय देशद्रोहियों के पक्ष में खड़े नजर आते हैं ।उपर्युक्त बातें बिहार प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता संजय केशरी ने संसद पर हमला प्रकरण में इंडिया गठबंधन वालों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के बयान और राजनीतिक प्रतिक्रिया हमेशा देशद्रोहियों के लिए मददगार साबित क्यों होती है। यह देश के सामने विचारणीय प्रश्न है। पाकिस्तान में भारतीय सेना द्वारा किए गए सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी इन लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल खड़े करते हुए हताश-निराश पाकिस्तान को नैतिक समर्थन देने का अक्षम्य अपराध किया था। अनेकों बार ऐसा लगता है कि इंडिया गठबंधन के नेतागण पाकिस्तान, चीन और आतंकवादी संगठनों के प्रवक्ता के रूप में बयान जारी करते हैं जो भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल गिराने का काम करता है।

सहायता राशि को लेकर वार्ड नंबर 12 में किया गया सर्वे

मुंगेर। खड़गपुर नगर परिषद की ओर से नगर परिषद के वार्ड संख्या 12 में गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने वाले लोगों को अपनी आजीविका से संबंधित रोजगार करने वाले एवं दुकान खोलने के लिए इच्छुक लोगो को प्रधानमंत्री लोन योजना के तहत आजीविका सर्वे किया जा रहा है। इसके लिए सर्वेकर्ता सोनी कुमारी ने बतायी कि इच्छुक व्यक्ति अपना आधार कार्ड, मोबाइल नंबर ,आवासीय प्रमाण पत्र और बैंक पासबुक के छाया प्रति के साथ संपर्क कर सकते हैं। सर्वेकर्त सोनी कुमारी ने बतायी की जिसका मासिक आय 5000 से 8000 के बीच हो तथा लाभुक का घर कच्ची मकान,जो इंदिरा आवास भी लिया हुआ है जो जीविका से लोन ले रखा है उन्हें भी इस योजना के तहत लाभ मिलेगा। उन्होंने बताई की छोटे-मोटे दुकानदार अपने दुकान खोलने के लिए इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने यह भी बतायी कि इस योजना के तहत लाभुक को मिलने वाली धनराशि को वापस नहीं करना है। सोनी कुमारी ने बतायी कि वार्ड नंबर 12 में गुरुवार के दिन करीब 10 लोगों ने अपना फॉर्म भरकर जमा किया है।

दो शराबी को भेजा गया जेल

धरहरा/मुंगेर ।धरहरा पुलिस ने शराब पीकर उद्यम मचा रहे दो शराबियों को ओडाबगिचा गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में धरहरा थाना अध्यक्ष पप्पन कुमार ने बताया की ओडाबगिचा गांव में शराब के नशे में धुत्त होकर लगमा निवासी पंकज सिंह एवं देवघर निवासी लीलू पासी हो हंगामा कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनो को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार युवकों का मेडिकल करवाया गया। शराब पीने की पुष्टि होने के बाद पुलिस हिरासत में दोनो को जेल भेज दिया गया है।

बिजली चोरी के आरोप में 4 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। हवेली खड़गपुर प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग गांव में विद्युत विभाग के कर्मियों द्वारा सघन छापेमारी अभियान चलाया गया ।जिसके तहत अवैध रूप से मीटर बाइपास कर बिजली चोरी करने के मामले में कुल 04 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।खड़गपुर के महकोला गांव में अवैध रूप से बिजली चोरी कर इस्तेमाल करने के मामले में बिजली विभाग द्वारा 02 लोगों पर तथा राजा रानी तालाब गांव से 02 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। खड़गपुर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा के कनीय अभियंता राजीव कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान महकोला गांव निवासी उपेन्द्र बिंद एवं प्रमिला देवी तथा राजा रानी तालाब गांव निवासी सोरेन बिंद एवं धर्मेंद्र कुमार को अवैध तरीके से बिजली चोरी कर इस्तेमाल करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

सड़क दुर्घटना में युवती की मौके पर हुई मौत

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच दुर्घटनाग्रस्त वाहन व छतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेते हुए घटना की छानबीन में जुट गई

प्रात : किरण संवाददाता।

शाहकुंड (भागलपुर)। सुल्तानगंज थाना परिक्षेत्र अंतर्गत कृष्णगढ़ मोड़ स्थित मुख्य सड़क मार्ग पर तड़के सुबह एक मोटरसाइकिल व मालवाहक पिकप भान के बीच सीधी टक्कर हो गई।

इस घटना में मोटरसाइकिल पर सवार युवती की मौके पर ही मौत हो गई। वही घटना के शिकार हुए बाइक चालक ने बताया कि पिकप भान चालक के द्वारा सीधे बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक पर सवार मेरी बहन बुरी तरह से जख्मी हो गई और उसकी मौके पर मौत हो गई हैं। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार होने में सफल रहा है।

वही मृतिका की पहचान गनगनिया के वार्ड 3 के रमाकांत मंडल की 41 बर्षीय पुत्री नीलम कुमारी के रूप में बताई गई है, जो अपने घर से बीएससी परीक्षा देने के लिए पूर्णिया के लिए मोटरसाइकिल से अपने भाई प्रभात कुमार के साथ सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन ट्रेन पकड़ने के लिए जा रही थी, तभी सुबह 4:30 बजे कृष्णगढ़ मोड़ के समीप एक माल लदी पिकप भान के चालक ने जबरदस्त ठोकर मार दी।

जिससे घटना स्थल पर ही नीलम की मौत हो गई। वही घटना के बाद पिकप चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा है। वही घटनास्थल पर पुलिस टीम पहुंच मृतिका युवती के शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है। वही पुलिस पुरे घटना को लेकर पिकप भान चालक की पहचान व उसकी गिरफ्तारी की कवायद में जुट गई है।

बूथ सशक्तिकरण को ले भाजपा ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर) । रंगरा प्रखंड के मदरौनी चौक स्थित महावीर मंदिर के प्रांगण में प्रखंड अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा के बूथ सशक्तिकरण को लेकर एक बैठक आहूत की गई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए वोटरों को जोड़ने का काम के साथ-साथ बूथ सशक्तिकरण को लेकर बूथ अध्यक्ष की नियुक्ति, बूथ शक्ति केंद्र प्रमुख की नियुक्ति, मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए लोगों को प्रेरित करना एवं पन्ना प्रमुख बनाने की योजना सहित कई विषय बिंदुओ पर जोर दिया गया है। वही कार्यक्रम में उपस्थित गोपालपुर विधानसभा प्रभारी शंभु ठाकुर ने सरकार के द्वारा जारी निर्देश के आलोक में कई योजनाओं को लेकर संबंधित कार्यकताओं से अवगत कराते हुए जागरूक कराया ताकि वह लोगों के बीच पहुंच उनसे अवगत कराते हुए बताएं और सरकार के दिए हुए संबंधित योजनाओं से जुड़ कर लाभान्वित हो सके। वही उन्होंने बताया कि सरकार की प्रमुख योजनाओं में विश्वकर्म योजना, आयुष्मान भारत योजना एवं अन्य कई योजनाओं के बारे में जनता के बीच पहुंच कर उन्हें जागरूक कर जोड़ने पर जोड़ दिया है । वहीं जिलाध्यक्ष ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ यात्रा हेतु एक कमेटी बनाई गई है।

जिसको लेकर हर कार्यकर्ता क्षेत्र के सभी घरों में पहुंच कर अयोध्या से आया हुआ चंदन, चावल एवं पत्रक हर एक घर में बांटे जाने एवं आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का भव्य उद्घाटन के दिन हर एक घरों व मंदिरों में पांच दिए जला कर दीपावली की तरह उत्सव मनाएं जाने को प्रेरित करने की ओर जोड़ देने का निर्णय लिया गया है। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मुक्तिनाथ सिंह निषाद, प्रखंड अध्यक्ष रवि रंजन, गोपालपुर विधानसभा प्रभारी शंभू ठाकुर, मंत्री एवं महामंत्री प्रियतोष सिंह, मनोरथ सिंह, विक्रम कुमार, प्रदीप ठाकुर, प्रेमचंद, पुरुषोत्तम ठाकुर, नीरज कुमार, राकेश ठाकुर, राजन ठाकुर, शिवशंकर शर्मा, गौरव कुमार, पन्नालाल यादव, दिनमणि सिंह, नंद किशोर सिंह समेत अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर महीनों युवती से किया यौन शोषण

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में प्रेम प्रसंग मामले में यौन शोषण किये जाने का मामला सामने आता रहा है। इसी कड़ी में बांका जिला धोरैया के चपरी गांव इलाके में एक युवती को स्थानीय गांव के 21 वर्ष के युवक ने स्थानीय गांव इलाके के 18 वर्ष की युवती को अपने प्रेमजाल के झांसे में लेकर यौन शोषण करने के बाद युवती के साथ विवाह करने से इन्कार कर दिया है। मामले को लेकर पीड़िता युवती ने न्याय की गुहार ले वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार के कार्यालय का चक्कर लगाते दिख रही है। जहां पीड़िता युवती ने कहा कि गांव के एक युवक के साथ मोबाइल पर बात करते-करते प्यार हो गया और युवक ने शादी का झांसा देकर महीनों तक उसके साथ यौन शोषण किया जब यह बात घर वालों को पता चला तो लड़के के घर वाले ने शादी करने से इनकार कर दिया है।

अब अपनी न्याय की गुहार ले वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय का चक्कर लगा रही हूं। पीड़िता युवती बांका जिला के धोरैया थाना क्षेत्र इलाके के चपरी गांव की रहने वाली है अब वह अपने इंसाफ के लिए प्रशासन से गुहार लगाते दिख रही है, साथ ही मीडिया से बात करते हुए युवती ने कहा कि आरपी लड़के को झूठी शादी का झांसा दे कर यौन शोषण के आरोपी को सजा दिलाने हेतू युवक की गिरफ्तारी की मांग के साथ न्याय की गुहार लगा रही है। अब देखने वाली बात है कि पुलिस प्रशासन के इस दरबार में युवती को न्याय मिल पाता है या नहीं ये सबसे बड़ा सवाल उठता दिख रहा है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी कई ऐसे मामले में पुलिस के सहयोग से पीड़ित युवती को पुलिस ने कुशल नेतृत्व में न्याय दिए जाने के साथ विवाह संपन्न कराया जा चुका है।

एमए हिंदी विषय की यूनिवर्सिटी टॉपर बनी शिवानी

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर) । बिहपुर प्रखंड के बभनगामा के डॉ. मनिंद्र कुमार चौधरी उर्फ मनोज कुमार व माता सरिता चौधरी की पुत्री शिवानी छाया को एमए के हिन्दी विषय में युनिवर्सिटी टॉपर के सम्मान से सम्मानित हुई है, जिसको लेकर विगत 12 दिसंबर को पटना विवि की ओर से स्नातकोत्तर नियमित सत्र 2021-23 के लिए पटना के गांधी मैदान स्थित श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित दीक्षांत समारोह में बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आलेंकर ने शिवानी को गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया है। इस दौरान राज्यपाल ने कुल विश्व विद्यालय के 28 टॉपर घोषित छात्र छात्राओं को गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया है। बता दें कि इस वर्ष 28 टॉपरो की सूची में कुल 21 छात्राएं शामिल रही थी। दीक्षांत समारोह के दौरान हुई भाषण राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने दिये थे, तो वही शिवानी छाया ने सर्वोदय विद्यालय बिहपुर से मैट्रिक प्रथम श्रेणी से पास कर इंटर बायलॉजी और ग्रेजुएशन हिंदी विषय पटना जेडीओमेन्स कॉलेज से प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई। वही शिवानी छाया बचपन से ही पढ़ने में बहुत तेज रही थी। शिवानी जब 5वीं कक्षा में पढ़ती थी तो ओलंप्याड में पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त की थी। शिवानी के परिवार में पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी रही हैं। छात्रा शिवानी के पिता डॉ. मनिंद्र कुमार चौधरी उर्फ मनोज कुमार बिहपुर में होमियोपैथी क्लिनिक चलाते है तो वही उनकी माता गृहणी महिला के रूप में जानी जाती हैं। शिवानी के इस सफलता से माता-पिता, भाई-बहन, रिश्तेदार व क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन व ग्रामीण काफी हर्षित हैं।

छात्र संघ ने रविवार के बदले किसी अन्य दिन परीक्षा लेने की किया मांग

सदर मुंगेर ।आरडीजे एण्ड डीजे कॉलेज के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष सुमित कुमार यादव ने कहा कि मुंगेर यूनिवर्सिटी का एग्जाम डिपार्टमेंट छात्रों को परेशान करने पर तुला हुआ है। उन्होंने कहा कि अभी सीबीसीएस सेमेस्टर 01 का एग्जाम चल रहा है,और 20 तारीख को भी एग्जाम था ,पर माननीय राज्यपाल के आने के वजह से ये एग्जाम कैंसिल कर सन्डे को लिया जाएगा,क्या एग्जाम विभाग को पहिले से पता नहीं था की महामहिम राज्यपाल आने वाले है। जब उनका डेट तय रहता है,फिर उस दिन एक्जामडेट क्यों रखा गया ,फिर बाद में केंशील किया गया, रूटिंग बनाने से पहिले ये सब ध्यान क्यों नही रखा जाता है।

जमीन कब्जा उद्देश्य को लेकर रायपुर दियारा में दबंगों की गोलीबारी

खेत में बने फूंस के घर में दबंगों ने लगायी आग

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। भवानीपुर ओपी थाना परिक्षेत्र अंतर्गत रायपुर दियारा इलाके में जमीन कब्जा करने के उद्देश्य को लेकर गोलीबारी किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक घटना से पीड़ीत किसान इंदल शर्मा ने स्थानीय भवानीपुर ओपी थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी देते हुए न्याय की गुहार लगाया है। पीड़ित किसान के आवेदन में कहा है कि जमीन विवाद को लेकर न्यायालय में टाईटल सूट चल रहा है। उक्त जमीन को लेकर गॉव के ही गोपाल शर्मा एवं सदन शर्मा जो की अपराधिक तत्व के लोग है ।उन्होंने देर रात्रि हथियार से लैस 4-5 अज्ञात अपराधियों के साथ खेत में बने बासा को आग के हवाले कर दिया। इस घटना में खेत जुताई के लिए रखे पॉच हजार नकदी सहित पशू के चारा जलकर राख हो गये है। वही इस अगलगी की घटना में कई मवेशी झूलस गये है। वही मामले को लेकर भवानीपुर ओपी थाना पुलिस अपनी पुलिस टीम घटना की छानबीन को लेकर सादे लिबास में घटनास्थल पहुंच कर मौके से खेत में अवैध रूप से खेत जुताई कर रहे ट्रैक्टर को देखा गया इसी क्रम में दहशत फैलाने के लिए पुलिस पदाधिकारी के समक्ष अपराधियों के द्वारा द्वारा दो चक्र गोली फायरिंग की। वही गोली चलाने पर सुचना मिलते ही भवानीपुर पुलिस सदलबल के साथ घटनास्थल पहुंच खेत में जुताई कर रहे ट्रेक्टर को जप्त कर लिया गया। वही मामले को लेकर देर शाम तक दियारा इलाके में भवानीपुर पुलिस छानबीन में जुटी रही थी। मामले को लेकर भवानीपुर ओपी थानाध्यक्ष रमेश कुमार साह ने बताया कि घटना को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। वही घटना के पीड़ित ग्रामीणों के द्वारा आवेदन दिए जाने पर अपराधियों के विरुद्ध कानुनी कार्यवाई की जाएगी।

क्षेत्रीय आपदा मित्र संघ का किया गठन

प्रात : किरण संवाददाता

नवगछिया (भागलपुर)। बिहपुर प्रखंड स्थित ट्रायसम भवन परिसर में आपदा मित्र संघ की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के सभी आपदा मित्र ने भाग लिया। मौके पर आपदा मित्र संघ के गठन व विस्तारीकरण के विषय बिंदू पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान सभी मित्रों व सदस्यों के द्वारा सर्व सहमति से अध्यक्ष पद से मोहम्मद मुख्तार खान, सचिव रवि कुमार एवं कोषाध्यक्ष पद से मिलन कुमार का नाम मनोनीत किया गया है। इस मौके पर सभी चयनित पदाधिकारी को बताया गया है कि होने वाले घटना व दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने व पीड़ितों के सहयोग करने एवं उचित मार्ग दर्शन कराने के साथ-साथ समय पर सरकार के द्वारा दिए गए निदेर्शों को आपदा मित्र तक पहुंचाना और सरकार के द्वारा दिए गए आपदा मित्र को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोड़ देंगें। इस मौके पर सोनू कुमार, संभू राम, राधा राम, राहुल रजक सहित कई आपदा मित्र उपस्थित थे।

अपनी जानमाल की रक्षा की गुहार ले मुखिया पहुंचे डीआईजी कार्यालय

प्रात : किरण संवाददाता।

जगदीशपुर (भागलपुर)। विगत दिनों जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलुआचक के वर्तमान मुखिया मुकेश मंडल ने गांव के ही सरपंच पर जानलेवा हमला किये जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि हम पर इसी गांव के सरपंच जवाहरलाल यादव ने मेरे और मेरे परिवार पर लगातार तीसरी बार जानलेवा हमला कराया गया है, उक्त घटना को लेकर हम व हमारे परिवार के लोग काफी डरे शहमें हाल में चल रहे है। उ

क्त घटना को लेकर बलुआचक के मुखिया मुकेश मंडल ने अपने जानमाल की रक्षा की गुहार ले डीआईजी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने लिखित आवेदन सोपते हुए न्याय की मांग की है। वही सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मामला जमीन व पैसे को लेकर जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आखिर सरपंच द्वारा मुखिया पर इस तरह जानलेवा हमला क्यों कर रहे हैं या फिर मुखिया मुकेश मंडल खासकर सरपंच को ही टारगेट क्यों कर रहे हैं ये जांच का विषय बन गया है, हालांकि मुखिया मुकेश मंडल के आवेदन के हिसाब से अभी तक पुलिस द्वारा सरपंच व उनके समर्थकों को गिरफ्तार नहीं कर पायी है अब देखने वाली बात यह भी होगी कि प्रशासन इस पर क्या संज्ञान लेते हुए कौन से जांच शुरू करने के सार्थक प्रयास शुरू करने की रणनीति अपनाती है।

शराब तस्कर को महुआ शराब के साथ किया गया गिरफ्तार

मुंगेर /तारापुर । शुक्रवार को शराब के नशे में धुत शराबी को तारापुर पुलिस गश्ती दल के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। शराब तस्कर को भी महुआ शराब के साथ हिरासत में लिया गया है। पुलिस पदाधिकारी कमलेश्वरी प्रसाद यादव गश्ती के क्रम में सूचना मिलने पर चक धोबई गांव पहुंचे। रविकांत सिंह के घर के पास पहुंचने पर पुलिस गाड़ी को देखकर प्लास्टिक का थैला लिए व्यक्ति भागने लगा, जिसे पकड़े लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान रविकांत सिंह के रूप में हुई। उसके पास से बरामद प्लास्टिक के झोला की तलाशी लेने पर छः प्रति पन्नी आधा किलो गांजा एवं देसी महुआ शराब तीन लीटर बरामद हुआ. पुलिस ने रविकांत को गिरफ्तार कर लिया हैं। थानाध्यक्ष राजेश कुमार रंजन ने बताया कि डाढ़ा सरौन का सोनू मंडल भी शराब के नशे में अस्पताल के समीप हो हंगामा कर रहा था जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और सोनू मंडल को पुलिस हिरासत में लियान जबकि रविकांत दूसरी दफा जेल भेजा जा रहा है।

आग में बाइक सहित बिजली मीटर एवं घर के समान जले

बारियारपुर /मुंगेर । प्रखंड के बरियारपुर बस्ती दक्षिणी टोला में बीती रात को आग लगने से एक बाइक सहित घर के बिजली मीटर एवं घर में रखा आवश्यक सामान जल गया जिसकी सूचना पर बरियारपुर पुलिस घटनास्थल पर जांच करने पहुंची समाचार लिखे जाने तक पीड़ित ने आग लगने की लिखित आवेदन नहीं दिया था बताया जाता है कि बरियारपुर बस्ती निवासी गुंजन कुमार ग्लैमर बाइक को अपने साथी देवेंद्र सहनी के घर पर खड़ा करके घर चला गया था।

सहारा इंडिया के निवेशकों ने सहकारिता मंत्री आमित साह का पुतला फूंका : क्यामुद्दीन अंसारी

आरा। बस स्टैण्ड स्थित भिखारी ठाकुर रंगमंच पर सहारा इंडिया के निवेशकों (खाताधारकों) की बैठक सहारा इंडिया निवेशक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सहारा इंडिया निवेशक संघर्ष मोर्चा के संयोजक सह भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने किया। बैठक मे सैकड़ों की संख्या मे निवेशक (खाताधारक) मौजूद थे। आज की बैठक मे मांग की गयी कि केन्द्र सरकार सहारा इंडिया के खाताधारकों का रुपया खुद सहित शीघ्र भुगतान करे ।बैठक मे जोर देकर कहा गया कि सुब्रत राय की संपत्ति को निलाम कर सरकार निवेशकों का रुपया लौटाए ।सहारा इंडिया के खाताधारकों मे काफी गुस्सा देखने को मिला ।आज की बैठक मे सहकारिता मंत्री आमित साह का नाम सुनते ही निवेशक भड़क गये तथा तय हुआ कि आरा बस स्टैण्ड के गेट पर जुलुस निकाल कर सहकारिता मंत्री आमित साह का पुतला फूंक डाला। सहारा इंडिया निवेशकों के बैठक व पुतला दहन के समय सभा को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

सभा को संबोधित करते हुए सहारा इंडिया निवेशक संघर्ष मोर्चा के संयोजक व भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार सहारा इंडिया के निवेशकों के साथ धोंखाधड़ी कर रही है आज भी सहारा से बी मे 25000 करोड़ रुपया जमा है पर सरकार निवेशकों का रुपया लौटाना नहीं चाहती क्योंकि भाजपा सरकार बड़े लोगों को लाभ पहुंचाती है।

क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि गरीब हाड़तोड़ मिहनत कर थोड़ा थोड़ा बचा कर पैसा जमा किए थे ।उन निवेशकों के पैसा नहीं निकलने से बहुत से निवेशकों के बच्ची की शादी टुट गयी ।कई निवेशकों के बच्चों की पढ़ाई बीच मे छुट गयी ।सहकारिता मंत्री आमित साह ने एक पोर्टल पर लोगों को आनलाइन करने को कहा था करोड़ो लोग आनलाइन किये पर सरकार निवेशकों से ही सबुत मांग कर पैसा लौटाने का बहाना बनाने लगी ।क्यामुद्दीन अंसारी ने सहारा इंडिया के निवेशकों से आह्वान किया कि 2024 के चुनाव मे भाजपा को सबक सिखाए। इस सभा को संबोधित करते हुए सहारा इंडिया निवेशक संघर्ष मोर्चा के सह संयोजक राजु प्रसाद ने कहा कि गरीबों ने अपना पेट काटकर रुपये जमा किए थे और केन्द्र सरकार पुजीपतियों और बड़े लोगों को मदद करती है तथा सहारा इंडिया के निवेशकों को आत्म हत्या करने पर विवश कर रही है निवेशकों के भुगतान के सवाल पर संघर्ष करेंगे और सरकार को बाध्य कर देंगे की वे निवेशकों का रुपया लौटाए।

इस कार्यक्रम मे भाकपा माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम, विश्व भारती जन सेवा सहयोग के जिला अध्यक्ष सियाराम यादव,सरफराज खान,भाकपा माले नेता राजेन्द्र यादव, बब्लू कुमार गुप्ता, खाताधारकों मे शान्ति देवी, कांति देवी,बेबी देवी,प्रमोद रजक,राजीव रंजन,मनोज कुमार सिन्हा, अवधेश पासवान,नागेन्द्र राम,उषा देवी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अंग महोत्सव 2023- 24 की तैयारी अंतिम चरण में, आज होगा उद्घाटन

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर । कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन मुंगेर के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 16 एवं 17 दिसंबर को होने वाले अंग महोत्सव 2023-24 की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। शुक्रवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह स्वयं मुख्य समारोह स्थल पोलो मैदान में जाकर पंडाल निर्माण और चल रहे तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंग महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा। तैयारी भी अपने अंतिम चरण में है। जिले की तमाम जनता इस कार्यक्रम में आमंत्रित हैं। 16 दिसंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी द्वारा संध्या 5.30 बजे किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि बिहार में पहली बार अंग महोत्सव मुंगेर में 17 दिसंबर को संध्या 6.30 बजे से बॉलीवुड के मशहूर सिंगर सचेत और परम्परा अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे। उनके द्वारा बिहार में अब तक एक भी प्रदर्शन नहीं किया गया है। यह पहला मौका है जब उक्त दोनों सेलिब्रिटीज बिहार के मुंगेर जिले में अपना प्रदर्शन देंगे। 16 दिसंबर को पोलो मैदान से प्रातः 8:00 बजे प्रभात फेरी सह हेरिटेज वॉक निकाली जाएगी। 10:00 बजे सदर अस्पताल में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 11:00 बजे पोलो मैदान में रंगोली पेंटिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संध्या 5:30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के विधाओं से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवा एवं अन्य कलाकारों द्वारा अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी जायेगी। 17 दिसंबर को दिन के 11:00 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन सदर अस्पताल स्थित रक्त समूह केंद्र में किया जाएगा। इस मौके पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा एवं अन्य व्यक्ति स्वेच्छा से रक्तदान कर सकते हैं, जबकि संध्या 5:30 बजे स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा। जिलाधिकारी ने समस्त शहरवासियों एवं जिलावासियों को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए कार्यक्रम का आनंद उठाने की अपील की है।

स्कूल संचालकों को स्कूल बसों के पेपर को दुरुस्त करने के लिए डीटीओ ने दिया एक सप्ताह का समय

समस्तीपुर। डीटीओ धीरेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को जिले के कई निजी स्कूलों के दौरा किया। जिसमें 119 बसों की जांच की गई। उनमें परमिट नही पाया गया। साथ ही बच्चों को लाने और ले जाने वाली बसों में प्रदूषण, रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, भीएलटीडी, एसएलडी, आदि फेल पाया गया। डीटीओ ने बताया कि स्कूल संचालक परिवहन विभाग के गाइडलाइंस के अनुरूप बस संचालित नही कर बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रहें हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी निजी स्कूल संचालक को एक सप्ताह का समय दिया गया है। समय सीमा के अंदर उन्होंने अपने बसों का पेपर दुरुस्त नही किया तो पकड़े जाने पर उनकी बस को सीज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के माध्यम से केन्द्रीय योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को दी गयी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद । केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने और इससे संबंधित सूचना के प्रचार - प्रसार करने के उद्देश्य के साथ ह्यविकसित भारत संकल्प यात्रा रथह्ल शुक्रवार (15दिसंबर, 2023) को औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड के ग्राम पंचायत बैरांव और घेउरा पहुंची ।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपनों को साकार करेंगे। गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे और देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे। इन दोनों पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा एलईडी वैन के माध्यम से केन्द्र सरकार के विकास कार्यो जैसे उज्ज्वला योजना, मुफ्त खाद्यान्न योजना, किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान योजना इत्यादि के बारे विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान गौरा गांव निवासी पूजा कुमारी ने बताया कि वे सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ ले रही हैं। उन्होंने इस योजना के तहत अपनी दो बेटियों का खाता खुलवाया है। सडीहा गांव निवासी लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि वे सुरक्षा जीवन ज्योति बीमा, जीवन ज्योति बीमा और अटल पेंशन योजना का लाभ ले रही हैं। घेउरा गांव निवासी राम प्रवेश सिंह ने कहा कि वे प्रधानमंत्री मुफ्त अन्न योजना का लाभ ले रहे हैं। इस योजना के तहत मिले अनाज से उन्हें अपने बच्चों के भरण पोषण करने में मदद मिलती है वहीं घेउरा गांव निवासी सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि वे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना का लाभ ले रहे हैं। उन्हें इस योजना के तहत बाजार की अपेक्षा बहुत सस्ते दाम पर दवा मिल जाती है। इस दौरान कहा गया कि जो लोग अभी तक केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए हैं उन्हें जल्द से जल्द योजना का लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम में डीडीएम नाबार्ड सुशील कुमार सिंह, नाबार्ड के पदाधिकारी प्रशांत ओझा, पीएनबी रिसियप के मैनेजर राजकुमार उपस्थित थें।

कृषि विभा

पोस्टपार्टम डिप्रेशन पर बोलीं रोशेल राव

'द कपिल शर्मा शो' से फेमस हुई एक्ट्रेस रोशेल राव हाल ही मां बनी हैं। इसी दौरान उन्होंने एक्ट्रेस रूबीना दिलैक के चैट शो 'किसी ने बताया नहीं' में मां बनने का एक्सपीरिएंस शेयर किया। रोशेल ने बताया कि प्रेग्नेंसी में कोई आपको ये नहीं बताता कि आपके अंदर बहुत से शारीरिक बदलाव आने वाले हैं। आपका शरीर पहले जैसा नहीं रहेगा। एक्ट्रेस ने कहा– शारीरिक बदलाव के कारण मेरा कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है।

मां बनने के बाद पसंद के कपड़े नहीं पहन पाती हूं

रोशेल बताती हैं कि वो प्रेग्नेंसी के बाद अपने बॉडी शेप को लूज आउटफिट पहनकर कवर कर रही हैं। उन्होंने कहा– मुझे नहीं लगता कि मैं अपने पुराने शेप में वापस आ पाऊंगी। एक्ट्रेस का मानना है कि जब प्रेग्नेंसी में आपका वजन 5 किलो बढ़ता है तो ऐसा लगता है कि 10 किलो तक बढ़ गया है। रोशेल कहती हैं कि हम इंडियन अपने खाने–पीने का ठीक तरीके से ध्यान नहीं रखते हैं। प्रेग्नेंसी में हमें लड्डू ये बोलकर खिलाया जाता है कि वो हेल्दी है। रोशेल ने कहा कि मां बनने के बाद हम सिर्फ यही सोचते रहते हैं कि कुछ महीनों में हमें वजन कम करना है। आजकल कुछ महिलाएं फिटनेस को लेकर बहुत ज्यादा लोड ले लेती हैं। बता दें कि रोशेल मां बनने से पहले बहुत फिट थीं। उनका कहना है कि मैं पहले डीप वी नेक लाइन वाली ड्रेसेज पहन लेती थी। अब मेरी पसंद के कपड़े मेरे ऊपर अच्छे नहीं लगते हैं। मेरा कॉन्फिडेंस अब पहले जैसा नहीं है। रोशेल ने अपना एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए बताया कि डिलीवरी के बाद कई तरह के मूड स्विंग होते हैं। कई बार महिलाओं को पोस्टपार्टम डिप्रेशन भी होता है। ऐसे में आपको बात–बात पर रोना आ जाता है। रोशेल राव और कीथ सिकेरा 1 अक्टूबर को पैरेंट्स बने हैं।

रोशेल राव और कीथ सेकुरा ने शादी 2018 में की थी शादी

बिग बॉस सीजन 9 के कंटेस्टेंट रहे रोशेल राव और कीथ सेकुरा 4 मार्च 2018 को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने गुपगुप तरीके से शादी की थी। दोनों ने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में बीच पर शादी की। शादी में फैमिली और कुछ खास फ्रेंड्स शामिल हुए थे। कीथ ने इंस्टाग्राम के जरिए सभी को अपनी शादी की जानकारी दी।

मनोज बाजपेयी, कोंकणा सेन शर्मा अभिनीत किलर सूप में क्राइम के साथ कॉमेडी का तड़का

मनोज बाजपेयी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज किलर सूप में नजर आएंगे। यह सीरीज एक होम शेफ की कहानी बताती है। सीरीज में कोंकणा सेन शर्मा, नासिर, सयाजी शिंदे मुख्य भूमिकाओं में हैं। किलर सूप में क्राइम के साथ कॉमेडी का भी तड़का है। सीरीज का निर्देशन और सह–लेखन अभिषेक चौबे ने किया है। यह सीरीज एक महत्वाकांक्षी लेकिन होम शेफ की कहानी बताती है, जो अपने पति, प्रभाकर की जगह अपने प्रेमी, उमेश को लाने के लिए एक विचित्र योजना बनाती है। लेकिन जब एक स्थानीय इंस्पेक्टर और नौसिखिया खलनायक मामले में हलचल मचाते हैं, तो चीजें योजना के अनुसार नहीं होती हैं और अराजकता का माहौल पैदा हो जाता है। सीरीज के बारे में बात करते हुए अभिषेक चौबे ने कहा, किलर सूप के साथ हम दर्शकों को हंसाना चाहते हैं और साथ ही एक क्राइम थ्रिलर देकर आश्चर्यचकित करना चाहते थे जो हास्य और विचित्रता का मिश्रण है। यह मनोज बाजपेयी, कोंकणा सेन शर्मा, नासिर सयाजी, शिंदे और लाल सहित असाधारण कलाकारों के साथ पूरी तरह से शीर्ष पर भेजा गया एक पॉट–बॉयलर है। इस सीरीज के माध्यम से मैं नेटफ्लिक्स के साथ कुछ असाधारण पेश करना चाहता था और यह उनके साथ एक रचनात्मक रूप से संतुष्टिदायक अनुभव रहा है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज निदेशक तान्या बामी ने कहा, 2023 में हमारी सीरीज को जो प्यार और पहचान मिली है, वह जबरदस्त और उत्साहवर्धक है। 2024 में हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दर्शकों को नेटफ्लिक्स पर उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानियां मिलती रहें। अभिषेक चौबे का किलर सूप हमारे लिए नए साल की शुरुआत करने का एक शानदार तरीका है। यह एक ऐसी शैली है जिसे दर्शक पसंद करते हैं, एक क्राइम थ्रिलर, जो किसी अन्य से अलग है। हम 2024 में अपने दर्शकों को एक और यादगार यात्रा पर ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। हनी त्रेहान और चेतना कौशिक द्वारा निर्मित, यह सीरीज 11 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर आएगी।

काजोल ने जताई पर्दे पर डार्क किरदार अदा करने की ख्वाहिश

काजोल ने अपने फिल्मी करियर में अलग–अलग किस्म के रोल अदा किए हैं। डेब्यू फिल्म बेखुदी से अब ओटीटी तक उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अब वे डार्क किरदार अदा करना चाहती हैं। हाल ही में खुद अभिनेत्री ने इस बारे में बात कीं। हाल ही में काजोल और करीना ने जयदीप अहलावत, सिद्धार्थ मल्होत्रा, सान्या मल्होत्रा, अमृता सुभाष और तिलोतमा शोम जैसे सितारों के साथ बातचीत में हिस्सा लिया। इस दौरान काजोल ने अपनी इच्छा जताई कि वे पर्दे पर एक डार्क किरदार निभाना चाहती हैं।

काजोल ने कहा, मैं सीरियल किलर का रोल करना चाहती हूं। मैं ऐसा रोल करना चाहती हूं, जो बिल्कुल ब्लैक हो, बिना किसी बहाने के मैं ये किरदार करना चाहूंगी। हालांकि, मुझे नहीं मालूम कि मैं इसे मैनेज कर पाऊंगी या नहीं। मुझे ये करने में मजा आएगा। मुझे लगता है मैं इसे बेहतर तरीके से कर सकती हूं और ये चलेगा। यह मजेदार होगा। काजोल ने कहा, मैं मुर्गे की कलेजी खाऊंगी और दिखावा करूंगी कि यह इंसान का कलेजा है। काजोल जब इस दौरान अपनी ख्वाहिश जता रही थीं, तभी करीना कपूर ने बीच में उन्हें टोकते हुए चिढ़ाया कहा, क्योंकि तुममें रोड रेज है काजोल, मुझे पता है! 90 के दशक में आप इतिहास की सबसे खराब ड्राइवर थीं। करीना की इस बात पर काजोल ने कहा, शटअप! इस बातचीत के दौरान काजोल और करीना के बीच बहस भी हुई। हालांकि, यह कोई गंभीर लड़ाई नहीं थी, बल्कि मजाकिया बहस थी और इसकी शुरुआत तभी हुई, जब करीना ने काजोल की खराब ड्राइविंग पर कमेंट किया। करीना की बात पर काजोल ने कहा, यहां मौजूद सभी लोगों में से शायद मैं अकेली हूं, जो ड्राइव भी करती हूं। इसलिए इसे रहने देते हैं।

काजोल ने जब करीना से पूछा कि क्या वे कभी उनके साथ कार में बैठी हैं? इस पर करीना ने जवाब दिया, मैंने इस बारे में कई कहानियां सुनी हैं। मैंने आपको स्टूडियो में एंट्री करते देखा है। काजोल ने करीना को चुप कराते हुए कहा, जो मेरी तरह एक मील भी नहीं चला, उसे मेरे ऊपर टिप्पणी करने का भी कोई हक नहीं।

कार्तिक स्टारर भूल भुलैया-3 में पलक तिवारी की एंट्री

कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया 2' पिछले साल रिलीज हुई सभी फिल्मों में सफल फिल्म थी। वहीं अब फिल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी, कार्तिक और प्रोड्यूसर भूषण कुमार की टीम 'भूल भुलैया 3' पर काम करने को तैयार है।

खबरें आ रही हैं कि 'भूल भुलैया 3' में एक्ट्रेस पलक तिवारी भी खास किरदार निभाएंगी। इंडस्ट्री के खास सूत्रों ने खुलासा किया है कि 'भूल भुलैया 3' में उनको लेने की चर्चा चल रही है। सबकुछ फाइनल होने के बाद इसकी ऑफिशियल जानकारी दी जाएगी। कुछ दिनों पहले मिली जानकारी के हिसाब से फिल्म 'भूल भुलैया 3' में आर्यन के अपोजिट सारा अली खान को कास्ट किया जा सकता है। कार्तिक और सारा ने इससे पहले 2020 में रिलीज हुई इम्तियाज अली की फिल्म 'लव आज कल' में साथ काम किया था। इस फिल्म के दौरान दोनों का अफेयर था, बाद में कपल का ब्रेक अप हो गया था।

सिर्फ कार्तिक का ही नाम हुआ फाइनल

इसी बीच यह भी चर्चा थी कि एक्ट्रेस तब्बू, जिन्होंने 'भूल भुलैया 2' में अहम रोल प्ले किया था, वो इस फिल्म में नजर नहीं आएंगी। हालांकि, बाद में यह पता चला कि अभी तक इसके तीसरे पार्ट के लिए कार्तिक आर्यन का ही नाम फाइनल किया गया है।

दिवाली 2024 में रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो हॉरर–कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' फरवरी 2024 में फ्लोर पर जाएगी। इसमें कार्तिक–सारा एक बार फिर से साथ काम करते नजर आ सकते हैं। मेकर्स ने इस साल मार्च में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। फिल्म को दिवाली 2024 में रिलीज करने की प्लानिंग है।

मेकर्स ने लॉक कर दी है फिल्म की स्क्रिप्ट

कार्तिक, कियारा आडवाणी और तब्बू स्टारर 'भूल भुलैया 2' की सक्सेस को आगे बढ़ाते हुए डायरेक्टर अनीस बज्मी और प्रोड्यूसर भूषण कुमार इस फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट पर काम कर रहे हैं। यह फ्रैंचाइजी भूषण और कार्तिक दोनों की ही फेवरेट है। मेकर्स ने इसके तीसरे पार्ट की स्क्रिप्ट लॉक कर ली है और फरवरी 2024 में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

किसी का भाई किसी की जान से किया डेब्यू

बता दें, पलक तिवारी ने सलमान खान की हालिया रिलीज फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में राघव जुयाल, पूजा हेगड़े, वेंकटेश, भूमिका चावला, शहनाज गिल, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम और जगपति बाबु भी है।

जो मुश्किल नहीं है, वो प्यार नहीं है

टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया की मेजबानी कर रही अभिनेत्री मौनी रॉय ने शो में रिश्तों के भीतर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वास्तविकता एक बार फिर कल्पना से अधिक विचित्र साबित हुई है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने अर्जुन और चेष्टा के ब्रेकअप को देखा, जो भविष्य में एक साथ सामना करने के लिए निधि और मोहक के एकजुट निर्णय के साथ जुड़ा था। आगामी एपिसोड निशंक और चेतना तथा गार्गी और रौनक के भाग्य को उजागर करने का वादा करता है, जिससे उनके रिश्तों की जटिलताओं में स्पष्टता आएगी। पूरी यात्रा के दौरान दिलों की रानी, मौनी शो का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, और मेजबान करण कुंद्रा के साथ मार्गदर्शन प्रदान करती रही हैं। मौनी ने कहा, जो कभी विला में रहते थे, वे अब सार्थक संबंधों में विकसित हो गए हैं। प्यार का अंतिम फैसला सुनाना आसान काम नहीं होगा। इस शो ने मात्र आकर्षण को रिश्तों के बारे में गहन अहसास में बदल दिया है। सही ही कहते हैं, जो मुश्किल नहीं है, वो प्यार नहीं है।

39वें जन्मदिन पर राक्षस राजा के अवतार में दिखे राणा दग्गुबाती

पैन–इंडिया स्टार राणा दग्गुबाती ने गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने आगामी प्रोजेक्ट राक्षस राजा से अपने पहले कभी नहीं देखे गए अवतार का अनावरण करके अपने प्रशंसकों का मनोरंजन किया। कई भाषाओं में बहुमुखी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रसिद्ध अभिनेता ने राक्षस राजा के रूप में अपना नया अवतार पेश किया है, जिसमें वह बंदूक लहराते और माथे पर शिव का तिलक लगाए हुए हैं। सोशल मीडिया पर कादान अभिनेता ने अपनी फिल्म का पहला लुक साझा किया। पोस्टर में दग्गुबाती को रहस्य और शक्ति की आभा दिखाते हुए दिखाया गया है जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। अपनी कला के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध अभिनेता ने रहस्यमय राक्षस राजा के सार को मूर्त रूप देते हुए चरित्र की गहराई में उतरना शुरू कर दिया है। पोस्टर के साथ, दग्गुबाती ने लिखा, राक्षस राजा का प्रारम्भ। एक बन्दूक के साथ आध्यात्मिकता के प्रतीक पारंपरिक तिलक का दिलचस्प संयोजन एक ऐसी कहानी की ओर संकेत करता है जो बहुआयामी विषयों पर आधारित हो सकती है। राक्षस राजा अभिनेता की परिवर्तनकारी उपस्थिति और परियोजना की आशाजनक संभावनाओं को प्रदर्शित करता है। दग्गुबाती को बाहुबली, लीडर, ये जवानी है दीवानी, बेबी, हाउसफुल 4 और कई अन्य प्रोजेक्ट्स में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्हें पिछली बार तेलुगु फिल्म स्पाई में अर्जुन के रूप में देखा गया था। उनके पास अगला प्रोजेक्ट वेट्टैयन भी है।

हम अपने प्रशंसकों को निराश नहीं करना चाहते, अच्छी स्क्रिप्ट की है तलाश

बॉबी देओल आजकल अपनी फिल्म एनिमल को लेकर काफी सुर्खियों में आए हुए हैं। फिल्म में इनका रोल है सिर्फ 15–20 मिनट का, लेकिन इतना दमदार है कि क्या ही बताएं। हर कोई इनकी एक्टिंग का दीवाना हो चुका है। फिल्म की सक्सेस को बॉबी एन्जॉय कर रहे हैं और मीडिया संग रूबरू होकर अपनी खुशी भी जाहिर कर रहे हैं। हाल ही में बॉबी से पूछा गया कि वो अपने 2 और यमला पगला दीवाना को लेकर क्या कहेंगे? क्या ये फिल्म बनेंगी और रिलीज होंगी? इस पर बात करते हुए बॉबी ने कहा– अभी हम लोगों को अपने 2 को लेकर कोई अच्छी स्क्रिप्ट नहीं मिल पा रही है। और हम सिर्फ फिल्म बनाने के लिए इसे नहीं बनाना चाहते हैं। हमें एक अच्छी स्टोरी की खोज है। रही बात यमला पगला दीवाना की तो वो काफी अच्छी फिल्म थी। पर बाकी की दोनों फिल्में नहीं चल पाईं। स्टोरीज अच्छी नहीं थीं। तो हम ये नहीं चाहते कि आगे अगर इसकी फ्रैंचाइजी बनती है तो वो खराब हो। हम अपने फैन्स को नाराज नहीं करना चाहते हैं। जब हमारे पास अच्छी स्क्रिप्ट होगी और अच्छी स्टोरी होगी तो हम उस पर जरूर काम करेंगे।

यमला पगला दीवाना फ्रैंचाइजी को लेकर दर्शक देओल परिवार से काफी उम्मीदें लगाकर बैठे हैं। उनका कहना है कि देओल परिवार साथ में एक फिल्म में जरूर दिखना चाहिए। फिल्म अपने को लेकर बात करें तो साल 2007 में यह स्पोर्ट्स ड्रामा रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल लीड रोल में नजर आए थे। धर्मेंद्र और बॉबी देओल की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सक्सेसफुल रही थी। जब अपने सक्सेसफुल हुई तो देओल परिवार यमला पगला दीवाना साथ लेकर आया। यह साल 2011 में रिलीज हुई थी। यह भी फिल्म काफी सक्सेसफुल रही थी। इसके बाद इसके दो सीक्वेल बने, यमला पगला दीवाना 2 और यमला पगला दीवाना फिर। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नाकामयाब रहीं। दर्शकों की उम्मीदों पर देओल परिवार खरा नहीं उतर पाया था। अब देओल परिवार एक बार फिर से निर्देशक अनिल शर्मा के निर्देशन में अपने 2 एक साथ नजर आएगा।

ओईएम को उपभोक्ताओं में उत्साह बनाए रखने के लिए मूल्य एवं अनुभव सृजन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत

गुरुग्राम एजेंसी। 2023- भारत में उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट डिवाइस में कमी आई है। यह तथ्य टेकआर्क द्वारा जारी इंडिया कनेक्टेड कंज्यूमर रिपोर्ट 2024 के चौथे संस्करण में सामने आया है। हर वर्ष, टेकआर्क भारत में जुड़े हुए उपभोक्ताओं के बारे में अंतर्दृष्टि और रुख जारी करती है जो विभिन्न स्मार्ट डिवाइस को अपनाने और उनकी तरजीह से जुड़ा होता है। इस अंतर्दृष्टि एवं रुख का आधार भारत में 2500 जुड़े हुए उपभोक्ताओं के बीच सर्वेक्षण, सेकेंडरी डेटा और ई-कॉमर्स मार्केट में बेचे गए ऐसे स्मार्ट डिवाइस के 400 से अधिक एसकेयू के रिव्यू एवं रेटिंग का विश्लेषण है।

इस रिपोर्ट की मुख्य बातों को साझा करते हुए टेकआर्क के संस्थापक और मुख्य विश्लेषक फैसल कावुसा ने कहा, यहां सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई है कि इन स्मार्ट डिवाइस में उपभोक्ताओं की रुचि घट रही है क्योंकि ये डिवाइस उन्हें एक सीमा से परे वास्तविक मूल्य देने में विफल हैं। इस पूरे बाजार की वृद्धि को गति देने के लिए उपभोक्ताओं में उत्साह बनाए रखना जरूरी है जिसके लिए इन डिवाइस में उल्लेखनीय मूल्य जोड़ने की जरूरत है। हम पहले ही स्मार्टफोन बाजार में स्थिरता आती देख रहे हैं। अन्य स्मार्ट डिवाइस में यदि हम उपभोक्ताओं के लिए मूल्य भागफल में सुधार करें तो हमारे पास संभावना है।

मुट्ठी भर बादाम के साथ अपने त्योहार को बनाएं सेहतमंद

नईदिल्ली, एजेंसी। केक, कैरल और जश्न मनाने का मौका फिर लौट आया है! क्रिसमस का त्योहार पास आने के साथ काफी सारे लोग मीठे व्यंजन बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि इनका जरूरत से ज्यादा सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत में डायबिटीज तथा प्रीडायबिटीज के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह चिंता स्वाभाविक है। इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और मद्रास डायबिटीज रिसर्च द्वारा कराए गए एक अध्ययन में ऐसा अनुमान लगाया गया है कि भारत में करीबन 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से ग्रसित हैं और 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की अवस्था में हैं। त्योहार के इस मौसम में हमारे आस-पास केवल स्वादिष्ट केक और चॉकलेट ही होंगे, ऐसे में अपनी सेहत और तंदुरुस्ती के लिए सतर्क रहना जरूरी है। ऐसे में बादाम बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर यदि हम एक सेहतमंद लाइफस्टाइल शामिल करना चाहते हैं और शक्कर से भरपूर चीजों से दूर रहना चाहते हैं। बादाम अच्छाइयों का भंडार है और विटामिन ई, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, जिंक, प्रोटीन जैसे 15 पोषक तत्वों का स्रोत है। यदि हम नियमित रूप से इस पौष्टिक नट को अपने संतुलित आहार में लेते हैं तो उससे ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है।

बिमटेकने पीजीडीएम 2024 कार्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने अपने दो साल के पूर्णकालिक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) 2024 कार्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा एमबीए कार्यक्रम के समकक्ष डिप्लोमा, एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन (एनबीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है। बिमटेक को अमेरिका स्थित अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त निकाय, एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी) द्वारा भी मान्यता प्राप्त है, जिसे प्रबंधन शिक्षा में गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता के साथ, संस्थान अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शीर्ष बी-स्कूलों की आइवी लीग में शामिल हो गया है। इसके अतिरिक्त, बिमटेक ईएफएमडी, ब्रुसेल्स से बीएसआईएस (बिजनेस स्कूल इम्पैक्ट सिस्टम) लेबल प्राप्त करने वाला पहला भारतीय बी-स्कूल है।

आने वाले समय में नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनेगा भारत, अध्यक्ष बोले-

2024 में बड़ी शक्ति बनने की राह पर भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत आने वाले समय में दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह बात भारत-अमेरिका रणनीतिक सहयोग फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने कही। उन्होंने कहा, साल 2024 में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ता रहेगा।

जॉन के मुताबिक, इस समय भारत अपने इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों में है। वह इस क्षण को अपने कब्जे में करेगा, प्रगति पर आगे बढ़ेगा और आने वाले वर्षों के लिए अवसर भी पैदा करेगा। 2023 भारत-अमेरिकी साझेदारी के लिए अहम वर्ष रहा। 2024 में भारत-अमेरिका दुनिया के सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बनने जा रहे हैं। वे दुनियाभर के लिए इनोवेशन को दिशा देंगे और नौकरियां पैदा करेंगे। इसमें डिजिटल व एआई इंडिया जैसी पहल अहम भूमिका निभाएंगी। भारत की अमेरिका व अन्य प्रमुख देशों के साथ सहयोग और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की उत्सुकता भी इसमें बड़ा योगदान देगी।

साइबर सुरक्षा का बाजार लौटेगा और तेजी से बढ़ेगा- जॉन का दावा है कि साइबर सुरक्षा का बाजार फिर

लौटेगा और तेजी से बढ़ेगा। 2023 में हुए साइबर हमले और बड़े वित्तीय नुकसान इसकी वजह होंगे। अकेले क्लोरॉक्स साइबर हमले से 60 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान आंका गया है।

इस साल डिजिटल से एआई युग में करेंगे प्रवेश- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को जॉन ने साल 2024 में आने वाला सबसे बुनियादी तकनीकी बदलाव बताया। कहा, यह तकनीक मुख्यधारा में आ जाएगी। मैंने 2022 में भी यह कहा था, 2023 में हमने ऐसा होते हुए देखा, लेकिन 2024 में यह बहुत आगे पहुंच जाएगी। हम डिजिटल युग से एआई युग में प्रवेश कर जाएंगे। हर कंपनी में एआई आधारित काम की मांग बढ़ेगी। जो स्टार्टअप एआई का उपयोग नहीं करेंगे, जल्दी विफल होंगे। बड़ी कंपनियां भी विफल होंगी, लेकिन उनसे कुछ धीरे। एआई ज्यादा बड़े बाजार और दिमागों पर भी कब्जा करेगा।

डीपफेक बड़ा खतरा- जॉन चैंबर्स ने कहा, डीपफेक आम लोगों से लेकर कंपनियों और सरकारों के लिए सबसे बड़ा साइबर खतरा बनेंगे।

कभी बाजार की शान थी अनिल अंबानी की कंपनी, हुई बर्बाद, शेयरों की ट्रेडिंग हुई बंद

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के दिन खराब चल रहे हैं। अब अनिल अंबानी की एक और कंपनी की ट्रेडिंग बंद हो गई है। हाल ही में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने इसकी कुछ संपत्तियों की बिक्री की अनुमति दी है। यह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन है। रिलायंस कम्युनिकेशन एक समय पर शेयर बाजार की शान हुआ करती थी। कभी 700 रुपये के स्तर के ऊपर चल रहा रिलायंस कम्युनिकेशन के शेयर की अब ट्रेडिंग बंद है। साल 2007 में आरकॉम के शेयर 785 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। अब पिछले कुछ समय से रिलायंस कम्युनिकेशन का शेयर की ट्रेडिंग 2.49 रुपये के भाव पर बंद है। ऐसे में अगर देखें तो रिलायंस कम्युनिकेशन के शेयर 99 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं।

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशन के दिन मुकेश अंबानी के रिलायंस जियो की लॉन्चिंग के बाद बदल गए। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो साल 2016 में लॉन्च हुई थी। यहीं से कंपनी की हालत खराब होना शुरू हो गई। यह कंपनी प्राइस और डेटा वॉर की जंग में पिछड़ती चली गई। कंपनी पर अनिल अंबानी की आर्थिक कमजोरी का भी असर पड़ा। कंपनी बैंकों के कर्ज को डिफॉल्ट करने लगी और दिवालिया प्रक्रिया में चली गई। कंपनी के यूजर्स में तेज गिरावट आई। कंपनी पूरी तरह से डूब गई। कंपनी बैंकों के कर्ज को डिफॉल्ट करने लगी और दिवालिया प्रक्रिया में चली गई।

कंपनी की इन संपत्तियों की होगी बिक्री- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस कम्युनिकेशन की बिक्री संपत्तियों में चेन्नई का ऑफिस शामिल है। इसके अलावा कंपनी का पुणे में 871 वर्ग मीटर में फैले भुवनेश्वर स्थित ऑफिस को भी बेचा जाएगा। कैंपियन प्रॉपर्टीज के शेयर में निवेश और रिलायंस रियलटी के शेयरों में निवेश को भी बेचा जाएगा।

निवेशकों को हुआ नुकसान- आरकॉम के शेयर में निवेश करने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आरकॉम का शेयर जून 2006 से चढ़ना शुरु हुआ था। उस समय यह 225 रुपये पर था। दिसंबर 2006 तक यह शेयर 471 रुपये पर पहुंच गया था। अक्टूबर 2007 में यह शेयर 786 रुपये पर पहुंचा था। इसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरु हुई और फरवरी 2009 में यह 160 रुपये पर आ गया था। यहां से फिर शेयर में तेजी आई और मई 2009 में 306 रुपये पर पहुंच गया था। इसके बाद इस शेयर में उतार-चढ़ान चलता रहा। गिरते-गिरते अप्रैल 2019 में यह शेयर 2 रुपये के करीब आ गया था। तब से इस शेयर में कोई बड़ा उछाल नहीं आया है। इसमें पैसा लगाने वाले निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

सचिन तेंदुलकर की निवेश वाली कंपनी का आ रहा है आईपीओ

मुंबई एजेंसी। एयरोस्पेस, डिफेंस, एनर्जी, ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टर्स में काम करने वाली तेलंगाना की कंपनी आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा। इस कंपनी का आईपीओ अगले बुधवार, 20 दिसंबर को खुलेगा। इसमें 22 दिसंबर 2023 तक बोली लगाई जा सकती है। एंकर

इनवेस्टर इसमें एक दिन पहले यानी 19 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। इस कंपनी में मशहूर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी निवेश किया है।

क्या करती है कंपनी- आजाद इंजीनियरिंग बेहद विशेषज्ञता वाले क्षेत्र में काम करती है। यह हवाई जहाज के लिए टर्बाइन और पार्ट्स का निर्माण करती है। इस समय इसका एक्सपोजर एयरोस्पेस और डिफेंस, एनर्जी, ऑयल एंड क्षेत्र में है। यह दुनिया भर के ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स को सप्लाई करती है। इसके ग्राहकों में अमेरिका की प्रसिद्ध कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक या जीई, हनीवेल इंटरनेशनल, जापान की कंपनी मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज, बहुराष्ट्रीय कंपनी सीमेंस एनर्जी, ईटन एयरोस्पेस, मैन एनर्जी सॉल्यूशंस एसई जैसी कंपनी कंपनी शामिल है।

क्या है प्राइस बैंड- कंपनी इस आईपीओ के तहत 740 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसमें से 240 करोड़ रुपये तक के फ्रेस शेयर इश्यू करेगी। इसके साथ ही कंपनी एक प्रमोटर और अन्य बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 500 करोड़ रुपये तक के शेयरों को ऑफर फॉर सेल के तहत पेश करेगा। आजाद इंजीनियरिंग ने अपने दो रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर का प्राइस बैंड 499 से 524 रुपये के बीच तय किया है। मतलब कि इसका फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू का 249.50 गुना कैप मूल्य इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू का 262 गुना है। आजाद इंजीनियरिंग आईपीओ का लॉट साइज 28 इक्विटी शेयर और उसके बाद 28 इक्विटी शेयरों के गुणकों में है।

किनके लिए कितने शेयर रिजर्व- आजाद इंजीनियरिंग आईपीओ ने योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 50 फीसदी शेयर, गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए कम से कम 15 फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम 35 फीसदी शेयर रिजर्व किए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने कर्मचारियों के लिए कुल मिलाकर 4 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर रिजर्व किए हैं।

यूवा स्टेशनरी वसुधैव कुटुम्बकम आर्ट वर्कशॉप से पूरे मध्य प्रदेश में क्रिएटिविटी को प्रेरित कर रही है

भोपाल। नवनीत एजुकेशन के यूवा स्टेशनरी ने हाल ही में मध्य प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों - ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में आर्ट वर्कशॉप की एक श्रृंखला को आयोजित किया। विल इंडिया चेंज़ फाउंडेशन एनजीओ के सहयोग से आयोजित इन वर्कशॉप की थीम वसुधैव कुटुम्बकम थी, जो युवाओं को एक विश्व एक परिवार से परिचित कराता है। समर्पित गुरुओं के मार्गदर्शन में, हर शहर में नौ आकर्षक वर्कशॉप हुए और पूरे मध्य प्रदेश में कुल 27 वर्कशॉप आयोजित हुए। हर शहर में लगभग 2,300 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पूरे राज्य भर में इसमें शामिल होने वाले छात्रों की संख्या लगभग 7,000 तक पहुँच गई।

एथर एनर्जी ने एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर की घोषणा की

31 दिसंबर तक एथर 450एक्स और 450एस पर 24,000 रुपये तक के लिमिटेड पीरियड ऑफर्स का लाभ उठाएं

मुंबई , एजेंसी। भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी ने 'एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर' की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में ग्राहकों को आकर्षक कैश बेनेफ़िट्स, ईएमआई पर ब्याज में बचत और मुफ्त एक्सटेंडेड वॉरंटी का लाभ मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य ईवी खरीदने वाले ग्राहकों को ज़्यादा लाभ और सुगम अनुभव प्रदान करना है, ताकि देश में ईवी की ओर हो रहे परिवर्तन में तेजी लाई जा सके। इस ऑफर में ग्राहकों को 24,000 रुपये तक के लाभ दिए जा रहे हैं, जिनमें 6,500 रुपये तक के कैश बेनेफ़िट्स भी शामिल हैं। इसमें 'एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर' कार्यक्रम के अंतर्गत 5,000 रुपये और 1,500 रुपये अतिरिक्त का कॉर्पोरेट ऑफर लाभ भी शामिल हैं। ये ऑफर 31 दिसंबर 2023 तक एथर के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्कूटर 450एक्स और 450एस पर लागू रहेंगे।

एसएमई के बिज़नेस संचालन को और अधिक प्रोफेशनल बनाते हुए टैली सोल्युशन्स ने लॉन्च किया टेली प्राइम 4.0

मुंबई , एजेंसी। एमएसएमई की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए भारत के प्रमुख बिज़नेस मैनेजमेन्ट सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर टैली सोल्युशन्स ने आजटेली प्राइम 4.0 के ग्लोबल लॉन्च की घोषणा की है। बिज़नेस मालिकों और कस्टमर्स को बेजोड़ एवं उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य के साथ टैली ने यह लॉन्च किया है। कंपनी ने अगले 2-3 सालों में कस्टमर बेस में 50 फीसदी और सीएजीआर में 40 फीसदी बढ़ोतरी का लक्ष्य तय किया है। सहज एवं पावरफुल डैशबोर्ड्स, एमएस एक्सेल और व्हॉट्सऐप से आसान डेटा इम्पोर्ट आदिटेली प्राइम 4.0 लॉन्च के अवसर पर तेजस गोयंका, मैनेजिंग डायरेक्टर, टैली सोल्युशन्स ने कहा, ''कुछ साल पहले टैली प्राइम के लॉन्च के साथ, हम बिज़नेस मैनेजमेन्ट को आसान बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, हम एसएमई के बिज़नेस संचालन को अधिक प्रोफेशनल बनाना चाहते हैं।

Tally®
POWER OF SIMPLICITY

एनएसडीसी इंटरनेशनल और एडेको ग्रुप ने रणनीतिक साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी और ग्लोबल वर्कफोर्स सॉल्यूशन कंपनी एनएसडीसी इन्टरनेशनल और एडेको ग्रुप ने आज कुशल, प्रमाणित भारतीय उम्मीदवारों के लिए अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी साझेदारी की घोषणा की। इस रणनीतिक साझेदारी के फ्रेमवर्क से पारस्परिक रूप से लाभप्रद अवसरों के लिए भारत के युवाओं की विशाल क्षमता को अनलॉक किया जा सकेगा और दोनों संगठनों की ताकत का लाभ उठाया जा सकेगा।

कुशल प्रोफेशनल्स की ग्लोबल मांग को पहचानते हुए, साझेदारी का लक्ष्य जर्मनी, स्पेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में योग्य भारतीय उम्मीदवारों के रोजगार को बढ़ावा देना है। इसके फोकस सेक्टर हेल्थकेयर, आईटी और इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स और सहयोगात्मक रूप से पहचाने गए अन्य सेक्टर होंगे। यह साझेदारी कुशल भारतीय उम्मीदवारों के लिए बहुआयामी अप्रोच के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों तक पहुंचने का रास्ता तैयार करेगी। इस साझेदारी पर बोलते हुए,

एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने कहा, यह साझेदारी कुशल भारतीय उम्मीदवारों को ग्लोबल स्टेज पर अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारतीय प्रतिभा और ग्लोबल इम्प्लॉयर के बीच गैप को पाटने के लिए, हम अपनी कौशल पहल के माध्यम से एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित कर रहे हैं और भारतीय उम्मीदवारों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा रहे हैं। इस विज़न के साथ, अपने ग्लोबल वर्कफोर्स सॉल्यूशन के लिए प्रसिद्ध एडेको ग्रुप के साथ हमारी साझेदारी, भारत के वर्कफोर्स के लिए मजबूत ग्लोबल संभावनाओं की शुरुआत का प्रतीक है। हमारे विज़न के केंद्र में एक व्यापक स्किल डेवलपमेन्ट फ्रेमवर्क है, जो व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से मांग और आपूर्ति के बीच तालमेल को बढ़ाता है।

एडेको ग्रुप के जियोग्राफिक रीजन के प्रसिडेन्ट इयान ली ने कहा, एनएसडीसी इंटरनेशनल के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, एडेको ग्रुप एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहा है जहां भारतीय प्रतिभाएं ग्लोबल उद्योगों के साथ सहजता से जुड़ सकें। यह अलायन्स गैप को पाटने और हेल्थकेयर, आईटी और इंजीनियरिंग जैसे सेक्टरों और विशिष्ट भूमिकाओं में एक डायनामिक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े कार्यबल को विकसित करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।

वैश्विक परिदृश्य प्रतिभा की कमी से जूझ रहा है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां कौशल की मांग - विशेष रूप से ग्रीन और डिजिटल रूप से संचालित व्यवसायों में - उनकी उपलब्धता से कहीं अधिक है। और यह चुनौती वर्कफोर्स की निरंतर अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के माध्यम से विकसित कार्य परिदृश्य में स्थायी समाधान स्थापित करने के अवसर से भरी हुई है। न्यू वर्ल्ड ऑफ़ वर्क को अपनाना आज के डायनामिक जॉब मार्केट की मांगों को पूरा करने के लिए सुसज्जित अधिक चुस्त, बहुमुखी वर्कफोर्स को बढ़ाने पर निर्भर करता है।

सीआईआई-एक्सकॉन 2023 के 12वें संस्करण की रोमांचक शुरुआत

सीआईआई एक्सकॉन 2023 में पर्यावरण, सुरक्षा और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में आगे बढ़ी सीएएसई कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट

बेंगलूरु , एजेंसी। सीएनएच इंडस्ट्रियल के अग्रणी ब्रांड सीएएसई कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने इंटरनेशनल इक्विपमेंट और कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी ट्रेड फेयर सीआईआई-एक्सकॉन 2023 के 12वें संस्करण की रोमांचक शुरुआत की। कंपनी ने अपने बैकहो लोडर-770 एनएक्स प्लस और सॉइल कॉम्पेक्टर 1107 एनएक्स-पीडी को प्रदर्शित करते हुए बीएस (सीईवी) अनुपालन के लिए अपनी तैयारी की घोषणा की। इसने अपने घरेलू उत्पाद पोर्टफोलियो में बिल्कुल नए स्किड स्टीयर लोडर - एसएसएल 175 और मिनी एक्सकेवेटर - सीएक्स 35 डी के माध्यम से कॉम्पैक्ट मशीनों के अनावरण के साथ भारत में दो नई श्रेणियों में अपनी शुरुआत की और पूरे लोडर बैकहो पोर्टफोलियो को 22 नई सुविधाओं के साथ उद्योग के सबसे सुरक्षित ऑपरेटर केबिन में अपग्रेड किया। इसके अतिरिक्त, ब्रांड ने 10 नए और अपग्रेडेड उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित किया, जिसमें इलेक्ट्रिक मिनी एक्सकेवेटर और उद्योग के अग्रणी

वाइब्रेटरी कॉम्पेक्टर्स, एक्सकेवेटर और मोटर ग्रेडर्स की एक रेंज शामिल है, जिसमें कई अटैचमेंट और वैल्यू लाइन पार्ट्स की पेशकश फ्लीटप्रो॰ शामिल है। कार्यक्रम में बोलते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल एएमई और एपीएसी में कंस्ट्रक्शन सेगमेंट के वाइस प्रेसिडेंट अलेक्जेंडर मार्कोव ने कहा, हम अपने आधुनिक प्रोडक्ट उत्पाद पोर्टफोलियो को पेश करने और दक्षिण एशिया के सबसे बड़े व्यापार कार्यक्रम में ग्राहकों के साथ जुड़ने से उत्साहित हैं।

मिशन ओलंपिक

प्रियंका गोस्वामी को ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास करने की अनुमति मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पैदल चाल की एथलीट प्रियंका गोस्वामी के ऑस्ट्रेलिया में कोच ब्रेंट वालेस की निगरानी में अभ्यास करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रियंका ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के निकट स्थित प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी।

उनको मिलने वाली वित्तीय सहायता में हवाई किराया, भोजन-आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्यय, कोचिंग शुल्क सहित अन्य खर्च शामिल होंगे। एमओसी ने इसके अलावा लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के विकास ग्रुप में शामिल ग्रीको रोमन पहलवान आशु (67 किग्रा), सूरज (55 किग्रा) और रोनित शर्मा (48 किग्रा) के कजाकिस्तान के अल्माटी में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

सरकार इन तीनों पहलवान, उनके कोच, फिजियोथैरेपिस्ट और सहयोगी के सभी खर्च उठाएगी। निशानेबाज भवनेश मेंदीरत्ता के विदेशी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ एक सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है। एमओसी ने निशानेबाज रमिता को निशानेबाजी की किट खरीदने और तीरंदाज यशदीप भोगे को तीरंदाजी उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

इसके अलावा पैरा एथलीट प्रणव सूरमा के खेल उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता, इटली में डब्ल्यूटीटी फीडर बायला में भाग लेने के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के लिए वित्तीय सहायता और बैडमिंटन खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के दौरान सहयोगी स्टाफ रखने के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी गई।

जूनियर हॉकी विश्व कप

स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मैच में भारत को दिखाना होगा दमखम

कुआलालंपुर (एजेंसी)। अब तक मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही भारतीय टीम को अगर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मैच में मजबूत स्पेन को हराना है तो उसे जल्द से जल्द अपने खेल में सुधार करना होगा। भारत ने गुरुवार को जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 पेनल्टी कॉर्नर गंवाए जिससे इस मैच में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

इस पराजय से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा, लेकिन अगर उसे पोडियम (शीर्ष तीन में शामिल) पर पहुंचना है तो स्पेन के खिलाफ अवसरों को भुनाना होगा। पूल चरण के मैच में स्पेन ने भारत को 4-1 से हराया था। स्पेन की टीम भी दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस के हाथों 1-3 से हार के कारण आहत होगी लेकिन वह कांस्य पदक जीतने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी।

भारतीय टीम भी इस प्रतियोगिता में चौथी बार पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करेगी। उसने इस टूर्नामेंट में दो बार (होबार्ट में 2001 और लखनऊ में 2016) स्वर्ण पदक और 1997 में इंग्लैंड के मिल्टन केंस में रजत पदक जीता था।

लेकिन उत्तम सिंह की अगुवाई वाली टीम को अगर इस सूची में शामिल होना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत के लिए यह प्रतियोगिता मिश्रित सफलता वाली रही है। उसने क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर चार टीम नीदरलैंड को 4-3 से हराया था लेकिन छह बार के चैंपियन जर्मनी के खिलाफ उसके खिलाड़ी यह लय बरकरार नहीं रख पाए।

भारतीय कप्तान उत्तम ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई मौके गंवाए लेकिन साथ ही कहा कि उनके पास अब भी पोडियम पर पहुंचने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उत्तम ने कहा, 'हमें काफी मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए। हमने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने की कोशिश की लेकिन ऐसा करने में नाकाम रहे। हमें गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'हम अभी टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुए हैं और हमें कांस्य पदक का मैच खेलना है। जो कुछ भी हुआ उसे हम नहीं बदल सकते हैं। हमारा पूरा ध्यान अब अगले मैच पर है। जहां तक स्पेन की बात है तो उसकी टीम अभी तक इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह नहीं बना पाई है। उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था जब उसकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत और स्पेन ने पुरुष जूनियर विश्व कप में अभी तक एक दूसरे के खिलाफ आठ मैच खेले हैं। इनमें से स्पेन ने पांच मैच में जीत दर्ज की है। इस बीच 2021 में भुवनेश्वर में उप विजेता रही जर्मनी की टीम फाइनल में फ्रांस का सामना करेगी। फ्रांस ने पिछली बार कांस्य पदक जीता था।

मेसी की छह जर्सी 78 लाख डॉलर में बिकी

विश्व कप में पहनी थी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी की पिछले साल विश्व कप के दौरान पहनी गई छह जर्सी नीलामी में 78 लाख डॉलर में बिकी। नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने यह घोषणा की। सोथबी ने बताया कि मेसी ने इन शर्ट को कतर में 2022 में खेले गए फीफा विश्व कप के पहले चरण के मैचों में पहना था। इस साल खेल से जुड़ी वस्तुओं की नीलामी में यह सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाली वस्तु रही। अर्जेंटीना ने विश्व कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर अपना तीसरा खिताब जीता था।

निर्धारित समय तक दोनों टीम 3-3 से बराबरी पर थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

टी20 में शतक बनाने वाले पहले पाक क्रिकेटर ने पीएसएल से लिया संन्यास, लगाए गंभीर आरोप

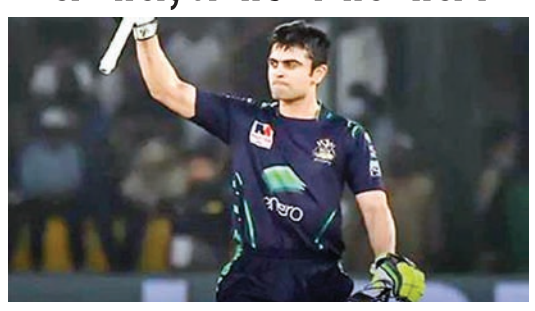

करांची(एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टूर्नामेंट से बाहर रखने के लिए सभी छह फ्रेंचाइजी पर 'जानबूझकर प्रयास' करने का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से संन्यास ले लिया है। उन्होंने एक बयान जारी कर पीएसएल का हिस्सा नहीं बनने के कारणों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न फ्रेंचाइजी से ऑफर लेने के भी संकेत दिए क्योंकि पीएसएल से उनके संन्यास का मतलब यह नहीं है कि वह पूरी तरह से क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं।

अहमद ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में घरेलू क्रिकेट में लगातार कड़ी मेहनत की है और पीएसएल ड्राफ्ट से ठीक पहले राष्ट्रीय टी20 कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसा लगता है कि मुझे बाहर रखने का एक जानबूझकर प्रयास किया गया है, तब भी जब फ्रेंचाइजी ने अन्य अच्छा प्रदर्शन करने वालों को चुना है। अहमद ने अपने बयान में कहा, मेरे मुकाबले कम संख्या। लेकिन जब सब कुछ पूर्व-योजनाबद्ध है, तो यह वास्तव में मायने नहीं रखता है। मुझे नहीं पता कि पीएसएल में शीर्ष घरेलू प्रदर्शन करने वालों को लाने की जिम्मेदारी किसकी है। 32 वर्षीय ने आखिरी बार पीएसएल में 2020 में क्वेटा ग्लैडियेटर्स का प्रतिनिधित्व किया। उस फ्रेंचाइजी के साथ उन्होंने 2019 में पीएसएल ट्रॉफी जीती। 2020 में उनके पास एक आदर्श टूर्नामेंट नहीं था उन्होंने सात पारियों में सिर्फ 61 रन बनाए। कुल मिलाकर उन्होंने 45 पीएसएल मैचों में 120.06 की स्ट्राइक रेट से 1077 रन बनाए हैं।

आस्ट्रेलिया-पाकिस्तान टेस्ट

मार्श शतक से चूके, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 487 रन

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑलराउंडर मिशेल मार्श अपने चौथे टेस्ट शतक से चूक गए लेकिन उनकी 90 रन की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में 487 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने लंच तक सात विकेट पर 476 रन बनाए थे लेकिन दूसरे सत्र में उसने 20 गेंद और 11 रन के अंदर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। इनमें मार्श का विकेट भी शामिल था जिन्हें अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे खुर्रम शहजाद (83 रन देकर दो विकेट) ने दूसरे सत्र की पहली गेंद पर बोल्ड किया। मार्श ने अपनी 107 गेंद की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया।

अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे एक अन्य तेज गेंदबाज आमिर जमाल ने इसके बाद बाकी बचे दो विकेट लेने में देर नहीं लगाई। उन्होंने 111 रन देकर 6 विकेट हासिल किये। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह 5 विकेट पर 346 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई थी।

पाकिस्तान ने सुबह के सत्र में दो विकेट हासिल किए थे और यह दोनों सफलताएं उसे जमाल ने दिलाई थी। इस तेज गेंदबाज ने एलेक्स केरी (34) और मिशेल स्टार्क (12) दोनों को बोल्ड किया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का आकर्षण सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का शतक रहा। उन्होंने 211 गेंद पर 164 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 10 रन से हराया, टी20 श्रृंखला में बनाई बढ़त

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा) (एजेंसी)। ब्रैंडन किंग के नाबाद अर्धशतक और अलजारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को 10 रन से हराकर पांच मैचों की

श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बनाई। इंग्लैंड ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और जल्द ही उसका स्कोर 4 विकेट पर 54 रन कर दिया।

सलामी बल्लेबाज किंग ने ऐसे में 52 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए जबकि कप्तान रोवमैन पावेल ने 28 गेंद पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 50 रन बनाए जिससे वेस्टइंडीज ने 7 विकेट पर 176 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया। पावेल ने सैम कुरेन के एक ओवर में चार छक्के और एक चौका जड़ा। किंग ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। इंग्लैंड की तरफ से आदिल राशिद और टाइमल मिल्स ने दो-दो विकेट लिए।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 7 विकेट पर 166 रन ही बना पाई। उसकी तरफ सैम कुरेन ने सर्वाधिक 50 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 39 रन देकर तीन और अकील हुसैन ने 24 रन देकर दो विकेट लिए। ऑलराउंडर आंद्रे रसेल काफी महंगे साबित हुए। उन्होंने चार ओवर में 66 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में 28 रन की जरूरत थी और उसने रसेल के इस ओवर में 17 रन बनाए।

नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को आईटीएफ विश्व चैंपियन पुरस्कार

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को इस सत्र में चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल वर्ग में कम से कम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के 2023 के विश्व चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जोकोविच ने रिकॉर्ड आठवीं बार एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज रहते हुए सत्र का अंत किया। उन्होंने इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतकर अपने कुल ग्रैंडस्लैम खिताब की संख्या 24 पर पहुंचाई। वह विंबलडन में उपविजेता रहे थे। जोकोविच ने आठवीं बार आईटीएफ विश्व चैंपियन का पुरस्कार हासिल किया और यह भी रिकॉर्ड है।

सबालेंका ने पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। वह अमेरिकी ओपन में उपविजेता रही जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंची थी। वह सितंबर में पहली बार अपने करियर में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। उन्होंने सत्र का अंत इगा स्वियातेक के बाद दूसरे नंबर पर रहते हुए किया।

तोक्यो ओलंपिक के पूर्व अधिकारी ने खेलों के अनुबंध के बदले रिश्वत लेने से किया इनकार

तोक्यो (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के पूर्व सदस्य हारुयुकी ताकाहाशी को तोक्यो जिला अदालत में पेश हुए और खेलों से जुड़े रिश्वत के मामले में खुद को निर्दोष बताया। ताकाहाशी को एक साल से भी अधिक समय पहले गिरफ्तार किया गया था और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनके मामले की सुनवाई कब खत्म होगी। बचाव पक्ष अगले साल की शुरुआत में अपना पक्ष रखेगा। जापान की प्रतिष्ठित विज्ञापन कंपनी देंत्सु के पूर्व अधिकारी ताकाहाशी

पर आरोप है कि उन्होंने 2021 तोक्यो खेलों से जुड़े ओलंपिक अनुबंध देने के बदले में 19 करोड़ 80 लाख येन (14 लाख डॉलर) की रिश्वत ली। देंत्सु और पांच अन्य कंपनियों पर बोली में धांधली के आपराधिक आरोपों से जुड़ी एक अलग सुनवाई स्थगित होने के ठीक नौ दिन बाद ताकाहाशी अदालत में पेश हुए। सुनवाई अगले साल की शुरुआत में फिर शुरू होगी। ताकाहाशी ने अभियोजन पक्ष द्वारा अपना मामला पेश करने से पहले न्यायाधीश से कहा, 'मैं सभी आरोपों पर अपनी बेगुनाही का दावा करता हूं। यह पूरी तरह से व्यवसाय था और यह रिश्वत नहीं थी।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में पांच विकेट लेकर बोले कुलदीप

'विकेट स्पिनरों के लिए बहुत अच्छा था',

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि अपनी तेजी और उछाल के लिए मशहूर रहे दक्षिण अफ्रीका के विकेट वर्तमान दौरे में स्पिनरों के भी अनुकूल हैं। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 17 रन देकर 5 विकेट लिए। वह भुवनेश्वर कुमार के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं जिन्होंने टी20 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में दूसरी बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया। अपना 29वां जन्मदिन मना रहे कुलदीप की शानदार गेंदबाजी से भारत ने यह मैच 106 रन से जीत कर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

कुलदीप ने मैच के बाद कहा, 'यह मेरे लिए विशेष दिन बन गया। मैंने पांच विकेट लेने के बारे में कभी नहीं सोचा था। मैं केवल इतना चाहता था की टीम जीते जो कि अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी गेंदबाजी को लेकर थोड़ा चिंतित था क्योंकि मैं कुछ दिनों बाद खेल रहा था और इसलिए मैं लय हासिल करना चाहता था। यह शानदार दिन था। गेंद अच्छी तरह से हाथ से छूट रही थी और परिस्थितियों से भी कुछ हद तक स्पिनरों को मदद

मिल रही थी।

कुलदीप ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो विकेट स्पिनरों के लिए बहुत अच्छा था। इन विकेट की सबसे अच्छी बात यह रही कि गेंद पिच होने के बाद बहुत तेजी से आ रही थी। इसलिए कभी कभार आपको अपनी 'वेरिएशन% बदलनी पड़ती है और अगर आप इसे सही कर देते हो तो फिर इसे खेलना आसान नहीं होता।

कुलदीप इससे पहले आखिरी बार 2018 में दक्षिण अफ्रीका में खेले थे। इसके बाद 2021 में घुटने की चोट के कारण वह 6-7 महीनों तक खेल से दूर रहे। उन्होंने कहा, '2018 में मैं काफी नया खिलाड़ी था और उसके बाद दो वर्ष तक मैं चोट से जूझता रहा। घुटने का ऑपरेशन करवाने के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी विशेषकर रन अप में कुछ बदलाव किए। मैंने अधिक आक्रामक होने तथा अपनी लेंथ पर ध्यान देने और सीधी गेंद करने का प्रयास किया।

कुलदीप ने भी अपने साथियों की तरह स्वीकार किया कि वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार से उबरने में उन्हें कुछ समय लगा। उन्होंने कहा, 'पहले सात से 10 दिन वास्तव में काफी मुश्किल थे। जब भी मैं जागता विश्व कप के फाइनल में हार के बारे में सोचता। लेकिन जिंदगी में बदलाव होता है और आगे बढ़ना होता है। मुझे दक्षिण अफ्रीका में खेलने का मौका मिला। मैं 2018 में यहां खेला था और इसलिए परिस्थितियों से वाकिफ था।

संक्षिप्त समाचार

'जौहरी' के साथ चारु असोपा ने किया अपना ओटीटी डेब्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। टेलीविजन उद्योग में एक दशक से अधिक समय के करियर के साथ दर्शकों का दिल जीतने के बाद, चारू ने एमएक्स प्लेयर और अतरंगी टीवी पर हाल ही में लॉन्च हुई श्रृंखला जौहरी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया। सीरीज के बारे में बात करते हुए चारू ने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे पता था कि यही वह स्क्रिप्ट है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। यह शो मेरे लिए वापसी का शो था और मैं एक अलग भूमिका निभाना चाहती थी। मैंने हमेशा टीवी पर काम किया है और कई भूमिकाएं निभाई हैं। मुझे तानी का किरदार दिलचस्प और मेरे ओटीटी डेब्यू के लिए सही लगा।चारु असोपा रहस्यमय तानी का किरदार निभा रही है, जिसका प्रभाव नीरज को हीरे के कारोबार में आगे रहने के लिए प्रेरित करता है। वह वही थी जिसने उसके जीवन को बदल दिया था। जबकि कारोबार में दिमाग नीरज का था, लेकिन वह चेहरा थी जिसने देश के महत्त्वपूर्ण लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। जौहरी एक आम आदमी का सफर दर्शाता है जो अपने चाचा के मार्गदर्शन में हीरों के व्यवसाय का बेताज बादशाह बन जाता है। नाट्य तब और अधिक मनोरंजक हो जाता है जब कहानी बैंक घोटालों और धोखाधड़ी की दुनिया में उतरती है, जिसमें एक व्यवसायी के की उड़ान और गिरावट को दर्शाया गया है। यह श्रृंखला नीरज की विनम्र शुरुआत से शुरू होती है और एक स्टाइलिश थ्रिलर में विकसित होती है जो 90 के दशक के सार को दर्शाती है। इस में निशांत मलकानी ने नीरज की भूमिका निभाई है।

मध्य प्रदेश विधानसभा का सत्र 18 दिसंबर से शुरू

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र 18 दिसंबर से शुरू हो रहा है। यह सत्र चार दिवसीय होगा और 21 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष का भी चुनाव होगा। विधानसभा सचिवालय के अवर सचिव नरेंद्र मिश्रा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार विधानसभा का सत्र चार दिवसीय होगा, इस दौरान नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव द्वारा शपथ दिलाई जाएगी । इस सत्र में विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा और राज्यपाल मंगु भाई पटेल के अभिभाषण के साथ शासकीय कार्य संपन्न होंगे। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने बताया है कि सोलहवीं विधानसभा के 210 विधायकों ने अब तक पंजीयन कराया है । नवनिर्वाचित विधायकों की आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने तक विधानसभा सचिवालय में बनाए गए स्वागत कक्ष का कार्य इस सत्र अवधि तक जारी रहेगा और जहां से शेष बचे विधायक अपना पंजीयन करा सकेंगे। राज्य की 230 विधानसभा सीटों के लिए हुए आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार 163 स्थान पर जीते हैं, वहीं कांग्रेस को 66 स्थान पर जीत मिली है और एक स्थान पर भारत आदिवासी पार्टी का उम्मीदवार जीता है।

दिग्गज कांग्रेस नेता केपी विश्वनाथन का निधन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता के.पी. विश्वनाथन का शुक्रवार सुबह एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। विश्वनाथन केरल के त्रिशूर में कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में से एक थे, लेकिन पिछले कुछ समय से उन्होंने खुद को सक्रिय राजनीति से दूर रखा हुआ था। छह बार के विधायक, विश्वनाथन, के. करुणाकरण (1991-94) की कैबिनेट और 2004-2005 की ओमन चांडी कैबिनेट में भी मंत्री थे, जब उन्हें प्रतिकूल अदालत के फैसले पर इस्तीफा देना पड़ा था। 2006 और 2011 के विधानसभा चुनाव हारने के बाद, विश्वनाथन ने व्यावहारिक रूप से सक्रिय राजनीति छोड़ दी। एक मृदुभाषी नेता, वह कांग्रेस पार्टी में अपने संगठनात्मक कार्यों के माध्यम से उच्च पदों तक पहुंचे।

नोएडा में आवारा कुत्ते को खाना खिलाने को लेकर सोसाइटी में बवाल

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में आवारा कुत्तों को लेकर वाद विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला एक सोसाइटी का आया है, जहां पर खुले में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर पशु प्रेमी और सोसाइटी के लोग आपस में भिड़ गए और काफी कहासुनी हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात को नोएडा के सेक्टर 137 स्थित सुपरटेक इकोसिटी सोसाइटी में सार्वजनिक स्थान पर एक महिला कुत्तों को खाना खिला रही थी। सोसाइटी निवासियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। महिला और निवासियों के बीच करीब घंटे तक बहस होती रही। पुलिस के हस्तक्षेप करने के बाद मामले को शांत कराया जा सका। इस मामले में समिति की ओर से गुरुवार को सेक्टर 142 थाने में महिला के खिलाफ शिकायत दी गई है।

संसद में घुसपैठ के मास्टरमाइंड ने सरेंडर से पहले जला दिए 4 फोन, साजिश के सबूत कर दिए राख

नईदिल्ली, एजेंसी।
संसद की सुरक्षा में सेंध लगाकर अंदर और बाहर हंगामा करने के मामले में मास्टरमाइंड बताए जा रहे ललित झा ने गुरुवार रात सरेंडर कर दिया। लेकिन जब वह थाने पहुंचा तो उसके पास वे मोबाइल फोन नहीं थे जो पहले से गिरफ्तार चार आरोपियों के थे और वारदात से पहले ललित झा उन्हें लेकर भाग गया था। सूत्रों के मुताबिक ललित झा ने सरेंडर से पहले चारों फोन को जला डाला। पुलिस पूछताछ में उसने इस बात को स्वीकार किया है। ललित ने महेश और कैलाश नाम के दो किरदारों का भी नाम लिया, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

बताया जा रहा है कि दिल्ली में सरेंडर से पहले ललित राजस्थान में छिपा था। वहीं उसने फोन भी नष्ट किए। सूत्रों के मुताबिक शुरुआती पूछताछ में ललित ने बताया है कि वह कुचामन गया था जहां अपने दोस्त महेश से मिला। महेश ने भी वहां उसके रुकने की व्यवस्था कराई। ललित ने कहा है कि उसने महेश और कैलाश के साथ मिलकर फोन नष्ट कर दिए हैं। हालांकि, पुलिस अभी उसकी बात पर भरोसा नहीं कर रही है। पुलिस और तहकीकात कर रही है। साजिश की तह तक पहुंचने के लिए चारों आरोपियों के फोन की

बरामदगी बेहद अहम है, ताकि पता चल सके कि क्या वारदात में कुछ लोग पर्दे के पीछे से काम कर रहे थे।

गौरतलब है कि संसद के भीतर और बाहर हंगामा करने से पहले आरोपियों सागर, मनोरंजन, अमोल और नीलम ने अपना फोन ललित झा को दे दिया था। ललित झा भीड़ में शामिल होकर उनका वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। इसके बाद वह यहां से फरार होकर बस से राजस्थान गया। वह नागौर में छिपा रहा और गुरुवार को उसने कर्तव्यपथ थाने में सरेंडर किया। सरेंडर के वक्त उसके साथ महेश भी था जिसे हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस अब सभी आरोपियों को उनके शहर ले जाकर भी साजिश के तार का पता लगाने की कोशिश करेगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या सरकार के खिलाफ अपने गुस्से के इजहार करने के लिए उन्होंने यह तरीका अपनाया या फिर संसद हमले की बरसी के दिन की गई वारदात के पीछे कोई और बड़ी साजिश है। ललित झा लंबे समय से पश्चिम बंगाल में रहता था। वहां भी एक टीम जाकर पता लगाएगी कि वह इससे पहले किस तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है।

फेल हो जाती नीलम तो तैयार था प्लान बी, संसद कांड का मास्टरमाइंड ललित झा उगल रहा राज

नईदिल्ली, एजेंसी। संसद में उत्पात मचाने के मामले मे अब तक पुलिस 7 लोगों पर शिकंजा कस चुकी है। इस पूरी साजिश के मास्टरमाइंड कहे जा रहे ललित झा ने भी सरेंडर कर दिया है। खबर है कि उसने पुलिस के सामने की अहम राज उगले हैं, जिसमें प्लान-बी का भी जिक्र शामिल है। बुधवार को दो शख्स संसद में घुस गए थे और अंदर स्मोक बम का इस्तेमाल किया था।

झा से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, झा ने बताया है कि अगर नीलम कौर और अमोल शिंदे अपने काम में फेल हो जाते, तो प्रदर्शन के लिए महेश और कैलाश नाम के दो शख्स तैयार थे। ये दो भी अब पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्लान था कि अगर नीलम और अमोल संसद के पास नहीं पहुंच पाते, तो कैलाश और महेश दूसरी दिशा से जाते और मीडिया कैमरों के सामने कलर बम चलाते। खास बात है कि ललित ने इस घटना के बाद छिपने का प्लान भी तैयार कर लिया था। इस प्लान के तहत महेश को ललित को राजस्थान में छिपाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

एक पुलिस अधिकारी का कहना है झा को गिरफ्तार किया गया है। जबकि, महेश को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सवाल-जवाब के दौरान कैलाश की भूमिका सामने आई और बाद में उसे भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि झा बस से राजस्थान गया था। शक है कि दिल्ली लौटने से पहले यहां उसने मोबाइल फोन तबाह कर दिए थे। पुलिस ने नीलम और अमोल को बुधवार को ही संसद के बाहर प्रदर्शन करने के दौरान पकड़ा था। दोनों परिसर में पीले रंग का धुंआ उड़ा रहे थे और नारेबाजी कर रहे थे। जबकि, मुख्य आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी सभागृह तक पहुंच गए थे और सांसदों के बीच कलर बम का इस्तेमाल किया था।

1.01 करोड़ की लूट मामले में तीन आरोपी भगौड़े करार

चंडीगढ़, एजेंसी। बठिंडा के एक व्यापारी का अपहरण कर उससे 1.01 करोड़ की लूटपाट करने के मामले में पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहे प्रवीन शाह, लक्की व पवन को जिला अदालत ने भगौड़ा करार दे दिया है। आरोपियों को चार माह से अधिक समय हो गया है। वह पुलिस से भागते घूम रहे है। उनकी गिरफ्तारी ना होने के चलते सैक्टर 39 थाना पुलिस ने उनके भगौड़ा करार दिए जाने को लेकर दस्तावेज दायर किए थे। उस प्रकिया के पूरे होते ही उक्त तीनों आरोपियों को वीरवार को भगौड़ा करार दे दिया गया है।

मामले में चार महिने से अधिक समय से फरार चल रहे सैक्टर-39 के बर्खास्त पूर्व एडिशनल एसएचओ नवीन फोगाट ने 24 नवंबर को आत्मसर्मपण किया था। मामले में पुलिस पहले कांस्टेबल शिव कुमार, कांस्टेबल वरिन्द्र सिंह व वजिन्द्र गिल उर्फ अंकित गिल गिरफ्तार किए जा चुके हैं जबकि पुलिस को अब प्रवीन शाह, लक्की व पवन की तलाश थी। मामले में भगौड़ा घोषित हुए प्रवीण शाह से मामले में बनाई गई एसआईटी को 26 लाख रु पये बरामद करने है। लूट की वारदात के बाद प्रवीण शाह नकदी लेकर फरार हो गया था। नवीन फौगाट ने रिमांड के दौरान पूछताछ में बताया था कि प्रवीण शाह सारी नगदी लेकर फरार हो गया था। दरअसल 4/5 अगस्त को, सैक्टर- 39 पुलिस स्टेशन के एडिशनल एसएचओ सब-इंस्पेक्टर नवीन फोगाट और थाने में तैनात कांस्टेबल वरिन्द्र, शिव कुमार समेत अन्य के खिलाफ बठिंडा के कारोबारी संजय गोयल ने सैक्टर-39 थाने में अपने साथ हुई लूटपाट की वारदात की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि सब-इंस्पेक्टर फोगाट और दो अन्य व्यक्तियों ने सैक्टर-40 की मार्किट में उनसे जबरदस्ती 1.01 करोड़ रुपए छीन लिए थे। रिश्वतखोरी के चलते चर्चाओं और विवादों चंडीगढ़ पुलिस का दामन पर उस समय एक और दाग लगा था जब 2000 रु पये के नोट बदलने बठिंडा का आढ़ती संजय चंडीगढ़ पहुंचा था। आढ़ती ने 500-500 के नोट देकर 2000 हजार के नोट लेने थे।

डिवाइडर से चार्ज होंगे इलेक्ट्रिक वाहन

गोरखपुर, एजेंसी।
आईटीएम गीडा गोरखपुर के छात्रों का नवाचार इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग को नई दिशा देने वाला है। इस नवाचार की खासियत है कि इससे सड़कों पर चलते-चलते इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज किया जा सकेगा। इससे उन्हें किसी जगह पर खड़ा कर चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस प्रोजेक्ट को गोरखपुर आईटीएम गीडा के कंप्यूटर साइंस के छात्र अविनाश व आकाश पाल ने बनाया है। छात्र अविनाश ने बताया कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन टेक्नोलॉजी की मदद से सड़कों पर बने रोड डिवाइडर से इलेक्ट्रिक गाड़ियां चलते-चलते चार्ज हो जाएंगी। इस इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन को रोड डिवाइडर के भविष्य को देख कर डिज़ाइन किया जा रहा है।

अविनाश के अनुसार, स्मार्ट इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन रोड डिवाइडर के अंदर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन से जुड़ कर काम करेगा। इनके तालमेल से इलेक्ट्रिक करंट जनरेट होगा, लेकिन यह करंट सिर्फ उन्हीं इलेक्ट्रिक वाहनों में करंट ट्रांस्मिट करेगा, जिन वाहनो में

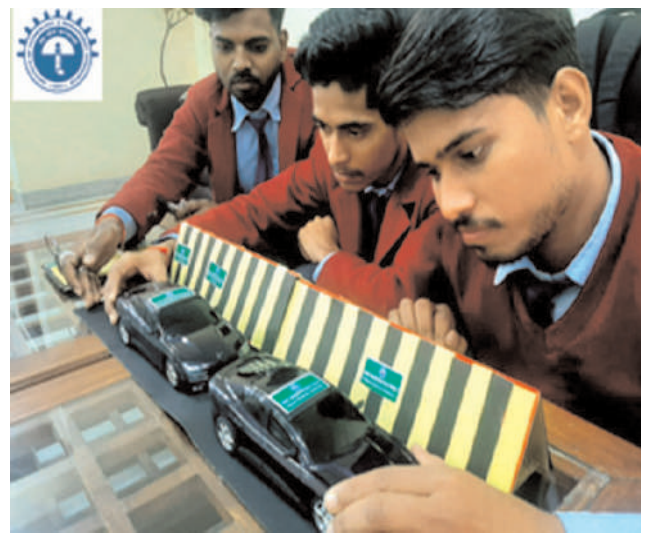

इलेक्ट्रॉमाग्नेटिक रिसीवर चिप लगा होगा। यह चिप इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी से जुड़ा होगा और जैसे ही इलेक्ट्रिक वाहन डिवाइडर से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक करंट के संपर्क में आयेगा, इलेक्ट्रिक वाहन के बैटरी का चार्जिंग चिप एक्टिव हो जायेगा और बैटरी चार्ज होने लगेगी।

उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉमाग्नेटिक रिसीवर चिप सोलर से भी काम करेगा। इसकी वजह से बिजली की बचत होगी। इतना ही नहीं, यदि इस रिसीवर चिप को किसी इलेक्ट्रिक वाहन के मोटर से कनेक्ट कर दिया जाए तो छोटी इलेक्ट्रिकल गाड़ियां बिना बैटरी के भी चल सकेंगी।

आईटीएम के निदेशक डॉ एनके सिंह ने बताया इन छात्रों ने कॉलेज के इनोवेशन सेल में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन रोड डिवाइडर प्रोजेक्ट तैयार किया है। भविष्य में इलेक्ट्रिकल वाहन को खड़ा कर चार्ज नहीं करना पड़ेगा। इलेक्ट्रिक गाड़ियां सड़कों पर चलते-चलते चार्ज हो जाएंगी। इससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लम्बी दूरी की यात्रा करना भी आसान होगा। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला के क्षेत्रीय वैज्ञानिक अधिकारी महादेव पांडेय ने बताया कि यह अच्छा नवाचार है। इस तकनीक से आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहन को सहूलियत होगी और प्रदूषण भी कम होगा। बता दें कि इलेक्ट्रिक वाहन, दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल से चलने वाले मोटर वाहन से होने वाले प्रदूषण को रोकने का विकल्प हैं। यह प्रदूषण फ्री हैं, लेकिन इन्हें चार्ज करने में अधिक समय लगता है और लम्बी यात्रा के दौरान जगह-जगह रुककर चार्ज करना पड़ता है।

इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर इलेक्ट्रिक वाहनों चालकों को काफी सहूलियत होने की उम्मीद है।

मालिक की दरियादिली के कारण रातों रात बदली माली की किस्मत, बन गया 91 हजार करोड़ का मालिक

पेरिस, एजेंसी।
एक मालिक की जिंदगी रातोंरात बदल गई और वह अरबपति बन गया। ऐसा कहानी हमें सिर्फ कहानियों में मिलती है लेकिन ऐसा असल जिंदगी में भी हुआ है। लग्जरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एचईआरएमएस के 80 साल के प्राइमरी शेयरहोल्डर निकोल्स प्यूच अपने 51 साल के माली को गोद लेने की योजना बना रहे हैं। वह अपनी 11 बिलियन डॉलर (91,000 करोड़ रुपए) की संपत्ति के लाभार्थी भी होंगे। निकोल्स प्यूच एचईआरएमएस के संस्थापक थियरी हर्मेस के पोते हैं। प्यूच ने 2014 में एचईआरएमएस के स्टेकहोल्डर्स को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। हालांकि, उनके इस्तीफे के

बावजूद कंपनी में उनकी 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

प्यूच शादीशुदा नहीं है और उनके कोई बच्चे नहीं है। उन्होंने अपनी संपत्ति माली के नाम करने की तैयारी भी शुरू कर दी है। प्यूच इस काम को पूरा करने के लिए कानूनी सलाहकारों की मदद ले रहे है। फ्रांस में किसी वृद्ध व्यक्ति को गोद लेना या संपत्ति का उत्तराधिकारी घोषित करना बहुत जटिल प्रकिया है। रिपोर्टर्स के मुताबिक 51 साल के इस माली ने एक स्पेनिश महिला से शादी की है और उसके 2 बच्चे हैं। हालांकि उनका नाम अभी तक सार्वजनिक डोमेन में सामने नहीं आया है।

प्यूच ने न सिर्फ 91,000 करोड़ रुपए की इतनी बड़ी रकम बल्कि कई अन्य आलीशान चीजें भी अपने माली को तोहफें में दी हैं। रिपोटर्स के मुताबिक प्यूच ने पहले ही मोरक्को में अपनी एक संपत्ति और स्विट्जरलैंड के मॉन्ट्रो में एक विला माली के नाम कर लिया है। इन संपत्तियों की कुल कीमत 59 लाख डॉलर(50 करोड़ रुपए) है।

सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हैं कि प्यूच ने अपने माली को इतना ट्रांसफर करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया है। वह यह पैसा अपने परिवार के किसी सदस्य को भी दे सकते थे।

हंगरी ने यूक्रेन के लिए यूरोपीय संघ की 55 अरब डॉलर की फंडिंग को रोका

ब्रुसेल्स, एजेंसी।
सदस्यता वार्ता शुरू करने पर सहमति बनने के कुछ घंटों बाद हंगरी सरकार ने यूक्रेन के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) की 50 अरब यूरो (55 अरब डॉलर) की फंडिंग रोक दी है। शुक्रवार की सुबह एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने कहा, रात्रि पाली का सारांश- यूक्रेन को अतिरिक्त धन के लिए वीटो, एमएफएफ समीक्षा के लिए वीटो। उचित तैयारी के बाद हम अगले साल ईयूसीओ में इस मुद्दे पर वापस आएंगे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ के नेताओं द्वारा यूक्रेन और मोल्दोवा के साथ सदस्यता वार्ता शुरू करने और जॉर्जिया को उम्मीदवार का दर्जा देने का निर्णय लेने के तुरंत बाद ओर्बन की घोषणा हुई। हंगरी ने लंबे समय से यूक्रेन की सदस्यता का विरोध किया है लेकिन उस कदम पर वीटो नहीं किया। ओर्बन कुछ देर के लिए वार्ता कक्ष से चले गए, जिसे अधिकारियों ने पूर्व-सहमत और रचनात्मक तरीके से बताया, जबकि अन्य 26 नेता मतदान के लिए आगे बढ़े। सहायता के लिए ओर्बन के विरोध पर टिप्पणी करते हुए, डच प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने कहा-हमारे पास अभी भी कुछ समय है, यूक्रेन के पास अगले कुछ हफ्तों में पैसे की कमी नहीं है। बीबीसी ने रुटे के हवाले से कहा, हम 26 देशों के साथ सहमत हैं। विक्टर ओर्बन, हंगरी, अभी तक ऐसा करने में सक्षम नहीं थे। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अगले साल की शुरुआत में एक सौदा कर सकते हैं। हम जनवरी के अंत के बारे में सोच रहे हैं। ब्लॉक के नेताओं ने कहा कि यूक्रेन के लिए सहायता पर बातचीत अगले साल की शुरुआत में फिर से शुरू होगी।

रामास्वामी ने कहा- ईसाई धर्म के प्रसार के लिए मैं सर्वश्रेष्ठ नहीं, फिर भी अमेरिकी क्यों एक हिंदू को अपना राष्ट्रपति चुनें

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने कहा है कि वह अपनी हिंदू आस्था के कुछ मूलभूत सिद्धांतों को यहूदी-ईसाई मूल्यों के साथ जोड़ते हैं लेकिन वह ईसाई धर्म का प्रसार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रपति नहीं होंगे। भारतीय मूल के 38 वर्षीय अरबपति बायोटेक कारोबारी ने बुधवार को लोवा में सीएनएन के एक टाउनहॉल में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने धर्म, आव्रजन, सीमा सुरक्षा और आर्थिक असमानता के विषयों पर प्रश्नों के उत्तर दिए। एक श्रोता ने रामास्वामी से उन लोगों की धारणा के बारे में पूछा जिनका मानना है कि वह उनके राष्ट्रपति नहीं बन सकते क्योंकि उनका धर्म वह नहीं है जिसके आधार पर हमारे पूर्वजों ने इसे आगे बढ़ाया था। रामास्वामी ने उत्तर में कहा, ''वह इस बात को विनम्रता के साथ खारिज करते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी हिंदू आस्था के कुछ मूलभूत सिद्धांतों

को लोवा के अनेक मतदाताओं के ''यहूदी-ईसाई मूल्यों से जोड़ते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वह ईसाई धर्म का प्रसार करने के वास्ते सबसे अच्छे राष्ट्रपति नहीं होंगे।

आयोवा के एक अनिर्णीत रिपब्लिकन ने आज राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी से उनके धर्म के बारे में बात की। सीएनएन टाउनहॉल के दौरान गिन्नी मिशेल नाम की दर्शक सदस्य ने आश्चर्य जताया कि विवेक रामास्वामी चुनाव में भाग लेने का इरादा कैसे रखते हैं, जबकि वह अमेरिका के संस्थापकों के समान धर्म का पालन नहीं करते हैं। आप उन लोगों को क्या कहेंगे जो आपसे कहते हैं कि आप हमारे राष्ट्रपति नहीं हो सकते क्योंकि आपका धर्म वह नहीं है जिस पर हमारे संस्थापकों ने हमारे देश को आधारित किया था। रामास्वामी ने कहा इस सवाल के जवाब में कहा कि मैं एक हिंदू हूं और अपनी पहचान नकली नहीं बनाऊंगा। विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह फर्जी धर्मांतरित नहीं हैं और अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए झूठ नहीं बोलेंगे, मैं एक हिंदू हूं। विवेक ने आगे कहा कि हिंदू और ईसाई धर्म समान मूल्य साझा करते हैं ।

उन्होंने कहा, मेरी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर, मैं समझता हूं कि हर व्यक्ति यहां एक कारण से है और उस कारण को पूरा करना हमारा नैतिक दायित्व है क्योंकि भगवान हम में से प्रत्येक के भीतर रहते हैं, भले ही भगवान हमारे माध्यम से विभिन्न तरीकों से काम करते हैं, हम सभी समान हैं।उन्होंने कहा मेरी परवरिश काफी पारंपरिक थी। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया कि विवाह पवित्र हैं, परिवार समाज की आधारशिला हैं, जब चीजें काम नहीं करती हैं तो विवाह से पहले संयम एक व्यवहार्य विकल्प है, और व्यभिचार गलत है। जीवन के सुखों का आनंद लेने के लिए कुछ त्याग करने की आवश्यकता होती है। क्या वे मूल्य कहीं और से नहीं हैं रामास्वामी ने कहा कि ईसाई धर्म को बढ़ावा देने के लिए वह सही विकल्प नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए सही विकल्प नहीं होंगे।भारतीय-अमेरिकी उद्यमी ने आश्वासन दिया कि वह उन मूल्यों के लिए खड़े रहेंगे जिन पर अमेरिका की स्थापना हुई थी। मेरा काम इस देश में विश्वास और देशभक्ति को कायम करना होगा।

कंगाल पाकिस्तान स्टॉक मार्केट में बना रहा नया रिकॉर्ड !

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली से पूरी दुनिया वाकिफ है। हालत इतनी खराब है कि पाकिस्तान आईएमएफ से 3 अरब डॉलर का लोन लेने की तैयारी में है। महंगाई हर दिन नया रिकॉर्ड बना रही है, लेकिन इन सब के बावजूद पाकिस्तान का स्टॉक मार्केट तेजी से चढ़ा है। यह हर दिन नए स्तर पार कर रहा है। कंगाली के बावजूद पाकिस्तान की स्टॉक मार्केट में जोरदार तेजी देखी जा रही है।

महंगाई के बाद भी यहां का स्टॉक मार्केट 2 महीने में 50 हजार से 66 हजार के लेवल को पार कर चुका है।बीते सप्ताह के दौरान पाकिस्तान के शेयर बाजार में बैंकों के शेयर 1704 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नवंबर महीने में पाकिस्तानी शेयर बाजार में विदेशी निवेश साढ़े तीन करोड़ डॉलर का हुआ । यह निवेश छह साल में सबसे ज्यादा है। दिसंबर के पहले सप्ताह में ही विदेशी निवेशकों ने 10 लाख डॉलर का निवेश किया है। गत सप्ताह पाकिस्तान के स्टॉक मार्केट ने ऐतिहासिक तेजी दिखाई। पिछले हफ्ते आखिरी दिन स्टॉक एक्सचेंज ने 65 हजार और 66 हजार के लेवल को पार किया । पाकिस्तानी इंडेक्स का सबसे उच्च स्तर 66 हजार 223 रहा है। वहीं पिछले दो महीने के दौरान भी इस स्टॉक ने गजब की तेजी दिखाई ।यह

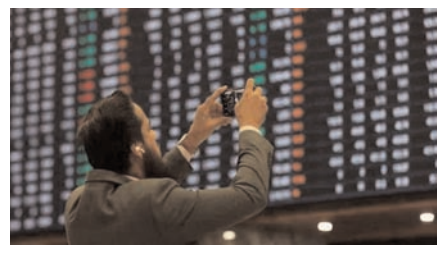

अक्टूबर में 50,000 पर था और दिसंबर में 66,000 अंक को पार कर गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक स्टॉक मार्केट में इतनी तेजी का कारण, निवेशकों को केंद्रीय बैंक की नीतिगत ब्याज दर में कटौती की उम्मीद है। वर्तमान में मौजूदा ब्याज दर रिकॉर्ड उच्च 22प्रतिशत पर है और महंगाई चरम पर है। हालांकि अक्टूबर में महंगाई दर साल-दर-साल 26.9प्रतिशत तक धीमी हो गई है। ऐसे में उम्मीद है कि महंगाई अभी और कम हो सकती है।इसके अलावा विदेशी मुद्रा का निवेश भी बढ़ा है, जिस कारण स्टॉक मार्केट में इतनी तेजी देखी जा रही है। स्टॉक मार्केट में इतनी तेजी के बावजूद पाकिस्तान के लोगों का कहना है कि शेयर बाजार में बढ़ोतरी का कोई मतलब नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129